College No. 1072
E-mail:gurunanakvsgic@gmail.com

Contact Us.
8090235751, 9793403740
8957966336, 9984630265

GURUNANAK VIDDYAK SABHA GIRLS INTER COLLEGE

Barkherwa, Sitapur Road, Lakhimpur-Kheri

Guru Jyot

ਗੁਰੂ ਜੋਤ

"What You Teach Today may Someday light the world"

College Magazine

गुरु ज्योत

मंत्र
इक ओंकार सतनाम
करता पुरख निरभउ निरवैर।
अकाल मूरत अजूनी सैभं गुरू परसाद।।

जपु
आदि सच जुगादि सच।
है भी सच नानक होसी भी सच।।

गुरू वही जो आपको जीना सिखा दे
गुरू ज्योत वही जो आपसे आपकी पहचान करा दे।
तराश दे हीरे की तरह वो तुमको
टेढ़े-मेढ़ रास्तों पर चलना सिखा दे
कर दे ज्ञान ज्योत से कायाकल्प वो तुम्हारा
सच और झूठ से साकार करा दे
हमेशा दिखाये सच्चा मार्ग वो तुमको
गुरू ज्योत थमाकर अच्छा इन्सान बना दे
मुश्किलों से लड़कर आगे बढ़ जाओ तुम
तुमको वो इतना समझदार बना दे।
बताये वो तुम्हें जीत जाना ही सब कुछ नहीं
हारकर जीत जाने का हुनर सिखा दे
गुरू ज्योत वही जो आपसे आपकी पहचान करा दे।

Principal
Dr. Meenakchi Tiwari
NET, Phd.

प्रबन्ध कार्यकारिणी के सम्मानित पदाधिकारी सदस्यगण/ विद्यालय स्टॉफ

स० सरवन सिंह
अध्यक्ष

स० सेवक सिंह अजमानी
प्रबन्धक

स० त्रिलोक सिंह
अध्यक्ष

स० अमरजीत सिंह चावला
उपाध्यक्ष

स० जगदीश लाल गुलाटी
प्रबन्धक (गु.वि.स.)

स० अमरजीत सिंह अजमानी
सदस्य

श्री सुरेन्द्र तोलानी
सदस्य

विभिन्न गतिविधियाँ

विभिन्न गतिविधियाँ

शांति के प्रतीक कबूतर उड़ाकर डीएम ने किया प्रतियोगिताओं का उद्घाटन। ● हिन्दुस्तान

गीत और नृत्य से कार्यक्रम को दिया सांस्कृतिक माहौल। ● हिन्दूस्तान

AJMANI PUBLIC SCHOOL
amarujala.com
अमर उजाला

योग पखवाड़ा

AJMANI PUBLIC SCHOOL
अमर उजाला
amarujala.com
MILLION SMILES

AJMANI PUBLIC

AJMANI PUBLIC SCHOOL

शुभ दीपावली

विद्यालय स्टाफ

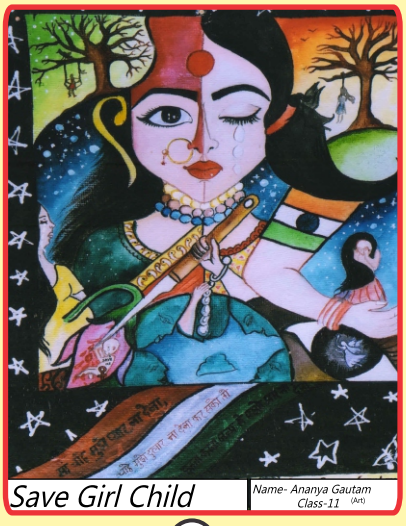

Save Girl Child

Name- Ananya Gautam
Class-11 (Art)

शैलेन्द्र कुमार सिंह
आई.ए.एस.

अ०शा०प०सं०

एस.टी.डी. 05872
कार्यालय 252822, 252838
निवास 252879, 252715
फैक्स 252250

जिलाधिकारी
लखीमपुर-खीरी

दिनांक :

शुभकामना –सन्देश

मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि गुरूनानक विद्यक सभा कन्या इण्टर कालेज वार्षिक पत्रिका ''गुरूजोत'' का प्रकाशन करने जा रहा है, जिसके माध्यम से विद्यालय की विशेषताओं एवं उपलब्धियों के बारे में जनमानस को उपयोगी जानकारी सुलभ हो सकेगी।

पत्रिका के सृजन में शिक्षकों एवं बच्चों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। पत्रिका में प्रकाशित होने वाले लेख कहानी कविताओं तथा अन्य रचनाओं के संकलन में विद्यालय की छात्राओं एवं शिक्षिकाओं को प्रतिभा निखारने का सुअवसर प्राप्त होगा।

उक्त पत्रिका अपने उद्देश्य में शीर्ष सफलता प्राप्त करे, ऐसी मेरी हार्दिक शुभकामनायें है।

भवदीय,

(शैलेन्द्र कुमार सिंह)
जिलाधिकारी, लखीमपुर खीरी।

डा0 मीनाक्षी,
प्राचार्या,
गुरूनानक विद्यक सभा कन्या इण्टर कालेज,
लखीमपुर खीरी।

डॉ॰ आर॰ के॰ जायसवाल
पी॰ई॰एस॰

जिला विद्यालय निरीक्षक
लखीमपुर–खीरी 262701

दिनांक 18.3.20

शुभकामना संदेश

बड़े हर्ष का विषय है कि, गुरूनानक विद्यक सभा, लखीमपुर जनपद खीरी अपनी विविध गतिविधियों के तहत वर्तमान शैक्षिक सत्र 2020–2021 में अपनी वार्षिक पत्रिका **"गुरूज्योत"** का प्रकाशन कर रहा है। पत्रिका विद्यालय, की शैक्षणिक एवं समस्त गतिविधियों को परिलक्षित करती है एवं विद्यालय में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं के शैक्षिक उन्नयन में विशेष योगदान रखती है।

पत्रिका के प्रकाशन हेतु मै सम्पूर्ण विद्यालय परिवार एवं विद्यालय में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को हार्दिक बधाई ज्ञापित करता हूँ, तथा आशा करता हूँ कि पत्रिका विद्यालय में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं की अभिव्यक्ति का माध्यम बनेगी।

धन्यवाद।

18/3/20

डॉ0(आर0के0जायसवाल)
जिला विद्यालय निरीक्षक,
लखीमपुर–खीरी।

63188(O)
55862(R)

Dr. Vishal Dwivedi
[M.A., M.Ed., U.G.C.-NET, Ph.D.(Edu.)]
ASSOCIATE PROFESSOR & HEAD

Teachers Training Dept.
Y.D.P.G.College,
Lakhimpur-Kheri (U.P.)

Resi.: 12, Shanti Nagar, Garhi Road, Lakhimpur-Kheri, (U.P.) Pin - 262701

Ref.:

Date.: 22.03.2020

शुभकामना-सन्देश

मुझे यह जानकर अत्यन्त हर्ष की अनुभूति हो रही है कि गुरु नानक विद्यक सभा कन्या इण्टर कॉलेज, लखीमपुर-खीरी अपनी वार्षिक पत्रिका 'गुरु ज्योत' का प्रकाशन करने जा रहा है।

पत्रिका के माध्यम से विद्यालय की वार्षिक प्रगति एवं विद्यालय के शिक्षकों एवं छात्रों के शैक्षणिक व अकादमिक उन्नयन का प्रतिबिम्ब परिलक्षित होता है। रचनाशीलता के विकास में पत्रिका की अहम भूमिका होती है।

मैं आशा करता हूँ कि प्रकाशित होने वाली पत्रिका सारगर्भित एवं ज्ञानवर्धक सामग्री से परिपूर्ण होगी जो विद्यालय की छात्राओं के साथ-साथ सम्पूर्ण समाज हेतु उपयोगी एवं सार्थक सिद्ध होगी।

'गुरु ज्योत' के सफल प्रकाशन हेतु मैं विद्यालय के प्रबंधक एवं प्राचार्या तथा सम्पादक मण्डल के सभी सदस्यों को साधुवाद व हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित कर रहा हूँ। विद्यालय उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर हो।

Vishal Dwivedi

(डॉ० विशाल द्विवेदी)
एसोशिएट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
शिक्षक शिक्षा विभाग (बी०एड०)
युवराज दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय
लखीमपुर-खीरी (उ०प्र०)

Government of India
Ministry of Youth Affairs and Sports

FIT INDIA

Certificate

of Recognition

Gurunanak Viddhak Sabha Girls Inter College Lakhimpur

has declared itself as a FIT INDIA School, and has been issued this certificate in recognition of the online self declaration done by the school.

Gurunanak Viddhak Sabha Girls Inter College can now use the FIT INDIA Flag and Logo. The school is expected to honour the declaration given during the registration process.

RS Julaniya
Secretary, Sports
Government of India

Kiren Rijiju (I/C)
Ministry of Youth Affairs and Sports
Government of India

FIT
सत्यमेव जयते
INDIA
SCHOOL

OUR TOPPERS
2020

इण्टरमीडिएट टॉपर 2020

''विद्यालय रत्न छात्रायें'' ससम्मान

विज्ञान वर्ग ⬇

स्वाती प्रजापति

मुस्कान मंसूरी

इंशा सिद्दीकी

ईसा राजपूत

दीपाली कश्यप

निकिता

कला वर्ग ⬇

शुभी कश्यप

रंजना वर्मा

प्रिया देवी

पल्लवी वर्मा

राधा वर्मा

हाईस्कूल टॉपर 2020

वाटिका वर्मा

सौम्या शर्मा

काजल वर्मा

हर्षिता वर्मा

राधा शुक्ला

हर्षिता गुप्ता

अंजली वर्मा

OUR TOPPERS
2019

इण्टरमीडिएट टॉपर 2019

''विद्यालय रत्न छात्रायें''

विज्ञान वर्ग ⬇

नैन्सी शर्मा

सविता कुमारी

विप्सा वर्मा

जीनत बानो

हाशमीन

शालिनी पटेल

कला वर्ग ⬇

कल्पना वर्मा

प्रियंका वर्मा

शालिनी वर्मा

राधना देवी

नैनसी देवी

प्राची दीक्षित

रवीना कुमारी

हाईस्कूल टॉपर 2019

जर्रीन अंसारी

जिकरा अंसारी

शिवा तिवारी

वन्दना पटेल

रूपाली वर्मा

समिता वर्मा

अनामिका मिश्रा

आरती वर्मा

OUR TOPPERS
2018

इण्टरमीडिएट टॉपर 2019

''विद्यालय रत्न छात्रायें''

विज्ञान वर्ग

श्रुति दीक्षित
77.1%

शैलजा सिंह
76.4%

दिव्या वर्मा
75.6 %

सुरूचि वर्मा
74.6 %

ईशा मिश्रा
72.6 %

कला वर्ग

रश्मिवर्मा
71.8%

रचना गुप्ता
69.8%

प्रीती प्रजापति
72.5%

लक्ष्मी वर्मा
70.6%

दीपिका रस्तोगी
70.2%

हाईस्कूल टॉपर 2018

मुसकान मंसूरी
82.5%

इंशा सिद्दीकी
79.6%

दीप शिखा वर्मा
79.1 %

ईशा राजपूत
77.6 %

स्वाती प्रजापति
76.3 %

अंजली वर्मा
75.5%

अनामिका चतुर्वेदी
73.3%

नाजिया खातून
73.3%

अर्पिता सिंह
72.5 %

निकिता
72.6%

इण्टरमीडिएट टॉपर 2017

DISTRICT TOPPER 2017

''विद्यालय रत्न छात्रायें''

स्वप्निल गुप्ता
90.8%

आरजू परवीन
72.6%

शाल्वी
72%

इन्दू
72.2 %

रिंकी यादव
72%

''सिरोपा द्वारा सम्मान''

District Topper
स्वप्निल गुप्ता
कक्षा 12 'विज्ञान'

हाईस्कूल टॉपर 2017

वीप्सा वर्मा
78.5 %

प्रियंका
78.3 %

सविता कुमारी
77 %

कल्पना वर्मा
76 %

शालिनी पटेल
76 %

OUR TOPPERS
2016

इण्टरमीडिएट टॉपर 2016

''विद्यालय रत्न''

अक्षिता कैथवार
80.2 %

मनन वर्मा
78.4 %

अमिता देवी
77.6 %

रिया चक्रवर्ती
77.8 %

चाँदनी देवी
76.8 %

संगीता
75.8 %

एकता भार्गव
75.4 %

सुनैना
75.2 %

अंशिका वर्मा
73.6 %

अर्चना देवी
73.6 %

ज्योति शर्मा
73.6 %

हाईस्कूल टॉपर 2016

श्रुति दीक्षित
86.5 %

दिव्या वर्मा
85.33 %

सुरूचि वर्मा
84 %

ईशा भारती
79.16 %

शैलजा सिंह
78.5 %

रश्मि वर्मा
73.16 %

स० सरवन सिंह
अध्यक्ष
गुरूनानक विद्यक सभा कन्या इण्टर कालेज
लखीमपुर–खीरी

अध्यक्ष महोदय की कलम से

नये शैक्षिक सत्र 2020–21 की प्रवेश पुस्तिका एवं अनुशासन नियमावली जारी करते हुये हमें अपार हर्ष हो रहा है। गत वर्षों में विद्यालय ने उन्नति और विकास की जो ऊँचाई प्राप्त की है, नव सत्र उन्हे और ऊँचा ले जाने का प्रयास करेगा। हमारा विद्यालय नगर के अग्रणी विद्यालयों की कतार में सबसे ऊपर नजर आता है। शिक्षा के क्षेत्र में जो मील का पत्थर हमने स्थापित किया हैं, उसे छू पाना यदि नामुमकिन नहीं तो मुश्किल अवश्य है। इस अवसर पर मैं बधाई देना चाहूंगा विद्यालय के प्रबन्धक स० सेवक सिंह अजमानी जी को, विद्यालय की प्राचार्या डा० मीनाक्षी जी एवं विद्यालय के समस्त स्टॉफ को जिनके अथक प्रयासों से हम इन बुलन्दियों को छू पाने में सफल हुए हैं । मैं चाहता हूं कि अगले सत्र में भी हमारा समस्त स्टॉफ और ज्यादा मेहनत से कार्य करें एवं बच्चों के भविष्य को उज्जवल करने का पूर्ण प्रसास करें। मेरी शुभकामनायें आप के साथ हैं।

आवश्यक मोबाइल नं०

महिला पावर लाइन डायल	1090
एस. पी. डायल	9454400284
फायर ब्रिगेड डायल	101
पुलिस डायल	100
सड़क दुर्घटना	1073
एम्बुलेन्स डायल	108
रेलवे सुरक्षा	182
एम्बुलेन्स	102
मुख्यमंत्री सहायता लाइन	1076
महिला सहायता/सुरक्षा हेल्पलाइन	1091,1090,1098, 181
नागरिक काल सेन्टर	155300

स० सेवक सिंह अजमानी

गुरूनानक विद्यक सभा क. इं. कॉलेज
लखीमपुर–खीरी

प्रबन्धक की कलम से...

गुरूनानक विद्यक सभा की स्थापना 1958 में सिख समाज के द्वारा की गयी थी। यह ऐसा समय था जब सह शिक्षा का अभाव था। मौजूदा समय में गुरूनानक विद्यक सभा के अन्तर्गत एक ही परिसर में गुरूनानक विद्यक सभा कन्या इण्टर कॉलेज, गुरूनानक इण्टर कॉलेज व गुरूनानक महाविद्यालय स्थापित हैं। जिनमें सभी का अपना अलग–अलग प्रबन्धन है। तीनों कॉलेज इस उद्देश्य से संचालित किये जा रहे हैं कि समाज के सभी वर्गों व सभी धर्मों के बच्चों को बिना भेदभाव के गुणवत्ता युक्त शिक्षा दी जाये। हमारे विद्यालय में सभी छात्र–छात्राओं के मानसिक विकास के लिए शिक्षा के साथ – साथ व्यक्तित्व विकास से सम्बन्धित विभिन्न क्रिया कलाप कराये जाते हैं।

समय– समय पर योग्य प्रवक्ताओं व प्रशिक्षकों द्वारा छात्र–छात्राओं को उच्च शिक्षा हेतु कैरियर काउन्सिलिंग करायी जाती है। जिससे भविष्य में उन्हे अपनी रूचि के अनुसार विषय चुनने में सहायता मिलती है। विद्यालय में छात्र–छात्राओं को संस्कार अपनाकर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी जाती है। इन कार्यो को सफल बनाने में विद्यालय की प्रबन्ध समिति व प्रधानाचार्या डा. मीनाक्षी तिवारी व समस्त शिक्षक – शिक्षिकायें एवं स्टाफ का पूर्ण योगदान है।

विद्यालय में सभी साधनों से युक्त रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, जीव विज्ञान तथा गृह विज्ञान की प्रयोगशालायें हैं। अत्याधुनिक कम्प्यूटर प्रयोगशाला है। जिसमें प्रोजेक्टर से ऑडियो विजुअल कक्षाओं द्वारा छात्र–छात्राओं को शिक्षा दी जाती हैं। विद्यालय में समस्त आवश्यक साधन एवं सुविधायें उपलब्ध हैं। विद्यालय की उन्नति में अभिभावकों का पूर्ण सहयोग रहता है।

यह संस्था सदैव शिक्षा व संस्कारों के क्षेत्र में अग्रणी रहकर विकास करें। यही हमारा शुभाशीष है।

''आर्शीवाद''

प्रधानाचार्या की कलम से...

मंगल आशीर्वाद

Principal
Dr. Meenakchi Tiwari
NET, Phd.

'रोका किसने है तुम्हे,
उड़कर तो देखो।
दो पंख हैं तुम्हारे पास,
और खुला आसमां है आगे'...

सम्पूर्ण संसार में अच्छाइयां फैलाने का और बुराइयां नष्ट करने का एकमात्र उपाय है, सद्शिक्षा। जब–जब भी विकास हुआ है तो वह शिक्षा से ही हुआ है और आज जब पूरा विश्व महिला सशक्तिकरण की अपरिहार्य आवश्यकता को महसूस कर रहा है तो ऐसे में विद्यालय ही एकमात्र ऐसा माध्यम है, जहाँ छात्राओं के नैतिक, शारीरिक, शैक्षिक, तार्किक एवं मानसिक विकास के गुणों को अंकुरित, पुष्पित और पल्लवित किया जाता है। संस्था अपनी स्थापना काल से अब तक छात्राओं को आगे बढ़ने के लिए अनवरत प्रेरित कर रही है।

शिक्षा के श्रेष्ठ एवं अत्याधुनिक मापदण्डों को अपनाते हुए ज्ञान के आलोक में वर्तमान में कॉलेज के अध्यक्ष महोदय, प्रबन्धक महोदय, प्रबन्ध समिति शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं शिक्षकों के कुशल निर्देशन व कॉलेज स्टाफ के परिश्रमी व सामूहिक प्रयासों की सही दिशा में हमने कालेज की गौरवशाली परम्परा को आगे बढ़ाया है। गत वर्षों की भांति हाईस्कूल एवं इण्टरबोर्ड परीक्षाओं में ससम्मान प्रथम उत्तीर्ण छात्राओं का प्रतिशत लगातार बढ़ रहा है। कॉलेज की छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों, वाद–विवाद प्रतियोगिताओं, स्काउट गाइड, विज्ञान प्रदर्शिनी, जनपदीय रैली, इत्यादि में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जनपद एवं प्रदेश में कालेज का नाम गौरवान्वित किया है। जिसके लिए सभी बधाई के पात्र हैं, साथ ही छात्र–छात्राओं के माता – पिता को उनके सहयोग के लिए विशेष आभार व्यक्त करती हूँ, और ईश्वर से प्रार्थना करती हूँ कि विद्यालय अपने उद्देश्यों में सदैव सफल रहे।

''बेटियों को पंख देकर तो देखो ।
बुलन्दियो के आसमान कम पड़ जायेंगे ।।

शुभाशीष

आवश्यक जानकारी

शिक्षण विषय/वर्ग

कक्षा 6 से 8 शिक्षण विषय (हिन्दी माध्यम) अंग्रेजी माध्यम (6.8)

अनिवार्य – हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, सा० विषय, गृह विज्ञान, कला, स्काउट / गाइड पर्यावरण, नैतिक शिक्षा, शारीरिक शिक्षा, संस्कृत, कम्प्यूटर

Class 6 to 8 English Medium

Hindi, English, Maths, Science, Social Science, Home Science, Drawing, Scout/Guide, Environment, Moral Education, Physics Education, Sanskrit, Computer

कक्षा 9 से 10 शिक्षण विषय

अनिवार्य – हिन्दी, अंग्रेजी, विज्ञान, सा० विषय, कला अथवा वाणिज्य, गृह विज्ञान अथवा गणित शारीरिक शिक्षा, कम्प्यूटर, संस्कृत

कक्षा 11 से 12 कला वर्ग विषय

कला वर्ग – हिन्दी, अंग्रेजी, गृह विज्ञान, कला, समाज शास्त्र, शारीरिक शिक्षा, संस्कृत

कक्षा 11 से 12 विज्ञान वर्ग विषय

विज्ञान वर्ग – हिन्दी , अंग्रेजी, जीव विज्ञान अथवा गणित, भौतिकी, रसायन, शारीरिक शिक्षा

कक्षा 11 से 12 वाणिज्य वर्ग विषय

वाणिज्य वर्ग – हिन्दी, अंग्रेजी, बही खाता तथा लेखाशास्त्र, व्यापारिक संगठन एवं पत्र व्यवहार अधिकोषण तत्व, अर्थ शास्त्र ।

छात्राओं हेतु संलग्नक प्रपत्र

1. आधार कार्ड , 2. जाति प्रमाण–पत्र, 3. आय प्रमाण–पत्र, 4. निवास प्रमाण–पत्र
5. उत्तीर्ण परीक्षा का अंक पत्र एवं स्थानान्तरण प्रमाण–पत्र, 6. छात्रवृत्ति हेतु राष्ट्रीय बैंक का खाता संख्या
7. 6 नवीनतम फोटो

विद्यालय का समय

ग्रीष्मकाल – प्रात: 7:30 बजे से 12:45 बजे तक
शीतकाल – प्रात: 9:00 बजे से 02:45 बजे तक

(आदेशानुसार परिवर्तन सम्भव)

यूनिफार्म– (ग्रीष्मकालीन) कक्षा 6 से 8 छात्राओं हेतु सोमवार, मंगलवार, गुरूवार, शुक्रवार (सफेद शर्ट, ग्रे स्कर्ट, नेवी ब्लू रिबन काले जूते मोजे) तथा बुधवार, शनिवार (सफेद शर्ट, सफेद स्कर्ट, सफेद जूते मोजे, सफेद रिबन) कक्षा 9 से 12 सोमवार, मंगलवार, गुरूवार, शुक्रवार डार्क ग्रे कुर्ता पौन आस्तीन वाला, सफेद सलवार नेवी ब्लू रिबन, काले जूते मोजे बुधवार, शनिवार, सफेद कुर्ता, सफेद सलवार, सफेद / नेवी ब्लू रिबन प्रतिदिन (सदन के अनुसार वेशभूषा)

यूनिफार्म– (शीतकालीन) नेवी ब्लू स्वेटर तथा नेवी ब्लू कोट विद्यालय लोगो सहित प्रतिदिन।

नोट– समय तथा विद्यालय यूनिफार्म, आई डी. कार्ड का विशेष ध्यान रखना अति आवश्यक है। विद्यालय यूनिफार्म में न आने पर विद्यार्थी को वापस भेज दिया जायेगा।

विद्यालय की अनुशासक नियमावली एवं निर्देश

1- सत्र के अन्त तक 80% उपस्थिति अनिवार्य है, 75% से कम उपस्थिति होने पर परीक्षा में सम्मिलित नही होने दिया जायेगा।

2- प्रार्थना सभा में अनिवार्य रूप से उपस्थिति हों।

3- आवश्यक सूचनाएँ लिखित रूप से नोटिस बोर्ड पर लगाई जाती हैं। विद्यार्थी उनपर अवश्य ध्यान दें।

4- समय–समय पर आयोजित विविध कार्यक्रमों में छात्राओं की उपस्थिति एवं सहभागिता अनिवार्य है।

5- विद्यालय में प्रधानाचार्या कक्ष, कार्यालय, स्टाफ कक्ष के सामने एवं बरामदों में छात्र/छात्राओं का खड़ा होना एवं घूमना वर्जित है। अनुशासन हीनता क्षम्य नहीं होगी।

6- विद्यालय में आने वाले अभिभावक/ आगन्तुको को पहले शिक्षणेत्तर कर्मचारियों से सम्पर्क कर प्रधानाचार्या से मिलने के समय की प्रतीक्षा करनी चाहिये।

7- विद्यालय परिसर में मोबाइल लाना पूर्णतः वर्जित है।

8- प्रत्येक छात्रा से यह अपेक्षा की जाती है कि विद्यालय यूनिफार्म में समय से विद्यालय में उपस्थित हों।

9- अभिभावको से अनुरोध है कि बच्चों को बाहर ट्यूशन न पढ़वायें। विद्यालय में सभी विषय अत्यन्त कुशल अनुभवी शिक्षकों द्वारा पढ़ाये एवं पूर्ण किये जाते हैं।

10- वार्षिकोत्सव एवं अन्य पाठ्य सहभागी क्रियाकलापों हेतु यदि शुल्क निर्धारित होता है तो निर्धारित शुल्क अनिवार्य रूप से देय होगा।

11- मासिक शुल्क निर्धारित समय पर जमा करना अनिवार्य है अन्यथा विलम्ब शुल्क देय होगा।

12- प्रबन्ध समिति एवं विद्यालय का निर्णय प्रत्येक स्थिति में मान्य होगा।

नोट– विद्यालय नियमों को ध्यान पूर्वक पढ़ें एवं उनका पालन कर विद्यालय की प्रगति में सहायक बनें।

अन्य विवरण

परिचय –पत्र–

विद्यालय में उपस्थिति के दौरान परिचय–पत्र सदैव प्रत्येक छात्र / छात्रा के लिये अनिवार्य है।

कक्षायें–

प्रवेश प्रक्रिया के उपरान्त विधिवत कक्षायें संचालित होगी। कक्षायें जिनमें 80 : उपस्थिति अनिवार्य है तथा सभी मासिक परीक्षायें एवं अर्द्धवार्षिक और वार्षिक परीक्षाओं में सम्मिलित होना अनिवार्य है। अभिभावकों से अनुरोध है कि वे छात्र/छात्राओं को विद्यालय की निर्धारित वेश–भूषा में विद्यालय अवश्य भेंजें।

पुस्तकालय –

छात्राओं के ज्ञानवर्धन हेतु पुस्तकालय की व्यवस्था है, जिसमें उनके विषय विशेष एवं ज्ञानवर्धन की समस्त पुस्तके उपलब्ध हैं । छात्राओं से यह अपेक्षा होगी कि पत्र–पत्रिकायें एवं पुस्तकों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देगी तथा सुव्यवस्था बनाये रखेगी।

कैरियर काउन्सिलिंग

विद्यालय में छात्राओं को रोजगारोन्मुख करने की दशा में समय– समय पर सम्बन्धित विषय के प्रभारी के द्वारा कार्यशालायें / व्याख्यान आयोजित किये जाते हैं । सभी महत्वपूर्ण दिवस राष्ट्रीय पर्व एवं त्यौहार उत्साह तथा हर्षोल्लास के साथ प्रबन्धक समिति एवं विद्यालय स्टाफ एवं बच्चों के साथ संगठित होकर मनाये जाते हैं। .....

जैसे– आवश्यक जयन्ती, गुरूपर्व, बाल दिवस, शिक्षक दिवस, स्वतन्त्रता दिवस, गणतन्त्र दिवस, होली ईद, दीपावली आदि। महत्वपूर्ण दिवस पर उपस्थिति अनिवार्य हैं।

चिकित्सा सम्बन्धी सहायता –

छात्र/छात्राओं के स्वास्थ्य (आँख, दाँत, रक्त, हीमोग्लोबिन, आदि की जाँच कुशल डॉक्टरों के द्वारा करवाने की व्यवस्था है।

परीक्षा सम्बन्धी सूचना –

विद्यालय में होने वाली बोर्ड परीक्षा हाई स्कूल, इण्टरमीडिएट एवं गृह परीक्षा में अनुचित साधन प्रयोग एक दण्डनीय अपराध है अतः प्रारम्भ से ही इसे गम्भीरता से लें।

शैक्षिक भ्रमण –

सत्र में एक बार शैक्षणिक भ्रमण पर ले जाने की व्यवस्था है, जिसका व्यय छात्र / छात्राओं द्वारा स्वयं वहन करना होगा।

यूपी 100 UP

आईटेक्स प्रकोष्ठ

यूपी 100 भवन, 7/13 गोमतीनगर विस्तार, शहीद पथ, लखनऊ।

ईमेल-iteccs-up@gov.in

यू0पी0 100 प्रदेश स्तरीय आपातकालीन सेवा है। यू0पी0 100 की सेवायें (24×7) उपलब्ध है। हम महिला सम्बन्धी समस्याओं में भी यथाशीघ्र समाधान देने के लिए तत्पर है:–

- ❖ इसकी सबसे बड़ी ख़ासियत यह है कि आप उ0प्र0 के 75 जनपदों में से किसी भी जनपद से किसी भी समय हमें फोन करतें है तो "**आपकी कॉल प्रशिक्षित महिला कर्मियों द्वारा उठायी जाती है**, जो किसी भी दबाव या प्रभाव से मुक्त होती हैं और आपकी समस्या को महसूस कर सकती हैं।"
- ❖ कॉल उठाने वाली महिला, पुलिसकर्मी नही, **जनता के बीच की महिलायें होती है, जिन्हे सॉफ्ट स्किल** में प्रशिक्षण दिया जाता है।
- ❖ यदि आप चाहते है तो सूचना देने पर भी आपका **नाम तथा फोन नं0 गोपनीय** रखा जायेगा।
- ❖ आपके द्वारा बतायी गयी समस्या पर **पी0आर0वी0 यथाशीघ्र पहुँचती** है।
- ❖ आप हमें संचार के सभी माध्यमों से सम्पर्क कर सकते है। **(Whatsapp No-7570000100, SMS-7233000100, Facebook @callup100, Twitter @up100, Instagram @callup100, Website- www.up100.uppolice.gov.in, Citizen App)**
- ❖ यू0पी0 100 के **Citizen App को Play Store से Download** कर सकते है। इसके **SOS Feature** को दबाने से फोन करने की आवश्यकता भी नही पड़ेगी। पी0आर0वी0 **Location Based** तकनीकी का प्रयोग करके आप तक पहुँच जायेगी।
- ❖ **यू0पी0 100 के साथ 112 India App का Integration** किया जा चुका है। 112 डायल करके पुलिस सहायता प्राप्त की जा सकती है। **112 India App Download करके बटन press** करने पर पुलिस सहायता प्राप्त की जा सकती है।
- ❖ प्रदेश में किसी भी स्थान से **(चलती ट्रेन, बस या स्टेशन परिसर से भी)** कॉल करके यू0पी0 100 की सहायता के साथ ही साथ चिकित्सा/अग्निशमन की सहायता भी प्राप्त कर सकते है।
- ❖ यदि आपके सामने या आपके साथ कोई घटना या दुर्घटना हो रही हो या होने की सम्भावना हो और आपको आस–पास कोई पी0आर0वी0 दिखाई दे रही है तो आप पी0आर0वी0 पर उपलब्ध फोन नं0 भी मिला सकते है। जिसके लिए **731115–पी0आर0वी0 पर अंकित 4 अंको का नम्बर (वाहन का रजिस्ट्रेशन नं0) मिलाना होगा। (उदाहरणार्थ–731115★★★★)**
- ❖ मौखिक रूप से भी आप निकटतम दिखाई देने वाली पी0आर0वी0 को सूचना देकर उनकी सहायता ले सकते है।
- ❖ सूचना देते समय आप घटनास्थल के निकट के महत्वपूर्ण स्थल के बारे में बता सकते है।

"शहर या देहात, दिन हो या रात"
यू0पी0 100 है सबके साथ।

गुरूनानक विद्यक सभा कन्या इण्टर कालेज, लखीमपुर–खीरी

महिला सुरक्षा एवं जन जागरूकता पत्रक

आज के समय में महिलाओं के साथ घर व घर के बाहर लूट खसोट, छेड़छाड, अपहरण, रेप, एसिड अटैक, अश्लील कमेण्ट, हरकतें व जानलेवा हमलों की घटनाओं के कारण सुरक्षा के खतरे चिन्ता का विषय है। ऐसी स्थिति में अपनी सुरक्षा के लिए स्वयं करने योग्य कुछ उपाय जानने अत्यन्त आवश्यक है। जैसे:

- स्वयं को सुरक्षित रखने के लिये घर व घर के बाहर – सभी जगह समझदारी व सावधानी बरतें।
- घर में अकेली होने पर किसी अपरिचित के लिए द्वार न खोलें। परिवार के मध्य किसी भी सम्बन्धी प्रियजन व परिचित व्यक्ति के अन्तर्गत अवांछित व्यवहार को नजरअंदाज न करें, सहम कर चुप्पी न साधें। मां भाभी या घर में किसी भी विश्वसनीय अभिभावक को बतायें।
  घर से बाहर निकलने पर ध्यान दें।
- अपने पर्स में मिर्ची पाउडर, चिलीस्प्रे, सुरक्षा अलार्म, पेंचकस, नेलकटर आदि अवश्य रक्खें तथा विषम परिस्थिति में दुपट्टा, रूमाल साड़ी का पल्लू, जूड़ा पिन, हेयर पिन, सेफ्टीपिन, क्लिप, छाता, पर्स आदि का हथियार रूप में प्रयोग कर पाने की मानसिक तैयारी त्वरा रक्खें।
- अपना मोबाइल फुल चार्ज रक्खें तथा महत्वपूर्ण नं. स्पीड डायल पर रक्खें। घर वालों से फोन सम्पर्क में रहें। जी.पी.एस. ऑन रक्खें।
- आपातकाल में पेनिक बटन मोबाइल हैंडसेट रुल – 1016 के अन्तर्गत दूरसंचार से प्राप्त सुविधा 'पेनिक बटन सिस्टम' का प्रयोग करें।
- रास्ते में छेड़छाड़, गुंडे द्वारा पीछा किए जाने या अवांछित फोन काल से पीड़ित होने की स्थिति में डायल – 100 (हेल्पलाइन 100 पुलिस इमरजेन्सी)' वूमेन पावर लाइन–1090', हेल्पलाइन 181, एण्टी रोमियो रक्वाड आदि की सहायता लें।

अलग–अलग राज्यों में महिलाओं के लिए कुछ हेल्पलाइन नम्बर्स

- जम्मू कश्मीर, दिल्ली हरियाणा, चंडीगढ़, गुजरात, गोवा, उड़ीसा, केरल, तमिलनाडु व कर्नाटक 1091
- उ. प्र., राजस्थान, म. प्र. व आंध्रप्रदेश 1090
- बिहार में पटना के लिये 9771468024 और बाकी जिलों के लिये अंतिम नं. से 35 तक।
- बंगाल में 1091, 8017100,100 उत्तराखण्ड में 18001804111

एक राज्य एक नम्बर – 1090 उत्तर प्रदेश

न डरें न सहें — **वूमेन पावर लाइन** — **हम से कहें,**

- पीड़ित की पहचान गुप्त रखी जाती है।
- थाने या कार्यालय में नहीं बुलाया जाता।
- महिला पुलिस अधिकारी द्वारा कॉल सुनी जाती है।
- प्रदेश में कही भी रहने पर 1090 पर काल की जा सकती है
- समस्या के समाधान तक वूमेन पावर लाइन आपके सम्पर्क में रहती है।

- कितनी भी मजबूरी हो कभी भी अनजान लोगों से लिफ्ट न लें। अपनी गाड़ी से होने पर बिना सोचे समझे किसी को भी लिफ्ट न दें। पब्लिक ट्रांसपोर्ट का प्रयोग अधिक करें।
- आटो टैक्सी में बैठने से पूर्व उसका रजिस्ट्रेशन नं. देखें व ड्राइवर की हुलिए के बारे में व अपने गन्तव्य तक पहुँचने के समय की सूचना घर में दें। फोन न लगने पर भी ड्राइवर को यही लगे कि आपने उसके व टैक्सी के विषय में सूचना दे दी है।
- कभी भी स्वयं को लाचार, असहाय, कमजोर बेचारी सी दिखकर सहानुभूति व सहायता न लं।
- सड़क पर डरी सहमी सी न चलें। सतर्क जागरूक व चौकन्नी रहें।
- साहसी व आत्मनिर्भर बनें। अपना काम स्वयं करें, अनावश्यक किसी की मदद न लें।
- किसी मॉल, शोरूम, मार्ट आदि में ट्रायल रुम या होटल आदि के कमरे में कपड़े बदलने से पूर्व खिड़की, पंखे, बल्ब, रोशनदान– सभी जगहों पर गौर से निरीक्षण करें कि कहीं कैमरा तो नहीं छिपा है।
- स्वयं को शारीरिक रूप से स्वस्थ रक्खें तथा आत्मरक्षा हेतु मार्शल आर्ट ताइक्वाण्डो आदि सीखें।
- अपने कानूनी अधिकारों को समझायें। जागरूक रहें।

स्त्री सशक्तिकरण, शिक्षा व सुरक्षा हेतु सदैव तत्पर व दृढ़ प्रतिज्ञ

महिला सुरक्षा एवं विधिक साक्षरता प्रकोष्ठ 'सक्षम'

विद्यालय की प्रबन्ध समितियाँ

वेशभूषा एवं समय प्रबन्ध समिति	-	करमजीत कौर, राहुल मिश्रा, हर्षिता शुक्ला, जितेन्द्र कौर, दीप्ती तिवारी
स्वच्छता एवं सौन्दर्य प्रबन्ध समिति	-	हरमिन्दर कौर, अमरजीत कौर, शुभ्रा मिश्रा, अर्चना कुरील, करनजीत कौर
गाइड प्रबन्ध समिति	-	विमला कश्यप, बबिता सचदेवा, जितेन्द्र कौर
छात्रवृत्ति प्रबन्ध समिति	-	अंजू वर्मा, शशी बाला गुप्ता, वीरेन्द्र कुमार
सांस्कृतिक कार्यक्रम/मंच प्रबन्ध समिति	-	प्रियांशी श्रीवास्तव, दीप्ती तिवारी, करनजीत कौर राहुल मिश्रा, श्याम बाबू, शुभ्रा मिश्रा, शिवशंकर अवस्थी एवं समस्त स्टाफ
अनुशासन/खेलकूद प्रबन्ध समिति	-	हर्षिता शुक्ला, श्याम बाबू
विज्ञान प्रबन्ध समिति	-	राहुल मिश्रा, प्रियांशी, शिवशंकर अवस्थी, सुधीर कुमार श्रीवास्तव
परीक्षा विभाग समिति	-	संजू वर्मा, बबिता सचदेवा, करमजीत कौर
सहयोग एवं जलपान समिति	-	अंजू वर्मा, शशि बाला गुप्ता, वीरेन्द्र कुमार, अर्चना कुरील
अन्य व्यवस्था समिति	-	अमित, बबलू, बबलू कुमार, राहुल कुमार

विद्यालय के सदन

1- केसरिया सदन . छात्रा संचालिका.....

2- हरियाली सदन . छात्रा संचालिका.....

3- श्वेताम्बरी सदन . छात्रा संचालिका.....

4- ओजस्विनी सदन . छात्रा संचालिका.....

5- तेजस्विनी सदन . छात्रा संचालिका.....

(नोट . विद्यालय सदन प्रमुख 'छात्रा' का चुनाव
अन्य छात्राओं द्वारा वोट के आधार पर किया जायेगा)

THE MASSAGE OF SIKHISM

Harminder Kaur
Asst. Teacher

The ancient India was badly in the grip of bigotry and superstition Brahmanism was impetus of Indian Society, But it could not dominate the sagacious seat of society for long, which gave rise a Few religious revolutionaries. Janism and Budhism are the outcome of these revolutions but the Founders of these religions did not believe in the existence of God, Unlike Janism and Budhism, Sikhism is the religion which conveys the message of leading natural behavior, peace and monotheism,

It was the period of turmoil the entire country was Under the situation of confusion, Fear and hatered. At thaqt time a refulgent Personality emerged. This great personality was nobody else but Guru Nank Dev Ji, Who was born in 1469 in Talvandi, Punjab and Laid Foundation of Sikhism. As a matter of fact Sikhism was the demand of those days. Sikhism is the religion of humanity Sikhism is a Universal religion

"EK NOOR TE SAB JAG UJIYA KAUN BHALEY KAUN MANDEY"

The entire creation is the outcome of one diviine, so nobody is either good or bad. I Sikhism belives that Guru Granth shib is pious book if Sikhism, which is a collection of Preachings of Guru Nanak Dev Ji in Poetic Form, Which begins with the Mool Mantra.

"EK ONKAR SATINAM KARTA PURAKHU NIRBHAU NIRVAIR, AKAL MOORATI AJUNI SAIMBHI GURU PRASADI"

This Mantra is recited in prayers which is an explanation of the superme agency i.e. There is One God. He is unborn, Omnipotent, Infinite, Formless, all knowing pervading Sikh, Gurus emphasised "WAH GURU" as the synonym of God. It is said, "Wah Guru is the mantra of Guru. Where ever our great sikh gurus reached and put their Lotus Feet, The Place became pious and Holy Place and to In the Gurudwaras the Gurubani is recited :-

"Prabh Ki Ustati Karaho Sant Meet, Savdhan Ekager Cheet" When The Devoyes Unite With God For Reading Or Listening Gurubani, They Realise heavenly pleasure and joy. He enters the land of bliss where sorrow is unknow. This is the scene which motivates the sikh to pray - "SARBAT DA BHALA" in everyday prayer Sikhism gives massage to all mankind to procure the ability of descriminate between true and False between the eternal and transient, between right and wrong. In all things. Morality, develops spiritual life and sin is an obstacle on the path of devinity.

"सफलता का रहस्य"

जिन्दगी को आसान नहीं बस खुद को मजबूत बनाना पड़ता है,
सही समय कभी नहीं आता .....बस समय को सही बनाना पड़ता है.

सिक्ख धर्म का सफर खालसा पन्थ तक

सिक्ख धर्म की स्थापना सिक्खों के प्रथम गुरू गुरू नानक देव जी द्वारा पन्द्रहवीं शताब्दी में की गई थी। गुरू नानक देव जी का जन्म सन् 1469 ई0 को ननकाना साहब में एक साधारण परिवार में हुआ था। आपके पिता कालूराम एक पटवारी थे। आप बाल्यकाल से व्यावहारिक और अध्यात्मिक ज्ञान के प्रति रूचि रखते थे। आप शुरू से ही जंगल में जाकर एकांतवास में रहते थे व वहाँ से आने–जाने वाले साधु संतों व सूफियों की संगत करते व उनसे ज्ञान प्राप्त करते थे। इनके पिता ने जब वह बाल्य अवस्था से ऊपर आए तो उन्हें व्यापार में व नौकरी में लगाने का प्रयास किया। परन्तु उन्हें सांसारिक व व्यापारिक कार्यों में रूचि न रही और इन कार्यों में वह असफल रहे। उनकी रूचि तो देश व मानव कल्याण में थी। देश की सामाजिक, राजनीतिक व धार्मिक परिस्थितियॉ बहुत दयनीय थी। शासक वर्ग अत्याचारी होता जा रहा था। प्रजा राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक व जातिगत आधार पर पूरी तरह बॅटी हुई थी जिससे शासक वर्ग के खिलाफ कोई आवाज उठाने का साहस भी नहीं कर पार रहा था। ऐसे समय में गुरू नानक देव जी ने अपने जीवन काल में देश–विदेशों का लगभग 30,000 मील का भ्रमण किया व समाज में फैली कुरीतियों व कमियों का अध्ययन किया और पाया कि हिन्दू समाज जातिगत भेदभाव, छुआछूत व धार्मिक आधार पर अनगिनत देवी–देवताओं की उपासना पद्वति के आधार पर पूर्णत: विभाजित हैं और अपने ही लोगों को प्रताड़ित व नीचा दिखाने के लिए शासक वर्ग से सहयोग कर रहे हैं। व जो ज्ञानी व आध्यात्मिक लोग हैं वे जंगलों व पहाड़ों में जाकर अपनी व्यक्तिगत आध्यात्मिक उन्नति के लिए एकांतवास कर रहे थे। ऐसे में गुरू नानक देव जी ने ऐसे धर्म की स्थापना करने की सोंच डाली जो मनुष्य को मनुष्य के रूप में पहचान दिलाए व किसी भी प्रकार का भेदभाव न रखे और परिवार व समाज में रहकर उनसे जो प्राप्त किया है उसका ऋण उतारने के लिए समाज व परिवार के बीच रहकर उन्हें सही मार्ग बताए। उस समय यह मार्ग कठिन था। उन्होंने सभी मानव को यह संदेश देकर अपने सिद्धान्तों को लोगों के सामने इस दोहे के साथ रखा –

अवलि अलह नूरू उपाइआ, कुदरति के सभ बन्दे।
एक नूर से सभु जगु उपजिआ, कउन भले को मन्दे।।

इस दोहे के साथ उन्होंने देश के लोगों को आपसी धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक व जातिगत भेदभाव को मिटाकर पूरी दूनिया को यह संदेश देने का प्रयास किया कि मनुष्य की पहचान मनुष्य के रूप में करें। यह सभी उस ईश्वर व अल्लाह की संतान हैं। उसके द्वारा इनमें किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया गया है। मध्यकाल में ऐसी विचारधारा व ऐसे सिद्धान्तों को लोगों के बीच मान्यता देना बहुत जोखिम वाला कार्य था। इसलिए इस दोहे के माध्यम से लोगों को प्रेरित किया व आगाह भी किया कि –

जउ तउ प्रेम खेलण का चाउ, सिरू धरि तली गली मेरी आउ।
इतु मारग पैर धरी जै, सिर दीजै कान न कीजै।।

इस प्रकार सिक्ख धर्म का प्रचार व प्रसार करने लगे। जहॉ उन्होंने मनुष्य की पहचान जातियों व सम्प्रदाय के रूप में न करके मनुष्य के रूप में करने का संदेश दिया वहीं उन्होंने एक ईश्वर की आराधना का संदेश दिया। उनका उद्देश्य था कि देश में साम्प्रदायिक व धार्मिक जातिगत भेदभाव मिटाकर समाज में एकरूपता आये। समाज शक्ति संपन्न हो सके। सिक्ख धर्म का सिद्धान्त है कि धर्म का नाम होता है, जाति नहीं होती है। जब किसी धर्म को जाति के नाम से जोड़ते हैं तब धर्म नहीं सम्प्रदाय बनता है। इस प्रकार सिक्ख धर्म का अपने नए धार्मिक स्वरूप के साथ पंजाब की धरती पर व्यापक प्रचार व प्रसार हुआ। आने वाले गुरूओं ने भी अपने–अपने प्रयासों से इस धार्मिक संगठन को मजबूत किया व प्रचार किया। सिक्ख धर्म में गुरू अर्जुन देव जी ने इस विचारधाराओं को बहुत अधिक मजबूती दी व अपने कार्यकाल में स्वर्ण मंदिर बनाकर एक धार्मिक व सद्धान्तिक आस्था केन्द्र स्थापित किया। गुरूग्रन्थ साहब की स्थापना करके देश–दुनिया को धार्मिक ग्रन्थ दिया। इस धार्मिक ग्रन्थ में जहॉ पाँच गुरूओं की वाणी दर्ज है वहीं इसमें जातिगत व साम्प्रदायिक भेदभाव से हटकर सभी जातियों व सम्प्रदाय के 30 भक्तों व सूफी सन्तों की भी वाणी दर्ज है। जिनकी वाणी में समाज में फैली कुरीतियाँ व समाज को गुमराह व भेदभाव के खिलाफ समाज को सुधारने का संदेश दर्ज है। इस प्रकार जहॉ इस ग्रन्थ का नाम गुरू ग्रन्थ साहब है वहीं सर्व सांझी वाणी ग्रन्थ के नाम से भी जाना जाता है। गुरू अर्जुन देव जी ने सिक्ख धर्म के सिद्धान्त को मूर्त रूप दिया व रहती दुनिया तक सिक्ख धर्म के सिद्धान्त को अजर–अमर कर दिया। इसकी कीमत उन्हें अपनी शहादत देकर चुकानी पड़ी। उस समय के मुगल शासक जहॉगीर ने बड़ी क्रूरता से उनको शहीद कर दिया।

इसकी कीमत उन्हें अपनी शहादत देकर चुकानी पड़ी। उस समय के मुगल शासक जहॉगीर ने बड़ी क्रूरता से उनको शहीद कर दिया। छठे गुरू हरिगोविन्द साहब गद्दी पर विराजमान हुए उन्होंने यह महसूस किया कि धार्मिक सिद्धान्तों की रक्षा के लिए शक्ति सम्पन्न होना आवश्यक है और स्वयं धारण किये व अकाल तख्त की स्थापना की जहाँ से सिक्ख अनुयायियों को हुक्मनामा जारी कर उन्हें संगठित करने का कार्य भी किया। इस प्रकार सिक्ख समाज को धर्म के साथ–साथ सिद्धान्तों की रक्षा हेतु युद्धकला में भी निपुण करने का कार्य शुरू हुआ। आगे चलकर शासक वर्ग द्वारा हिन्दू धर्म को पूर्णत: इस्लाम में परिवर्तित करने के लिए अनेक प्रकार के अत्याचार किए जा रहे थे उसी के कारण गुरू तेग बहादुर साहब कश्मीरी ब्राम्हणों की मदद के लिए औरंगजेब के सामने आए। औरंगजेब ने गुरू महाराज को इस्लाम धर्म स्वीकार करने का आदेश दिया जिसे उन्होंने मानने से इन्कार कर दिया जिस कारण उनको शहादत देनी पड़ी उनकी शहादत के पश्चात् गुरू गोविन्द सिंह जी महाराज 9 वर्ष की अवस्था में गुरू गद्दी पर विराजमान हुए। आप प्रारम्भ से ही इस मत के थे कि धार्मिक सिद्धान्त बिना राजसी सत्ता के सुरक्षित नहीं है। उनकी इस धारणा को गुरू पिता की शहादत ने और मजबूत किया और अपने इस अभियान में मजबूती से जुड़ गए। उन्होंने सिक्खों को जहाँ वे धार्मिक शिक्षा दे रहे थे, वहाँ शस्त्र व युद्ध कला में निपुण करने व संगठित करने का कार्य भी प्रारम्भ किया। यह आसान नहीं था कि साधारण सा दरवेश दुनिया की एक मजबूत हुकूमत से लोहा लेने की तैयारी कर रहा था। 1699 बैसाखी के दिन आपने बैसाखी के मेले का आयोजन किया और देश व धर्म पर बलिदान होने के लिए संगत का आवाहन किया जिसमें बारी–बारी पाँच सिक्ख साहबान आये। जिन्हें गुरू जी के पाँच प्यारे कहा जाता है।

1. भाई दया सिंह जी, खत्री, 2. भाई धरम सिंह जी, जाट 3. भाई हिम्मत सिंह जी, कहार, 4. भाई मोहकम सिंह जी, छीपा, 5. भाई साहिब सिंह जी, नाई

गुरू जी बारी–बारी उन्हें तम्बू में ले गए और उनकी शहादत हुई। उनकी शहादत शारीरिक रूप से नहीं हुई बल्कि उनके पुराने विचारों, सिद्धान्तों व जातियों की शहादत हुई। गुरू जी ने उन्हें नए रूप व स्वरूप के साथ खालसे के रूप में देश–दुनिया के सामने 5 संकल्पों के साथ पेश किया और उन पाँच संकल्पों को हमेशा याद रखने के लिए पाँच प्रतीक केश, कृपाण, कच्छ, कड़ा व कंघा दिए। पाँच ककारों का आध्यात्मिक संदेश –

स० सेवक सिंह
लेखक एवं प्रबंधक
गुरूनानक विद्यक सभा कन्या इण्टर कॉलेज/
गुरूनानक इण्टर कॉलेज
लखीमपुर–खीरी
मो0 नं0 : 9415325351

केश– ज्ञान व भक्ति का प्रतीक है।
कृपाण– शक्ति का प्रतीक है।
कच्छ– शक्तियों का प्रयोग व्यभिचार के लिए न हो।
कड़ा– शक्ति का प्रयोग कमजोर वर्ग के उत्थान व सहायता के लिए हो।
कंघा– स्वच्छता व शुद्धता का प्रतीक है तथा अहंकार का नाश करता है।

इस प्रकार के खालसा के रूप में एक ऐसे इन्सान की स्थापना की जिसकी जाति इन्सान हो और जिनका धर्म इन्सानियत हो और जो सभी अच्छाइयों से भरपूर व सभी बुराइयों से दूर हो, देश व समाज में अत्याचार को मिटाने का कार्य करे, योद्धा के रूप में संघर्ष करे व देश व समाज में शान्ति के समय लोगों को इन्सान बनने की शिक्षा दे और इन्सानियत के धर्म का पालन करे, सारी मानवता को बराबरी के रूप में जाने व पहचानें। खालसाओं की फौज बनाकर गुरू गोविन्द सिंह जी ने उस विशाल मुगल साम्राज्य का मुकाबला किया। दुनिया के इतिहास में एक ऐसा अनोखा युद्ध लड़ा गया जिसमें न धन सम्पत्ति, न स्त्री, न राज्य सत्ता की प्राप्ति की आकांक्षा थी, सिर्फ अत्याचार के विरूद्ध व उसके अन्त के लिए किया गया यद्ध था। यह था गुरू गोविन्द सिंह जी महाराज के खालसा पन्थ की स्थापना का उद्देश्य परन्तु हमने खालसा पन्थ को पॉच प्रतीक चिन्हों तक सीमित कर दिया व उनके साथ जुड़े गुरू महाराज के उद्देश्यों व सिद्धान्तों को भूल गए आज उनके जन्म दिवस पर हम यह संकल्प लें कि यह प्रतीक जिन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए हमने धारण किये हैं, उन्हें पूरा करें। उनका संदेश 'मानस की जाति सबै एको पहचानबो' को याद करें और दुनिया के सभी मानवों के लिए बराबरी व कल्याण की कामना करें। गुरू तेग बहादुर जी का यह बलिदान किसी सम्प्रदाय की सुरक्षा के लिए नहीं था वरन पूरी मानवता की रक्षा के लिए था। अत: हम कहें कि मानवता की रक्षा के लिए था। कहने का आशय है कि मानवता की चादर उनके बलिदान उद्देश्यों की व्याख्या करें, न कि उन्हे विशेष सम्प्रदाय तक सीमित रखें।

गुरू नानक देव की 550वीं जयंती पर विशेष

हिंदी में निर्गुणवादी साधकों में सबसे बडा नाम महात्मा कबीरदास का हैं, किंतु गुरू नानक देव ने का निगम धर्म का जो आख्यान किया ,वह भी बेजोड है उनका जपुजी नामक ग्रंथ सिखों के बीच उसी प्रकार समादृत है जैसे हिंदुओं के बीच गीता और बौद्धों के बीच धम्मपद । और जपुजी का पाठ केवल सिखों तक सीमित नही है, बहुत हिंदू भी बडी श्रद्धा के साथ इस धर्म ग्रंथ का पाठ करते है। जपुजी की रचना शैली भी अद्भुत है गुरू नानक देव उच्च कोटि के कवि और पहुंचे हुए संत ही नही थे, उनका सामाजिक आचार भी क्रांतिकारी और मनुष्य –मनुष्य के बीच समता का समर्थक था।

मनुष्य का मूल्याकंन उसके धन, कुल अैर विद्या को देखकर नही बल्कि उसके पवित्र भाव और निष्कलुष कर्म को देखकर करना चाहिए, यह गुरू नानक देव की शिक्षा थी और यह बात वह केवल कहकर ही नही समझाते थे, बल्कि करके भी दिखाते थे । यह भी प्रसिद्ध है कि गुरू नानक देव अपने शिष्य मरदाना के साथ सैयदपुर गांव गए, वे लालो नामक एक बढई के घर ठहरे थे । उन्हे एक शूद्र की घर की रोटी खाते देखकर गांव के ब्राहमणों और क्षत्रियों के बीच एक हलचल– सी मच गई। ब्राहमणों और क्षत्रियों ने उनसे निवेदन किया कि आप लालो के यहा से उठकर भागो के घर ठहरिए , क्योकि वह गांव का जमींदार है और साधुओं की सेवा भी करता है। गुरू नानक देव ने इस निवेदन को यह कहकर अस्वीकार कर दिया कि 'लाला गरचे गरीब है ,मगर उसकी रोटी में दूध ही दूध है, क्योंकि यह उसके पसीने की कमाई की रोटी है । तुम्हारे जमींदार मालिक भागों की रोटी में यह स्वाद और पवित्रता कहां से आएगी? वह तो जुल्म की कमाई की रोटी है,जो खून से सनी हुई है ।'सदियों से गुरू नानक के बारे में जो जन श्रुतियां प्रचलित रही हैं,उनसे मालूम होता है कि वह धर्म के बाहरी आडंबर और उसके ढकोसलों को महत्व नहीं देते थे । वह अंधविश्वास के शत्रु थे और लोगों की आंख में उंगली डालकर उन्हें यह समझाना चाहते थे कि जिसे हम धर्म कहते हैं, उसका सम्बन्ध आत्मा और परमात्मा से होता है, खान–पान और छुआछूत से उसका कोई सरोकार नही है। एक बार गुरू नानक देव हरिद्वार गए। वहां उन्होने देखा कि बहुत से लोग पूरब मुंह करके खडे हो अपने पितरों का तर्पण कर रहे हैं गुरू के मन यह बात आई कि इन अंधविश्वासों को कोई शिक्षा दी जाए। वह पश्चिम मुंह करके खडे होकर तर्पण करने लगे। लोगों को यह देखकर बडा कौतुक हुआ। उन्होने कहा, 'महाराज, पितरोंको तो जल पूरब मुहं खड़ा होकर दिया जाता है, आप पश्चिम मुंह खड़ेहोकर किसका तर्पण कर रहे है?'

गुरू नानक देव ने कहा, 'मै पछांह से आया हूं। वहा मेरा एक खेत है। कुछ पता नही कि पानी वहा बरसा है या नही ,अतएव पश्चिम मुंह खड़ा होकर मैं अपने खेतों में पानी बहा रहा हूं। 'लोगो ने अचरज से पूछा,'आदमी तो आप काफी उम्र के हो गए ,मगर आप यह भी नही समझ पाते कि तर्पण करने से यह पानी उस खेत में नही पंहुचेगा ,जो यहा से सैकड़ो कोस दूर है 'गुरू ने कहा, 'जो तुम्हारा उपदेश मैं तुम्ही को वापिस करता हूँ अगर तर्पण का जल मेरे खेत में नही पंहुच सकता, जो इसी धरती पर है, तो तुम्हारा दिया हुआ जल तुम्हारे उन पितरों तक कैसे पहुचेगा ,जो परलोक में है? लोग निरूतर रह गए और उसमें से कई उसी समय गुरू नानक देव के शिष्य हो गए ।

निर्गुण संप्रदाय के सभी संत सन्यास और गृहस्थ के बीच की दूरी समाप्त करना चाहते थे। यह धर्म का निचोड़ जुगाने का प्रयास था। धर्म यदि धर्म हो, तो सन्यासी और गृहस्थ दोनोंको वह समान रूप से सुलभ होना चाहिए, उसकी उपासना केवल मंगलवार, रविवार या शुक्रवार को नही, बल्कि हर रोज और हर समय की जानी चाहिए, और उसकी साधना का स्थान केवल मंदिर, मस्जिद और गुरूद्वारा ही नहीं, बल्कि चमड़े की वह दुकान भी होनी चाहिए, जहाँ मोची बैठकर जूते गांठता है। पोशाक के बारे में गुरू कट्टर नही थे । कभी वह हिंदू योगियो के समान रहते थे, कभी मुस्लिम कलंदर के समान। वह इच्छा के अनुसार चंदन और माला भी धारण करते थे। जब वह बगदाद घूमनें गये, तब उनका भेष सूफियों जैसा था। लेकिन जब वे सर्वत्र धूम–धामकर करतारपुर में जा बसे, उन्होनें गृहस्थ की पोशाक धारण कर ली। इसी पोशाक में एक दिन वह शेख फरीद की दरगाह पर गए। उस समय उस दरगाह के महंत शेख ब्रह्म थे। उन्होने गुरूनानक को गृहस्थ की पोशाक में देखकर कहा, आदमी के लिये लाजिम है कि या तो वह खुदा की ख्वाहिश करे या तो दुनिया की फिक्र। दो नावों में पांव रखना ठीक नहीं है। इससे आदमी दरिया में गर्क हो सकता है। गुरूनानक शेख ब्रह्म की आलोचना को ताड़ गए और बोले, हम दोनो नावो से एक साथ काम क्यों ना ले? मसलन, एक में हम अपना असबाब रखें और दूसरे में अपनीं आत्मा। ऐसे आदमी के लियें बर्बादी और नुकसान है ही नहीं। क्योकी उसे ना तो नाव दिखाई पड़ती है, न दरिया का जल दिखाई पड़ता है। वह तो सिर्फ परमेंश्वर के पाल की रखवाली करता है। शेख ब्रह्म यह उत्तर सुनकर लज्जित हो गए। अचानक उन्हे अपनी आध्यात्मिक समस्या का ध्यान आया और विलाप के स्वर मे बोले, जब नाव बनानें का वक्त था, मैनें नाव नहीं बनाई। अब तो नदी में बाढ़ उठ रही है। मैं पार कैसे जाउंगा? गुरूनानक देव नें दिलासा देतें हुए शेख ब्रह्म से कहा नाव तो साधना और समाधि की होती है। इस नाव पर चढकर नदी के पार जाना आसान है। जिनके पास ऐसी नाव है, नदी की बाढ़ उन्हे दिखाई नहीं देती और वे सकुशल पार हो जाते है। आधुनिकता की मांग है कि धर्म प्रवृत्ति मार्गीय हो। गुरूनानक का विश्वास प्रवृत्ति मार्ग में था। आध्यात्मिक सिद्धि के लिये उपवास, तितिक्षा और देह–दंडन की प्रक्रिया को वे उचित नहीं समझते थे।

शेख ब्रह्म (यानि शेख इब्राहिम) से उन्होनें कहा, जीवन की जो साधारण आवश्यकताएं हैं, उनसे शरीर को वंचित रखना पाप है। सुखों के प्रति मनुष्य में आसक्ति नहीं होनी चाहिए, किन्तु शरीर धारण करने के लिये भगवान जो कुछ भेजे, उसे स्वीकार करना ही चाहिए। शरीर को भूंखो मारने से आध्यात्मिक सिद्धि नहीं प्राप्त होती।

Karmjeet Kaur
Vise Principal

घट-घट ज्योति तुम्हारी

भारत वर्ष की मिट्टी में युग के अनुरूप महापुरूषों को जन्म देने का अद्भुत गुण है। आज से पाँच सौ वर्ष पूर्व देश अनेक कुसंस्कारों में जकड़ा हुआ था। जातियों, सम्प्रदायों, धर्मों और संकीर्ण कुलाभिमानों से वह खण्ड-विंच्छिन्न हो गया था ऐसे समय में महान संत एवं समाज सुधारक गुरूनानक देव जी का आविर्भाव हुआ।

गुरूनानक ने प्रेम का संदेश दिया है उनका कथन था कि ईश्वर नाम के सम्मुख जाति और कुल के बन्धन निरर्थक है क्योंकि मनुष्य का जो चरम प्राप्तव्य है वह स्वयं प्रेम रूप है प्रेम ही उसका स्वभाव है प्रेम ही उसका साधन है। वाह्य आडम्बरों को जों तु धर्म समझ रहा है वह धर्म नही है। धर्म तो स्वयं रूप होकर भगवान के रूप में में तेरे भीतर विराजमान है। उसी अगम अगोचर प्रभु की शरण शरण पकड़ क्यों पड़ा है इन छोटे अहंकारों में। ये मुक्ति के नहीं, बंधन के हेतु हैं। उनका मत था कि विश्व का परित्याग कर सन्यास लेना ईश्वर की दृष्टि में आवश्यक नही है, उसके लिए तो धार्मिक सन्यास तथा भक्त व गृहस्थ सभी समान हैं। उन्होंने मृत्यु पर्यन्त हिन्दू मुसलमानों के तीव्र मतभेदों को दूर करने की सफल चेष्टा की। इनके अनुयायी सिख कहलाये और उन्होंने उनके सिद्धान्तों को श्री गुरू ग्रन्थ साहिब में संग्रहित किया।

अगम अगोचर अलाव अपारा, चिंता करहु हमारी।
जलि थलि माही अलि भरिपुरि ला, घट-घट ज्योति तुम्हारी।।
(हाथ हो, हे अगम, अगोचर, अलाव अपार देव, तुम्ही मेरी चिंता करो। जहाँ तक देखता हूँ वहाँ तक-जल में, थल में, पृथ्वी में सर्वत्र तुम्हारी ही लीला व्याप्त है, घट-घट मे तुम्हारी ज्योति उद्भाति हो रही है।)

सिक्ख समाज की गौरवशाली अतीत परम्परा एवं सेवा भाव तथा विद्या विचारी परोपकारी की भावना का अनुशरण कर गुरूनानक विद्यक सभा, लखीमपुर-खीरी का गठन कर शैक्षिक रू से अत्यधिक पिछड़े इस जनपद में शैक्षिक उन्नयन हेतु

क्रमशः
गुरूनानक इण्टर कॉलेज
गुरूनानक विद्यक सभा कन्या इण्टर कॉलेज एवं
गुरूनानक महाविद्यालय की स्थापना की गई जिसमें कि वर्तमान समय में हजारों छात्र/छात्रायें अध्ययनरत हैं।

सेवा भाव को सर्वोपरि रखते हुये तीनों विद्यालयों की प्रबन्ध समितियाँ तन-मन और धन से संस्थाओं को उन्नति के शिखर पर ले जाने का सराहनीय कार्य कर रही हैं ताकि शिक्षा दान महादान का कार्य कर समाज को एक नई दिशा प्रदान की जा सके।

स० सरवन सिंह
अध्यक्ष
गुरूनानक विद्यक सभा कन्या इण्टर कॉलेज/
गुरूनानक इण्टर कॉलेज
लखीमपुर-खीरी

दुनिया का सब से आलगिरी धर्म–सिख धर्म

ब्रेड चोरी के जुर्म में एक अंग्रेज को जज के सामने पेश किया गया। जज ने पूछा कि ''ब्रेड क्यों चुराई थी?'' अंग्रेज ने जवाब दिया कि ''बहुत तेज भूख लगी थी इसलिए।'' फिर जज ने पूछा कि ''क्या तुम्हारे आस–पास कोई सिख टेम्पल था?'' अंग्रेज ने कहा ''मुझे पता नहीं, लेकिन क्यों'' जज ने कहा ''मै तुम्हे रिहा कर रहा हूँ लेकिन सिर्फ इसलिए क्योंकि तुम्हें सिख टेम्पल की जानकारी नहीं थी, जाओ और अगली बार जब भूख लगे तो अपने आस–पास किसी सिख टेम्पल (गुरूद्वारा) को ढूँढना तुम्हे ब्रेड चोरी करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यहाँ आत्मिक और आध्यात्मिक भोजन के साथ–साथ शारीरिक भोजन (लंगर) भी उपलब्ध होता है।''

संसार में रहने वाला हर प्राणी परमात्मा को देखना चाहता है। उनसे मिलना चाहता है। परमात्मा के बारे में सुन–सुन के उसके मन में उन्हें देखने की जिज्ञासा उत्पन्न होती है कि कैसे दिखते होंगे प्रभु। उनकी सूरत कैसी होगी? तस्वीरें बना डाली तथा उनकी मूर्तियाँ बना–बना कर उनकी पूजा करने लगे। पर सच तो यह है परमात्मा की असल तस्वीर गुरू नानक देव जी ने हमें दिखाई जो उन्होंने शब्दों में लिख कर बताई जिसे सिख का धर्म ''मूल मंत्र'' कहा जाता है। इसी से ''श्री गुरू ग्रंथ साहिब'' का आरंभ होता है। यहाँ ''इस्लाम की अजान'' भी है और ''मुरली की तान'' भी है यहाँ ''अल्लाह'' भी है और ''राम'' भी है। आओ देखें प्रभु की असल तस्वीर कैसी है। '' ओंकार''– प्रभु एक है, ''सतनाम''– उसका नाम सच्चा है, ''करता पूरख''– वो सब कुछ करने वाला है, ''निरभव''– वो भय से रहित है, ''निरवैर''– वो किसी से दुश्मनी नहीं रखता, ''अकाल मूरत''– वो काल से रहित है, ''अजूनी'' वो जूनियों में नहीं आता अर्थात बचपन, जवानी, बुढापे पे नहीं आता, ''सैभंग''– उसका प्रकाश अपने आप से हुआ है, ''गुरप्रसाद– ऐसा प्रभु गुरू की कृपा द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। आओ मनुष्य की बनाई तस्वीर को छोड़ कर असली तस्वीर मन में बसाए। एक बार तुलसीदास से किसी ने पूछा की कभी–कभी भक्ति का मन नहीं करता, फिर भी नाम जपने के लिए बैठ जाते हैं क्या उसका भी कोई फल मिलता है? तुलसीदास ने कहा–

''तुलसी मेरे राम को रीझ भजो या चीज,
भूमि परे जामे सभी उल्टा सीधा बीज।।''

भूमि में जब बीज बोए जाते हैं तो यह नहीं देखा जाता की बीच उलटे पड़े हैं या सीधे, फिर भी कालांतर में फसल बन जाती है। इसी प्रकार सुमिरन कैसे भी किया जाए उसका फल अवश्य ही मिलता है। जिस प्रकार तबीयत खराब होने पर भोजन अच्छा नहीं लगता उसी प्रकार मन खराब होने पर भजन अच्छा नहीं लगता। बीमारी दूर करने के लिए दवा लेनी पड़ती है उसी प्रकार मन के विकार दूर करने के लिए दुआ लेनी पड़ती है।

''दर्द जाता नहीं दवा के बगैर, दवा मिलती नहीं अुआ के बगैर,
दर्द जाता है दवा के साथ, सफा मिलती है दुआ के साथ,
दुआ उनकी होती है पुरअसर, हो रिश्ता जिनका खुदा के साथ।।''

सिख धर्म में गुरू का विशेष महत्व है जो गुरू का सम्मान नहीं करते हैं उनका अपना सम्मान नहीं होता। केवल वर्ष ओ वर्ष किसी विद्यालय के चक्कर मारने से विद्या हासिल नहीं होती है। उसी प्रकार धर्म सिलों में जाकर गुरू की शिक्षा माननी पड़ती है तब जाकर ईश्वर की खुशी प्राप्त होती है। विद्यालय भी धर्म सिलों की तरह होते हैं। हमें इनका सम्मान करना चाहिए।

मैं हृदय की गहराइयों से विद्यालय की प्रचार्या डा0 मीनाक्षी तिवारी एवं प्रबंधक स0 सेवक सिंह अजमानी जी का आभारी हूँ जिन्होंने इस पत्रिका के माध्यम से मुझे कुछ लिखने का सौभाग्य प्रदान किया।

''आज जिंदा है कल गुजर जाएँगे, कौन जानता है कब बिछड़ जाएँगे,
नाराज न होना हमारी बातो से, ये वो पल है जो कल बहुत याद आएँगे।''

Gurmeet Kaur
Asst. Teacher

शुभकामनाओं सहित
ज्ञानी अनन्न पाल सिंह
प्रचारक, सिख मिषनरी कालेज, लुधियाना
मो0+91. 9889565385

योग साधना

योग के आठ सूत्र हैं। जिसमें पहले चार यम, नियम, आसन और प्राणायाम हैं जिनका उद्देश्य मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य प्राप्त करना है। योग शास्त्र का स्पष्ट मानना है कि किसी भी महान कार्य के सम्पादन के लिए मन व शरीर का निरोग और स्वस्थ होना आवश्यक है। जो लोग शरीर को आलसी व मन को कुसंस्कारी व कुविचारी बनाये रखते हैं उनके लिए महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता प्राप्त कर पाना असम्भव है। खासकर योग साधना की आधी साधना, यम, नियम, आसन और प्राणायाम में निहित है।

बाहरी साधना के बाद भीतरी साधना का नम्बर आता है। जो लोग बाहरी व्यवहारिक जीवन में सुधार करना छोड़ देते हैं और योगी बनने की सोचते हैं, वे निरर्थक प्रयास करते हैं, उन्हें सिद्धि प्राप्त होना असम्भव है। उनका प्रयास वैसा ही है जैसे कोई प्राइमरी शिक्षा ग्रहण किये बिना हाईस्कूल की पढ़ाई करने लगे। अतः सबसे अधिक ध्यान शारीरिक और मानसिक निरोगता को दूर करने पर लगायें और उसके पश्चात ध्यान लगाने का अभ्यास करें।

प्रत्याहार से लेकर समाधि तक सारी साधना एक है। इस सम्पूर्ण प्रणाली को संयम कहा जाता है परन्तु पतंजलि ऋषि ने इसे चार अंगों में बाँटा है प्रत्याहार, धारणा, ध्यान व समाधि। इसका विभाजन होकर भी मूल तत्व एक है। मनुष्य तत्व के अन्तर्गत मन ही सार वस्तु हैं इसी मन के सहारे मनुष्य पाप, पुण्य, असफलता, स्वर्ग, नरक की रचना करता है। अतः जो लोग इस मन का उपयोग सही दिशा में करते हैं उन्हें ही सच्चे सुख की प्राप्ति होती है। साधन कस सही उद्देश्य है कि मन को अपनी आत्मा के अधीन करके उससे कार्य लिया जाये, उसे आजाद न छोड़ा जाये तो सामान्य आदमी में भी इतनी मानसिक शक्ति होती है उसे बड़े कार्य करने में सफलता प्राप्त होगी। क्योंकि जिन व्यक्तियों ने अपने जीवन को एक नियत दिशा में दिलचस्पी व ध्यान से लगाया है उन्होंने संसार में बड़े कार्यों

में सफलता प्राप्त की है। वे सब योगी कहलाये, भले ही गेरूआ कपड़ा और कमण्डल उनके हाथ में न रहा हो। सर जेम्स वाट, एडीसल, मारकोनी व प्रभूति, जिन लोगों ने भाप तथा बिजली के असंख्यों यंत्रों का निर्माण किया, जिनके द्वारा प्रकृति के असंख्य गुप्त रहस्यों का पता लगाया। इन्हें भी योगी ही कहा जायेगा। एक ही प्रयोगशाला में एक ही विषय पर एक ही दिलचस्पी के साथ चित्त को एकाग्रता पूर्वक वर्षों तक लगाये रखा। बार-बार की असफलता व निराशा के बाद भी वे अपने लक्ष्य से विचलित नहीं हुए, उसी गति से विचाराधारा को जुटाये रहें और ध्यानपूर्वक अपने कार्य को सार्थक बनाने में लगे रहें। कोई अपनी मानसिक योग्यता को ईश्वर प्राप्ति में लगाये रखता है तो कोई भौतिक तथ्यों की प्राप्ति में, प्रयोग के मार्ग प्रथक है पर उद्देश्य एक ही है।

हम देखते हैं कि मनुष्य का मन एक घड़ी भी स्थिर नहीं रहता है। एक पल कुछ सोचता है तो दूसरे पल कुछ और सोचने लगता है। इससे असफलता ही हाथ लगती है। यदि नियत लक्ष्य पर ध्यानपूर्वक मानसिक शक्तियों को जुटा दिया जाये तो मनुष्य बड़ी से बड़ी सफलता प्राप्त कर सकता है। मन की एकाग्रता का महत्व पाठक जानते हैं। अनेक लेखों व प्रवचनों के माध्यम से इसकी महत्ता को पहचानते हैं। चाहते हैं कि सारी दिलचस्पी से एक कार्य में जुट कर सफलता प्राप्त करें परन्तु कर नहीं पाते हैं क्योंकि मन को खुला छोड़ रखा है। अपनी इच्छा को गलत दिशा में भटका रहे हैं। जिन्हें अपनी अन्तरात्मा की शक्ति प्राप्त है वे ही सफल होते हैं। अर्थात मन की शक्ति का यह वरदान जिसे प्राप्त होता है वे पशु भी मनुष्य बनते हैं व मनुष्य देवता बन जाते हैं। सिद्धि नव निधि इसी के अन्तर्गत है। भौतिक व आत्मिक जगत में जो जादू जैसे चमत्कार दिखाई पड़ते हैं वह मनोनिग्रह की ही करामात है। मन ही मनुष्य का सबसे बड़ा मित्र है सचमुच निग्रहित हुआ मन पारस है, अमृत है, कल्पवृक्ष है, सब कुछ है। जिसे यह प्राप्त है उसे सब कुछ प्राप्त है। संयमीमन में जो अद्भुत शक्तियाँ हैं उनका ठीक प्रकार से प्रयोग करके सब कुछ प्राप्त किया जा सकता है।

स० सेवक सिंह अजमानी
गुरूनानक विद्यक सभा क. इं. कॉलेज
लखीमपुर-खीरी

सुविचार

"सफलता का रहस्य"

सिर्फ असमान छू लेना ही कामयाबी नहीं है!
असली कामयाबी तो वो है की असमान भी छू लो और पांव भी जमीन पर हो!

'सतगुरू नानक प्रगट्या , मिटी धुंध जग चानन होया ।

' गुरू नानक देव जी का जन्म मानवता की एक महान घटना है। उन्होने अपने चरित्र और ज्ञानी इस जगत की धुंध को दूर किया । जपुजी उनकी वाणी है। नानक देव ने परमात्मा का साक्षात्कार करने के बाद जो पहले शब्द कहे जपुजी , वही जपुजी है।

एक अंधेरी रात। भादों की अमावस। बादलों की गडगडाहट। बीच बीच में बिजली का चमकना। वर्षा के झोंके। गांव पूरा सोया हुआ। बस नानक की गूंज। रात देर तक वे गाते रहे। नानक की मां डरीं। आधी रात से ज्यादा बीत गई। कोई तीन बजने को हुए। नानक के कमरे का दिया जलता है। बीच बीच में गीत की आवाज आती है। नानक के द्वार पर नानक की मां ने दस्तक दी और कहा 'बेटे अब सो भी जाओ। रात करीब–करीब जाने को हो गई।'नानक चुप हुए और तभी रात के अंधेरे में एक पपीहे ने जोर से कहा 'पियू पियू।'नानक ने कहा, 'सुनो मां अभी पपीहा भी चुप नही हुआ। अपने प्यारे की पुकार कर रहा है, तो मैं कैसे चुप हो जाऊँ? इस पपीहे से मेरी होड लगी है। जब तक ये गाता रहेगा, पुकारता रहेगा, मैं भी पुकारता रहुंगा। और इसका प्यारा तो बहुत पास है, मेरा प्यारा बहुत दूर है। जन्मों जन्मों गाता रहुं, तो ही उस तक पहुंच सकूंगा। रात और दिन का हिसाब नही रखा जा सकता है।' नानक ने फिर गाना शुरू कर दिया। नानक ने परमात्मा को गा–गा कर पाया। गीतों से पटा है मार्ग नानक का। इसलिए नानक की खोंज बडी भिन्न है। पहली बात समझ लेनी जरूरी है कि नानक ने योग नही किया, ध्यान नही किया। नानक ने सिर्फ गाया। गाकर ही पा लिया। लेकिन गाया उन्होने इतने पूरे प्राण से कि गीत ही ध्यान हो गया, गीत ही योग बन गया, गीत ही तप हो , गया। जब कोई समग्र प्राण से किसी भी कृत्य को करता है, वही कृत्य मार्ग बन जाता है। तुम ध्यान करो अधूरा–अधूरा तो भी न पहुंच पाओगे। तुम पूरा –पूरा पूरे हृदय से, तुम्हारी सारी समग्रता से, एक गीत भी गा दो, एक नृत्य भी कर लो, तो भी तुम पहुंच जाओगे। क्या तुम करते हो, यह सवाल नही। पूरी समग्रता से करते हो या अधूरे–अधूरे यही सवाल है। परमात्मा के रास्ते पर नानक के लिए गीत और फूल ही बिछे हैं। इसलिए उन्होने जो भी कहा है, गाकर कहा है बहुत मधुर है उनकी मार्ग, रसश्क्ति ये गीत साधारण गायक नही है ये गीत उसके है, जिसने जाना है इन गीतोंमें सत्य की भनक, इन गीतों में परमात्मा का प्रतिबिंब है। दूसरी बात जपुजी के जन्म के सबंध में। जिस भादों की रात की मैंनें बात कही–तब नानक की उम्र रही होगी कोई सोलह –सत्रह। जपुजी का जन्म हुआ, तब उनकी उम्र थी, छतीस वर्ष, छह माह पंद्रह दिन। जिस घटना का मैने उल्लेख किया, उस भादों की रात वे साधक थे और तलाश में थे। प्यारे की पुकार चल रही थी–पियू–पियू। अभी पपीहा रट लगा रहा था। अभी मिलन न हुआ था जपुजी का जब जन्म हुआ–यह मिलन के बाद उनका पहला उदघोष है। पपीहा ने ना लिया अपने प्यारे को। पियू –पियू की रटन पूरी हुई। मिलन हो गया। उस मिलन से जो पहला उदघोष हुआ है। वह जपुजी है। इसलिए नानक की वाणी में जो मूल्य जपुजी का है,वह किसी और बात का नही। जपुजी ताजी से ताजी खबर है उस लोक की। वहां से लौटकर उन्होने जो पहली बात कही है वह यही है । उस घटना को भी सझना लेना चाहिये। नदी के किनारे रात के अंधेरे में, अपने साथी और सेवक मरदाना के साथ वे नदी तट पर बैठे थे। अचानक उन्होनें वस्त्र उतार दिये। बिना कुछ कहे वे पानी में उतर गए। मरदाना पूछता भी रहा'–कि क्या करते हैं? रात ठंडी है, अंधेरी है! दूर नदी में वे चले गए। मरदाना पीछे–पीछे गया। नानक नें डुबकी लगाई। मरदाना सोचता था कि क्षण–दो क्षण में बाहर आ जाएंगे। फिर वो बाहर नहीं आए। दस–पांच मिनट तो मरदाना नें राह देखी, फिर वह खोजनें लग गया कि वे कहां खो गए। फिर वह चिल्लानें लगा। फिर वह किनारे–किनारे दौडनें लगा कि कहां हो? बोलो, आवाज दो! ऐसा उसे लगा कि नदी की लहर–लहर से एक आवाज आनें लगी, धीरज रखो, धीरज रखो। पर नानक की कोई खबर नहीं। वह भागा गांव गया, आधी रात लोगों को जगा दिया। नानक को सभी लोग प्यार करते थे। सभी को नानक में दिखाई देती थी कुछ होने की संभावना। नानक की मौजूदगी में सभी को सुगंध प्रतीत होती थी। फूल अभी खिला नहीं था, पर कली भी तो गंध देती है। सारा गांव रोनें लगा, भीड इकट्ठा हो गयी। सारी नदी तलाश डाली। इस कोनें से उस कोनें लोग भागनें दौडनें लगे। लेकिन कोई पता न चला। तीन दिन बीत गए। लोगो नें मान लिया कि नानक को कोई जानवर खा गया। डूब गए, बह गए, किसी खाई–खकृ में उलझ गए। मान ही लिया कि मर गए। रोना पीटनो हो गया। घर के लोगो नें भी समझ लिया कि अब लौटनें का कोई उपाय न रहा। और तीसरे दिन नानक अचानक नदी से प्रकट हो गए। जब वे नदी से प्रकट हुए तो जपूजी उनका पहला वचन है। यह घोषणा उन्होनें की। कहानी एसी है– कहता हूं, कहानी। कहानी का मतलब होता है, जो सच भी है, और सच नहीं भी। सच इसलिये है कि वह खबर देती है सच्चाई की, और सच इसलिये नहीं कि वह कहानी है, और प्रतीकों में खबर देती है। और जितनी गहरी बात कहनीं हो, उतनीं ही प्रतीकों की खोज करनीं पडती है। नानक जब तीन दिन के लिये खो गए नदी में तो कहानी है कि वे प्रकट हुए परमात्मा के द्वार में। ईश्वर का उन्हे अनुभव हुआ। जपूजी उनकी पहली भेंट है–परमात्मा से लौट कर यह कहानी है, इसके प्रतीकों को समझ लें। एक, कि जब तुम न खे जाओ, जब तुम न मर जाओ तब तक परमात्मा सें कोई साझात्कार न होगा। नदी मे खोओ कि पहाड़ में, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। लेकिन तुम नहीं बचनें चाहिए। तुम्हारा खो जाना ही उसका होना है। तुम जब तक हो, तभी त कवह न हो पाएगा। तुम ही अड़चन हो। तुम ही दीवार हो। तो यह जो नदी में खो जानें की कहानी है– तुम्हे भी खो जाना पड़ेगा। नानक लौटे परमात्मा हो कर लौटे। फिर उन्होनें जो भी कहा है, एक–एक शब्द बहुमूल्य है। फिर उस एक–एक शब्द को हम जो भी कीमत दें, तो भी कीमत छोटी पड़ेगी। फिर एक–एक शब्द वेद वचन है। और नानक कहते है कि उस एक का जो नाम है, वही ओंकार है। और सब नाम तो आदमी के दिये हैं। क्यों ओकार उसका नाम है? क्योकि जब सब शब्द खो जाते है और चित्त शून्य हो जाता है, और जब लहरे पीछे छूट जाती हैं और सागर में आदमी लीन हो जाता है, तब भी ओंकार की ध्वनि सुनाई पड़ती है। वह हमारी की हुई ध्वनि नहीं है। वह अस्तित्व की ध्वनि है। अस्तित्व के होने का ढंग ओंकार है। वह किसी आदमी का दिया हुआ नाम नहीं है। इसलिये ओम कोई शब्द नहीं है। ओम ध्वनि है और ध्वनि भी अनूठी है। कोई उसका स्त्रोत नहीं है। कोई उसे पैदा नहीं कर सकता।

मंत्र
इक ओंकार सतनाम
करता पुरख निरभउ निरवैर।
अकाल मूरत अजूनी सैभं गुरू परसाद।।

जपु
आदि सच जुगादि सच।
है भी सच नानक होसी भी सच।।

स० त्रिलोक सिंह
अध्यक्ष

विद्यार्थी परिकल्पना का साकार रूपः एक गुरू

''माता शत्रु पिता बैरी येन बालो न पाठितः।
नशोभते सभा मध्ये हंस मध्ये वको यथा।।''

विद्या का अभिप्राय ज्ञान से है और ज्ञान का प्रकाश से। जो हमारे अर्न्तमन को प्रकाशित कर दे, वही विद्या है। विद्या के इस दिव्य प्रकाश से मन निर्मल और हृदय पवित्र हो जाता है, विद्या से ही तन और मन दोनो अनुशासित होते हैं। तथा आत्मा से सुसम्बद्ध हो जाते हैं। शिक्षा इसी विद्या या ज्ञान की अथक खोज का नाम है। शिक्षा मात्र एक व्यक्ति विशेष को नही अपितु सम्पूर्ण समाज को सुसंस्कृत और अनुशासित बनाने का एक सशक्त माध्यम है, यही कारण है कि शिक्षा को सभी मानवीय कार्यों में सर्वाधिक महान और श्रेष्ठ कहा जाता है। ऐसी शिक्षा जो मानवीय हृदय में करूणा, क्षमा एवं नम्रता की उत्पत्ति न कर सके, परोपकार और बलिदान के लिये उत्प्रेरित न कर सके, पूर्णतया निरर्थक और निष्प्रयोजन है। शिक्षा का अस्तित्व मानवीय जीवन के सर्वांगीण विकास के लिये प्रधानतया आध्यात्मिक विकास के लिये होना चाहिए। इन आध्यात्मिक गुणों के समक्ष उपाधियां एवं भौतिक उपलब्धियाँ व्यर्थ है। सृष्टि की व्यवस्था के उचित परिचालन के लिये यह आवश्यक है कि मनुष्य निरन्तर सत्य पथ का अनुकरण करे। इस प्रयोजन की पूर्ति हेतु बाल्यावस्था से ही उन्हें संस्कारित करने की आवश्यकता है। बालक का हृदय पावन और निष्कपट होता है और बाल्यावस्था में मिले संस्कार अमिट होते हैं। समस्त शिक्षण व्यवस्था का मूल शिक्षक ही है । वह राष्ट्र के भाग्य और निर्माता और वास्तविक कर्णधार है। एक शिक्षक ही अपने छात्रों में ज्ञान की एक ऐसी ज्योति प्रज्ज्वलित करता है जो देश और समाज में व्याप्त तमस का नाश कर सत्य और प्रेम का प्रकाश प्रकीर्णित करती है। 'हमारे प्राचीन ग्रंथों में भी शिक्षक को सच्चिदानन्द प्रभु के समतुल्य माना गया है'–

''गुरूर्ब्रह्मा, गुरूर्विष्णु, गुरूर्देवो महेश्वरः।
गुरूर्साक्षात् परब्रह्म, तस्मै श्री गुरूवे नमः।।''

शिक्षक का व्यक्तित्व ही शिक्षार्थी के सम्पूर्ण जीवन के लिये दृष्टान्त होता है यह सम्पूर्ण राष्ट्र शिक्षक का ही प्रतिबिम्ब है और शिक्षक से न्यूनाधिक कुछ नहीं हैं शिक्षक की महत्ता को कबीरदास भी स्वयं स्वीकारतें हैं–

''सतगुरू की महिमा अनंत, अनंत किया उपगार।
लोचन अनंत उघाड़ियॉ, अनंत दिखावणहार।।''

यही कारण है कि किसी भी राष्ट्र के सामाजिक और नैतिक विकास के लिये शिक्षार्थियों की अपेक्षा शिक्षक का दायित्व अधिक होता है। करूणा और प्रेम की गरिमा से परिपूर्ण शिक्षक का हृदय जब अपने विद्यार्थियों की अन्तर्निहित सख्तियों और क्षमताओं को पहचानने मे समर्थ होता है और उसी के अनुरूप उनके व्यक्तित्वों को समुचित रूपाकार देने में तत्पर हो जाता है। तो उसी समय शिक्षा का मूल प्रयोजन सिद्ध हो जाता है। सत्य, अहिंसा, प्रेम, करूणा, त्याग, बलिदान और देश प्रेमादि ऐसे मानवीय मूल्य है, जिन्हें अपने जीवन में आत्मसात करने से दिव्यत्व की प्राप्ति होती है।

अतः शिक्षक का सम्पूर्ण जीवन और व्यक्तित्व ही छात्र एवं समाज के लिये एक सन्देश के रूप में होना चाहिए। उसकी सोच सकारात्मक और रचनात्मक होनी चाहिए। जिस प्रकार एक पुष्प की सुगन्ध से चतुर्दिक वातावरण सुगन्धित हो उठता है, उसी प्रकार यदि शिक्षक का हृदय भी पावन, निष्कलुश और आदर्श गुणों से परिपूर्ण हो, तो उसके असंख्य विद्यार्थी इन्हीं गुणों का अनुसरण करते हुये समाज और राष्ट्र निर्माण में अपना अभिन्न योगदान दे सकेंगे।

किसी ने खूब कहा है :–

''चलाने से, तू चलना सीख ले पहले, जलाने से, तू जलना सीख ले पहले।
तमन्नायें खिल उठेंगी तेरी, बस तू मिट्टी में गलना सीख ले पहले।।''

Dipti Tiwari
Hindi Lect.

बेटियाँ कल का भविष्य

बालिका के शिक्षित होने से,
शिक्षित होगा नर–नारी।
ये नन्ही कलियां पुष्प बनेंगी,
महक उठेगी क्यारी–क्यारी।।

आज की बालिका को कल के भारत के निर्माण का दायित्व वहन करना है, किसी भी देश के बालकों/बालिकाओं का आन्तरिक, बाह्य, मानसिक एवं शारीरिक गठन करने में नारी की प्रमुख भूमिका होती है। नारी ही जीजाबाई बनकर शिवाजी का निर्माण करती है, तो वही शकुन्तला बनकर सिंह शावकों से लड़ने वाले यशस्वी भरत राष्ट्र को प्रदान करती है,

जब तक देश की नारी शिक्षित होकर अपनी खोई हुई गरिमा पुनः प्राप्त नही करती तब तक देशोत्थान की कल्पना करना आकाश कुसुम पाने की इच्छा मात्र है। विद्यालय एक मंदिर है प्रत्येक बालिका देव प्रतिमा है, इन्हीं में से बनेंगी मार्गी, मीरा, लीलावती, दुर्गा एवं लक्ष्मी आइये आप और हम मिलकर अपनी बालिकाओं का निर्माण इस प्रकार करें कि कोई अग्नि इन्हें जला न पायें, कोई अत्याचारी इन्हें सता न पायें। एक ऐसी शान्ति उठे जिससे नारी जाति का गौरव उसे पुनः प्राप्त हो सके। इसके लिये आवश्यक है, संस्कारमय शिक्षा प्रणाली की। गुरूनानक विद्यक सभा कन्या इण्टर कॉलेज इस दिशा में तीव्रता से बढ़ता हुआ अद्वितीय प्रयास है बालिकायें और उन्नति करें इस हेतु उन्हें आवश्यकता है, आपके सहयोग की, आपके दिग्दर्शन की, एक महान राष्ट्र की, महान परम्पराओं की तथा संस्कृति की, और इन्हें पल्लवित करने का दायित्व हमारा है।

''होगी यदि बालिका उन्नत, राष्ट्र न झुकने पायेगा।
घर–घर महकेगा खुशियों से, नव उदय इनमें आयेगा।।

मंगलकामनाओं के साथ.....

Anju Verma
Clark

सुविचार

गलत तरीके अपनाकर सफल होने से बेहतर हैं!
सही तरीके के साथ काम करके असफल होना!

फूलों की सुगंध केवल वायु की दिशा में फैलती है!
लेकिन एक व्यक्ति की अच्छाई हर दिशा में फैलती!

यदि सफलता एक सुन्दर पुष्प है तो विनम्रता उसकी सुगन्ध,
जिंदगी में जो चाहो हासिल कर लो,
बस इतना ख्याल रखना कि आपकी मंजिल का रास्ता,
लोगों के दिलों को तोड़ता हुआ न गुजरे!

गुरू बिन भव-निधि तरइ न कोई

Rahul Mishra
Science Lect.

'गुरूर्ब्रह्मा या फिर कहें 'गुरूर्विष्णुः।' 'गुरूर्देवो महेश्वरः' भी वही है। 'गुरू साक्षात् परब्रह्म हैं ' के भाव में, गुरू ही ब्रह्म हैं अर्थात् ज्ञान हैं, ज्योति हैं।

गुरू प्रकाश है। गुरू ज्ञान की साकार मूर्ति हैं। 'गुरू' शब्द का अर्थ है अज्ञानरूपी अन्धकार को मिटाकर ज्ञानरूपी प्रकाश उपलब्ध कराने वाला। अज्ञान के गहन समस में फँसे हुए शरणागत शिष्य को जो उसके लक्ष्य का दर्शन करा दे, वही सद्गुरू है। राग, द्वेष, कलेश, आसक्ति, अहंकार, मोह, ममता, काम, क्रोध, लोभ आदि विकारों का शिकार जीव एक बुझे हुए दीपक के समान है ज्ञान दीप जले तो उसमे प्रकाश में छात्र अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेता है जैसे बूँद जब सागर में समा जाती है तो उसके बिखरने एवं सूखने का भय समाप्त हो जाता है। ऐसे ही गुरू ज्योत के द्वारा जब शिष्य का सम्बन्ध शिक्षक से जुड़ जाता है तो वह जीवन के सभी सोपानो को सहज ही पार कर लेता है और समाज आदि देश का उत्थान करता है शिष्य गुरू का उत्तराधिकारी है अर्थात् गुरू ज्योत का ज्ञान ही शिष्य के रू में अभिव्यक्त हुआ है। ज्ञान की दृष्टि से परमात्मा, गुरू और शिष्य एक हैं। इस एकत्व के बोध में ही शिष्य की पूर्णता है। तभी तो यह शास्त्रवाक्य सार्थक है– 'गुरूः साक्षात् परं ब्रह्म।' गुरू सचमुच ज्ञान है। गुरू ज्योत ही सच्चा प्रकाश है। वह आग है, चिंगारी है। गुरू वात्सल्य की साकार मूर्ति है। गुरू प्रेम है, माधुर्य की तरंग हैं गुरू चिन्मय आनन्दमय भाव तत्त्व है। गुरू रस तत्त्व है। गुरू निराकार ब्रह्म है साकार परमात्मा भी वही है।

गुरू शरीर नहीं है गुरू कामना नहीं है। गुरू राग नहीं है। गुरू द्वेष नहीं है, गुरू लोभ नहीं है, गुरू शोक नहीं है। गुरू परिस्थिति नहीं है।

गुरू स्थित है
गुरू आनन्द है
गुरू शान्ति है
गुरू समाधान है

गुरू के सामने किस प्रकार रहना चाहिए इसके लिए शास्त्रों में कहा है– प्रणाम करके पास बैठे, आज्ञा लेकर ही वहाँ से उठे, उनकी आज्ञा की प्रतीक्षा करता हुआ ही ही सेवा करे, आदरभाव से उनकी आज्ञा का पालन करे, झूठ न बोले, उनके सामने बहुत न बोले और काम, क्रोध, लोभ, मान, हँसी, स्तुति, चपलता, कुटिलता न करें और न रोये–चिल्लाये। कल्याणकामी शिष्य को गुरू से ऋण लेना–देना और वस्तुओं का क्रय–विक्रय भी नहीं करना चाहिए।

गुरू के प्रति शिष्य के हृदय में जितनी श्रद्धा, प्रेम और उनके महत्व का ज्ञान रहता है, उन्हीं के अनुसार उनसे शिष्य का व्यवहार होता है। संक्षेप में इतना समझ लेना चाहिए कि गुरू के बिना उपासना मार्ग के रहस्य नहीं मालूम होते और न ही उसकी अड़चने दूर हाती हैं। जो उपासना करना चाहता है, वह गुरू के बिना एक पग भी नहीं बढ़ सकता। गुरू से संतोष में ही शिष्य की पूर्णता है, जिन पर गुरू के स्मरण में ही समस्त देवताओं का स्मरण अन्तर्भूत है। गुरू सबसे श्रेष्ठ हैं। गुरू साक्षात् भगवान् हैं। गुरूपूजा ही भगवत्पूजा है। गुरू, मन्त्र और इष्ट देवता – ये तीन हीं, एक ही हैं। गुरू के बिना शेष दो की प्राप्ति असम्भव है। शिष्य अधिकारहीन होने पर भी यदि सद्गुरू की शरण में पहुँच जाय तो वे उसे अधिकारी बना लेते हैं। पारस का स्वभाव ही लोहे को सोना बनाना है इसलिए गुरू की शरण में जाना सर्वप्रथम अभीष्ट है।

THE BEST DOWRY THAT PARENTS CAN EVER GIVE TO THEIR DAUGHTER IS 'EDUCATION'

"Education is the key that unlocks an affinity number of doors. It is the uplifting force that empowers us to set our sights higher.' The dowry system is so deeply rooted in Indian culture, that sometimes one feels that there's going to be no way out at least for another century. When demands for dowry are not met, the bride is subjected to torture & often even killed. Even modern, well-educated families start saving up money for their daughter's dowry as soon as she is born. So what can anybody expect from the uneducated masses, whose only form of education is tradition. When a girl is married, she brings joy and prosperity to her home, but is spite of this she is tortured by the members of her family. In this what we call a male dominant society girls are given no respect but only torture and struggle for her whole life. In spite of repenting, parents should give a better education to their girl child so that a girl can stand on her own feet & can face the challenges of her life. Educated girls improve the lives of their families, their communities & even their countries. It has been rightly said, 'the hand that focus, the cradle rules the world'. The meaning of this is that the mother exercises a very great influence over the lives of her children & is able to would their thoughts & character. But it will only be possible when she is educated, Education teaches a mother what she should be. It also teaches a girl, how she could be a good daughter, a good wife and a good mother, education will enable women to make their parents, husbands & children truly happy. If she is educated, she will make a positive impression on the mind of her child, which enable him/her in his life to grow into a good & great man in his life. Parents should understand that if their daughter will be educated then she would be able to fight for her justice. Parents should give her a chance to be self-reliant. Providing their daughter with solid education & encouraging her to pursue a career of her choice is the best dowry any parent can ever give to their daughter. So, whenever she is tortured, mistreated or harassed, by her any one she can proudly walk out and make both ends meet.

Shyam Babu
Lect. English

Teacher

Karanjeet Kaur
Asst. Teacher

Teachers are our guides,
They are always by our side.
They teach us what is right,
and want our future bright.

Teachers teach us moral values,
They deserve our love E-salute.
Teachers are greatest gift,
We could always do our best.

We should always give the love,
They are as a gentle as a dove.
they are our greatest friends,
In front of them we should always bend.

The Role of a Teacher

Education is like a train,
The teacher is like a driver.
Syllabus is like a journey,
The student is like a traveler.
as a driver takes pain to handle his vehicle,
and makes to reach toward its destination.
so that his students may pay attention,
The teacher is not only a guide, guardian.
a charioteer but also a guard ceaseless tireless,
always drives his students up word.
in some respects teacher is a god,
so I respect teacher is a god.

Palak Mishra
Class-9th

अधिकार और कर्तव्य

अधिकार .....

आखिर है क्या ये अधिकार?

मानव जीवन का अधिकार हमें परमशक्ति से प्राप्त होता है। हम इस जीवन को सुचारू रूप से जी सकें, यह समाज निर्धारित करता है। प्रत्येक व्यक्ति के कुछ अधिकार और कर्तव्य होते हैं। आज के समाज में हर व्यक्ति इतना जागरूक और सतर्क है कि वह किसी भी मूल्य पर अपने अधिकारों का हनन नहीं होने देना चाहता। अधिकारों की प्राप्ति कैसे हो सकती है? यह सुलभ कैसे हो सकते हैं? आइऐ जाने ?

बच्चों के लिए शिक्षा का अधिकार। महिलाओं की सुरक्षा का अधिकार। वरिष्ठ नागरिकों के लिए सम्मान का अधिकार

ऐसे ही हजारों और अधिकारों का वर्णन किया जा सकता है। समाज की क्या भूमिका हो सकती है या क्या भूमिका होनी चाहिए जिससे हम सभी का अपने अधिकार प्राप्त हो सकें। उत्तर बड़ा ही सरल है। हमें हमारा प्रत्येक अधिकार मिल सकता है, सिर्फ अपने कर्तव्यों के पालन द्वारा वास्तविकता में अधिकार और कर्तव्य एक ही सिक्के के दो पहलू है, समाज में एक व्यक्ति का अधिकार ही दूसरे व्यक्ति का कर्तव्य होता है। बच्चों की शिक्षा का अधिकार तभी पूरा हो सकता है, जब शिक्षक कर्तव्य का पालन बिना किसी लाभ या डर से कर सकें, महिलायें तभी सुरक्षित रह सकती हैं, जब पुरूष अपनी मर्यादा का निर्वाह करे, वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान की प्राप्ति तभी हो सकती हैं, जब युवा वर्ग उनके प्रति अपने कर्तव्यों को पूरा करें। युवाओं के लिए रोजगार का अधिकार, सामान्य नागरिकों के ऐसे ही कई और अधिकार ये सब तभी पूरे हो सकते है, जब इनसे संबंधित व्यक्ति अपने–अपने कर्तव्यों का निर्वाह करें। किन्तु समस्या यह है कि हम सभी अपने अधिकारों को तो पाना चाहते हैं न मिलने पर हम में असंतोष की भावना भी जन्म लेती है, किन्तु हम अपने कर्तव्यों की भूल जाते हैं। जब तक हम अपने कर्तव्यों का पालन ईमानदारी से नहीं करेंगे, हमारे लिए अधिकारों को पाना संभव नहीं होगा। तो चलिए करते हैं एक नई शुरूआत, अपने कर्तव्यों को याद करते हैं, कर्तव्य अपने प्रति, कर्तव्य अपने परिवार के प्रति कर्तव्य अपने समाज के प्रति कर्तव्य अपने देश के प्रति। चलिए चलते हैं एक नये समाज के निर्माण की ओर। ''यह मेरा विश्वास है कि जब हम अपने सारे कर्तव्यों को पूरा कर लेंगे तब हमें अपने अधिकार स्वतः मिल जायेंगे। तो करेंगे न आप अपने सारे कर्तव्यों का पालन, आज से ही।''

Meenakshi Bajpai
Class 11 Sci.

Smrati Shukla
11(Art)

जिंदगी जिंदगी Life o Life रिश्ते Relations

बड़ी अदभुत चीज है ये रिश्ते

बेटियाँ	–	धन की पेटियाँ।
बहना	–	परिवार का गहना।
भाभियाँ	–	घर की चाबियाँ।
माता	–	हर कोई जिसके गीत गाता।
दादियाँ	–	नजारों की वादियाँ।
नानियाँ	–	महारानियाँ, बच्चों की कहानियाँ।
बुआ	–	जो हरदम देती दुआ।
चाची	–	जिसकी हर बात सांची।
ताई	–	जिसने सदा खुशबू फैलाई।

समय का सदुपयोग

काल करे सो आज कर, आज करे सो अब
पल में परलय होयगी, बहुरि करेगो कब ?

समय वह अमूल्य धन है जिसे भगवान ने हर जीवित प्राणी को उपहार स्वरूप दिया है। भगवान के दिये हुए इस वरदान का बुद्धिमान एवं परिश्रमी इंसान उपयोग करते हैं। और आलसी व्यर्थ गंवा देता है। समय का सदुपयोग करने के लिए प्रत्येक कार्य को करने का समय निश्चित करना चाहिए। अगर हम सब काम समय पर कर लें तो हम पायेंगे कि हमारा जीवन कितना सुखद आांत और व्यवस्थित है। हमें कभी पछताना नही पड़ेगा। जो व्यक्ति समय का महत्व नही समझते, बेकार गप्पे मारते हैं, इधर–उधर घूमते हैं, योजनाबद्ध तरीके से काम नही करते वह जीवन की दौड़ में पिछड़ जाते हैं। उनका कोई काम समय पर पूरा नही होता। समय सूखी रेत की तरह हाथ से फिसल जाता है। और वह हाथ मलते रह जाते हैं। समय निकल जाने के बाद हम कुछ नही कर सकते हैं। तुलसीदास जी ने कहा है। ''का वर्षा जब कृषि सूखानी''अर्थात खेती सूखने के बाद वर्षा का कोई महत्व नही होता। इसी प्रकार समय निकलने के बाद हम कुछ नही कर सकते इसलिए हमें अपना हर काम समय पर समाप्त कर लेना चाहिए।

Virendra Kumar
Computer Clark

समय का महत्व

Smrati Shukla
Asst. Teacher

समय तो होता है शक्तिमान,
इसका कभी न करो अपमान,
समय पे सोवो, समय पे जागो,
तुम भी इसके साथ में भागो,
ये एक बार जो जायेगा,
तो कभी न वापस आयेगा,
इसका पहिया चलता जाये,
सबको मंजिल तक पहुंचाये,
जीवन में कुछ करना है,
यदि हमको आगे बढ़ना है
रखना होगा समय का मान,
ये है मित्रों सदा से महान,
हमको जीवन में सफल बनायें,
ये ही मंजिल तक पहुँचाये,
तो फिर रखो सदा ये भान,
समय तो होता है शक्तिमान।।

D+I+S+C+I+P+L+I+N+E
4+9+19+3+9+16+12+9+14+5=100

Yes, it is. 100%, Discipline is that thing which makes a person 100%. It is the discipline in our life which makes us perfect. All the things name own importance but discipline in all the fields makes a person 100%.

Radha Shukla
Class-10

हमारे राष्ट्रीय प्रतीक

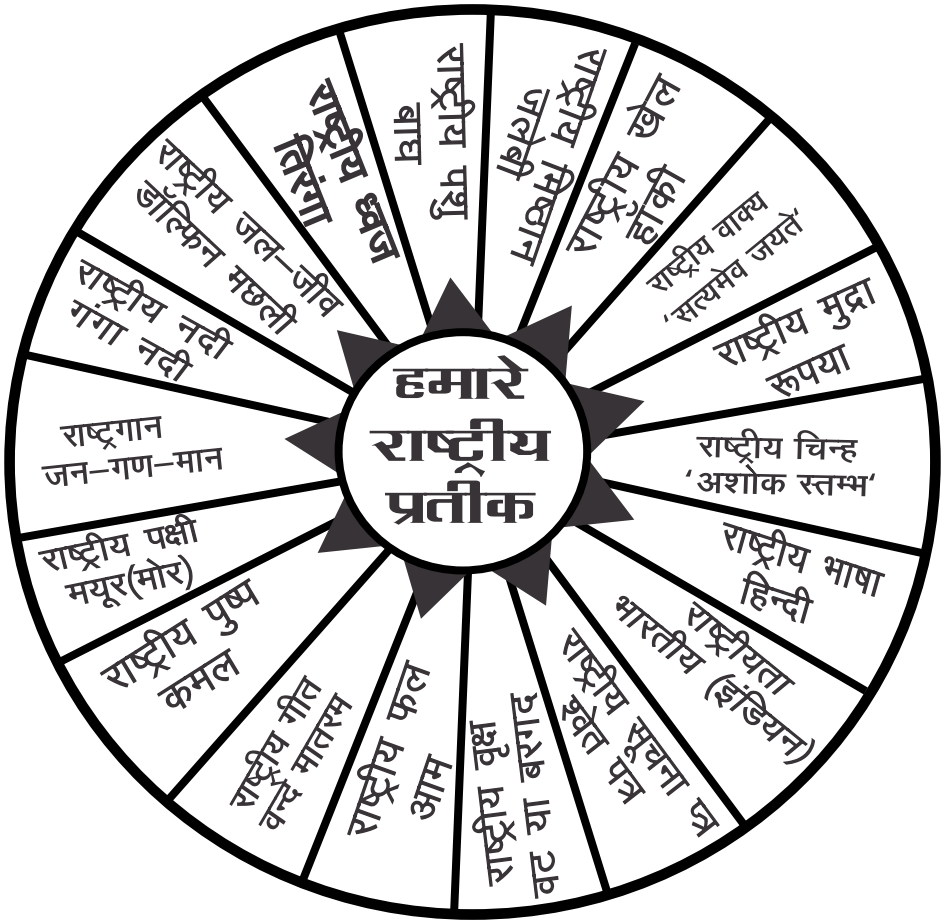

Amarjeet Kaur
Asst. Teacher

FULL FORM OF " A GOOD STUDENT"

Tanya Gupta
Class-11 Sci

A- ALWAYS RESPECT HER ELDERS
G- GREETS EVERYONE WITH A SMILE.
O- ON TIME TO SCHOOL.
O- OBEDIENT TO TEACHERS.
D- DRESS NEAT AND CLEAN.

S- STUDY WITH INTEREST.
T- TREATS EVERYONE WITH LOVE.
U- UNDERSTANDS EVERYTHING.
D- DILIGENT
E- EAGER TO KNOW NEW THINGS
N- NEVER MISBEHAVES.
T- TALKS LESS IN CLASS.

WHAT MAHATMA GANDHI MEANS

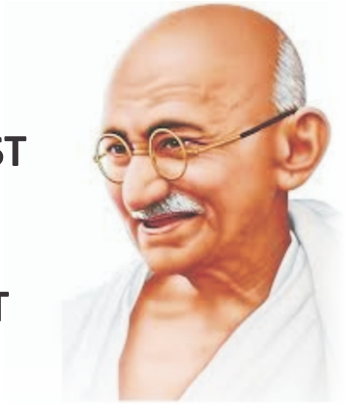

M MAN OF HIGH CULTURE
A- ADMIRED BY ONE AND ALL
H- HUMBLY SERVED THE PEOPLE
A- ACTIVE HE WAS UP TO THE LAST
T- TRUTH WAS HIS LIFE
M- MADE INDIA INDEPENDENT
A - AVOIDED PERSONAL COMFORT
G- GENIUS, IN ALL ASPECTS
A- AHINSA, HE PREACHED
N- NOBLE, WERE HIS THOUGHT
D- DEVOTED, HIS LIFE FOR NATION
H- HONEST, LIFE HE LED THROUGHOUT
I- INDIAN, HE WAS IN ALL RESPECT.

Nikita
Class-12 Sci.

हमारा भोजन

Shubhra Mishra
Home Science Lect.

भोजन का हमारे और विचारों पर बहुत प्रभाव पड़ता है। कहा जाता है– जैसा अन्न वैसा मन हम भोजन स्वीकार करते हैं उसके तीन प्रकार होते है :

1. सात्विक भोजन
2. राजसिक भोजन
3. तामसिक भोजन

1. **सात्विक भोजन :** सात्विक भोजन ही हमें खाना चाहिए। सात्विक भोजन में क्या–क्या शामिल हैं यह हम अपने देश के राष्ट्रीय ध्वज से समझते हैं। हमारा राष्ट्रीय ध्वज तीन रंगों से बना है। केसरी सफेद और हरा। लाल और पीले को मिलाने से केसरी रंग बनता है भोजन में हमें इन सभी रंगों वाली चीजें ग्रहण करनी चाहिए।

लाल रंग – गाजर टमाटर अनार पपीता चकुंदर
पीला रंग – नींबू मौसमी आम गन्ना
हरा रंग – हरी सब्जियाँ सलाद दाल इत्यादि
यही शुद्ध व सात्विक भोजन है क्या हम कभी देवताओं व परमात्मा को प्याज लहसुन मांस अन्ड़े बीड़ी–सिगरेट का भोग लगाते हैं? नहीं
कभी नहीं। हमें भी इन चीजों का सेवन कभी नहीं करना चाहिए।

सात्विक भोजन से लाभ

1. सात्विक भोजन
2. राजसिक भोजन
3. तामसिक भोजन

2. **राजसिक भोजन :** ज्यादा तेल नमक चीनी मिर्च–मसाला अचार बासी भोजन।

राजसिक भोजन से नुकसान

1. मन शरीर भारी
2. आलस्य–अलबेलापन
3. मोटापा

3. **तामसिक भोजन :** अण्ड़े मांसाहारी नशीले पदार्थ प्याज व लहसुन।

तामसिक भोजन से नुकसान

1. मन चंचल
2. वृत्ति खराब
3. बात–बात में क्रोध

हमें सदैव सात्विक भोजन करना चाहिए।

भोजन कैसे करे

1. भोजन सदैव प्रभु याद में खायें।
2. भोजन को प्रसाद समझकर खायें।

जैसा अन्न वैसा मन : भोजन का एक महत्वपूर्ण पहलू और है कि भोजन पर विचारों का बहुत असर पड़ता है। अर्थात् जिन विचारों में भोजन बनाया जाता है वे भोजन में मिल जाते हैं और जो कोई उस भोजन को खाता है। उसके मन के विचार भी वैसे ही हो जाते हैं।

तीन चीजों को हमेशा याद रखो।

तीन चीजें किसी का इन्जार नहीं करती हैं	–	समय, मौत और ग्राहक
तीन चीजें जीवन में एक बार मिलती हैं	–	माँ, बाप और जवानी
तीन चीजें पर्दे योग्य हैं	–	धन, स्त्री और भाजन
तीन चीजों से सदा सावधान रहें	–	बुरी संगति से, स्त्री और निन्दा से
तीन चीजों में मन लगाने से उन्नति होती है	–	ईश्वर, परिश्रम और विद्या
तीन चीजों का सम्मान करो	–	माता, पिता और गुरू
तीन चीजों को वश में रखो	–	मन, काम और लोभ
तीन चीजें निकलने पर वापस नहीं आती	–	तीर कमान से, बात जुबान से, प्राण शरीर से
तीन चीजें सदा याद रखें	–	सच्चाई, कर्तत्य और मौत
तीन चीजें कमजोर कर देती हैं	–	बदचलनी, गुस्सा और लालच
तीन चीजें वक्त पर पहचानी जाती हैं	–	स्त्री, भाई ओर दोस्त

Ranjna Verma
Class-12 (Art)

सामान्य विश्व ज्ञान

सबसे बड़ा ग्रह	–	ब्रहस्पति
सबसे गर्म ग्रह	–	बुध
सबसे ठण्ड़ा ग्रह	–	यम (प्लेटो)
सबसे छोटा ग्रह	–	बुध
रैड स्आर	–	मंगल
इवनिंग स्आर	–	शुक्र
सबसे बड़ा मन्दिर	–	अकोंरवाट
सबसे बड़ी मस्जिद	–	उमैपद् मस्जिद (सीरिया में)
सबसे ऊँची इमारत	–	सिपर्स टावर
सबसे गर्म स्थान	–	सहारा मरूस्थल
सबसे बड़ा ज्वालामुखी	–	अटाकामा
मीठे पानी की सबसे बड़ी झील	–	सुपीरियर (अमेरिका)
सबसे बड़ा शहर	–	वेटीकन सिटी (इटली)

Vatika Verma
Class-10

रसोई की छोटी-छोटी बातें

Laxmi Verma
12(Art)

1. चावल बनाते समय पानी में नींबू की कुछ बूंद डाल दें। चावल खिला–खिला बनेगा।
2. दाँत में दर्द हो तो हींग का टुकड़ा रख लें। दर्द दूर हो जायेगा।
3. गर्म पानी में थोड़ा नमक और सिरका मिलाकर वॉस बेसिन को साफ करें।
4. कटहल को काटते समय हाथों पर सरसों का तेल लगा लें, हाथो पे नहीं चिपकेगा।
5. इमली की चटनी बनाने के बाद बचे हुए गुद्दे में नमक मिलाकर पीतल व तांबे के बर्तन को साफ करें।
6. गरम मसाला को कभी भी पारदर्शी बोतल में ना रखें, इससे खुशबू खत्म हो जायेगी।
7. फ्रिज में आंटा या कोई अन्य सामग्री फाइल में लपेटकर रखें ताजगी बनी रहेगी।
8. चींटियों को भगाने के लिए चीनी के ड़िब्बे में कपूर का एक टुकड़ा रखें।
9. आंटे के ड़िब्बे में तेजपत्ता ड़ालकर रखने से ड़िब्बे में नमी नहीं रहेगी, और आंटा ज्यादा दिनों तक फ्रेश रहेगा।
10. बचे हुए गाजर के हलवे को आंटे की लोईयों में भरकर गाजर की मीठी पूरी बनाएं।

इज्जत, दौलत और तालीम

Swati Prajapati
Class-12 Sci.

इज्जत दौलत और तालीम जब आखिरी बार मिले तो दौलत ने पूंछा क्या हम दोबारा कभी मिलेंगें तो तालीम ने कहाँ –

अगर मुझसे मिलना हो तो किताबों में मिलना।

दौलत ने कहा –

अगर मुझसे मिलना हो तो अमीरों के घर मिलना।

इज्जत कुछ न बोली–तो दौलत ने पूंछा क्या तुम हमसे कभी नहीं मिलोगी

इज्जत ने कहा –

अगर मै एक बार चली जाती हूँ, तो दोबारा वापस नहीं आती हँ।

खेल भावना एवं उसमें बढ़ती व्यवसायिकता

Harshita Shukla
Asst. Teacher

खेल भावना एक दृष्टिकोण है। जो ईमानदारी के साथ खेलने, टीम के साथियों और विरोधियों के प्रति दिष्टाचार बरतने, नैतिक व्यवहार और सत्यनिष्ठा दिखाने तथा जीत या हार में बड़प्पन के प्रदर्शन की प्रेरणा देता है। खेल भावना एक आकांक्षा या लोकाचार को अभिव्यक्त करती है कि गतिविधि का आनन्द खुद गतिविधि उठाये, खेल पत्रकार ग्राटलैंड राईस का प्रसिद्ध कथन है कि यह अहम नहीं है कि तुम हारे या जीते अहम यह है कि तुमने खेल कैसा खेला आधुनिक ओलंपिक भावना की अभिव्यक्ति इसके संस्थापक पियरे डी कॉबिरटीन ने इस प्रकार की है कि सबसे महत्व पूर्ण बात है। ...जीतना नहीं बल्कि इसमें हिस्सा लेना'' ये इस भावना की विशिष्ट अभिव्यक्ति है। खेल में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और जान बूझकर आक्रामक हिंसा के बीच की रेखा को पार करने से ही हिंसा पैदा होती है। एथलीट, कोच, प्रशंसक या अभिभावक कभी–कभी गुमराह, वफादारी, प्रभुत्व, क्रोध या उत्सव के तौर पर लोगों और सम्पत्ति को हिंसा की भेंट चढ़ा देते हैं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में हुडदंग और गुन्ड़ा गर्दी आम बात हो गई है। यह एक बड़ी समस्या बन गई है।

व्यवसायिकता :

आधुनिक खेलों के नियम जटिल होते हैं और इनका अत्यधिक आयोजन होता है। खेल के मनोरंजन वाले पहलु मात्र मीड़िया के प्रसार और अवकाश के लिए समय बढ़ने के साथ–साथ खेलों में व्यवसायिकता बढ़ी है। इसकी वजह से कुछ–कुछ संघर्ष के हालात भी पैदा हुए हैं जहां भुगतान के चैक मनोरंजक पहलुओं से ज्यादा अहम हो जाता है या जहाँ खेलों को ज्यादा मुनाफेदार लोकप्रिय बनाने की कोशिश की जाती है। इस तरह कुछ महत्वपूर्ण परंपराए लुप्त होती जा रही हैं। खेल के मनोरंजन पहलू का मतलब यह है कि खिलाड़ियों और महिलाओं को अक्सर सेलिब्रिटी की हैसियत हासिल होती हैं।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं

1. हर मुश्किल में हर कीमत पर जन्म मैं लूँगी।
आज दो बातों की एक बात है इसको रखना याद।।
फक्र करे हर औरत जिस पर ऐसी दूँ कुर्बानी।
बनकर दिखा दूँगी दुनिया को मैं झाँसी की रानी।

2. माँ क्या आप मुझे जन्म लेने से पहले ही मार देना चाहतीं हैं। पापा क्या आप को यह भी याद नहीं रहा कि जिस दिन आपकी बेटी कल्पना चावला ने नासा से उड़ान भरी थी तो आपके कुल को अमर कर गई। कितने शर्म और अफसोस की बात है कि मैने अभी आँख खोलकर इस जमीन पर कदम भी नहीं रखा और मेरे माँ–बाप मेरी हत्या कर देना चाहते हैं। क्योंकि उनके घर में कन्या पैदा होगी तो उनके कुल को श्राप लग जायेगा। अगर घर में कन्या पैदा होने से कुल को श्राप लगता है तो मम्मी पापा जवाब दीजिये। राजा जनक के कुल को श्राप क्यों नहीं लगा। सौभाग्यवान थे। राजा जनक कि उनके घर में सीता ने जनम लिया और उन्हें राम जैसा दामाद मिला।

3. जब मैं वापस घर गई तो मेरा घर शोले की जद में था, मैं मन्दिरों के दीप जलाने में रह गई। दुनिया में सारी उर्म तआरूफ न हो सका रजिया मैं खुद से खुद को मिलाने में रह गई।

4. मैंने पण्डित जवाहर लाल नेहरू के घर में जन्म लिया। लोगों ने मुझे प्रियदर्शिनी कहा मैं इस देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री बनी, पूरे अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय ने मेरी सराहना की। मेंरे अन्तिम शब्द आज भी इस देशकी वादियों में गूँजते हैं। मुझे इस बात का कोई गम नहीं कि मैं रहू या न रहूँ। मेरे खून की एक–एक बूँद इस देश के काम आ जाए।'' कहर सिंह की गोलियाँ के कहर से छलनी होकर मेरे शरीर ने खून की एक–एक बूँद इस देश के लिए बहा दी, मेरे बेटे को बम से उड़ा दिया गया लेकिन पण्डित जवाहर लाल नेहरू का कुल आज भी जिन्दा है। जब देश पर युद्ध थोपा गया मैने लक्ष्मीबाई बनकर दुश्मनों का मुँह तोड़ जवाब दिया। मेरे सेनापति के सामने दुश्मन के एक लाख तीस हजार सैनिकों को घुटने टेंकने पड़े। मैने पूर्वजों के आदर्श तथा संस्कारों के साथ–साथ भारतीय संस्कृति को जिन्दा रखा।

5. एक आवाज–मम्मी पापा मैं आपसे अपने जन्म की भीख माँगती हूँ। मैं आपको भारतीय संस्कृति पूर्वजों के आदर्श देती हूँ, आप मेरी हत्या न करें। मेरा जन्म होने दें। मैं आपको वचन देती हूँ कि फिर से इस देश की सत्ता मेरे हाथों में होगी, मैं बेरोजगारी दूर करूँगी।

Priyanshi Srivastava
Bio Lect.

कन्या भ्रूण हत्या

एक से दो, दो से चार, चार से बना संसार
इस पूरे संसार की नारी है आधार।
कन्या को मारोगे तुम
तो प्यारी सी बेटी कैसे पाओगे।
बहन को जो मारोगे
वो रंग–बिरंगी राखी किससे बंधवाओगे
किसके संग खेलोगे होली
मनाओगे किसके संग दीवाली
कन्या मारोगे अगर तो पाओगे कैसे घरवाली
कौन बहन बनेगी और कौन बनेगी साली
नारी के कारण ही तो है मतवाली
छोटा सा भ्रूण चिल्लाकर कह रहा
मैने ही तुझको बनाया तू ही मुझको मार रहा
मै मर गई तो खत्म हो जाएगा सृष्टि का सार
मेरे बिना सोचकर देखो कैसा ये संसार

Shubhi Kashyap
Class-12 (Art)

शिक्षक है भगवान

मंदिर है विद्यालय मेरा शिक्षक है भगवान,
पूजा करलो उनकी प्राप्त करना है यदि ज्ञान।
बड़े–बड़े विद्वान बने इनका ही करके ध्यान,
मन में भर कर आदर इनका अब दूर करो अज्ञान।
वह नरक का भागी है करे जो इनका अपमान,
बात हमेशा मानों इनकी करो इनका सदैव सम्मान।
डाँट इनकी ऐसी समझो जैसा आँवले का रसपान,
शिक्षक की कर अपने सेवा बन जाओ गुणों की खान।
शिक्षा लो अध्यापक से बनो एक आदर्श इन्सान,
कर सके गर्व जिस पर देखो अपना भारत देश महान।

Sanju Verma
Hindi Lect.

अनुशासन का महत्व

Babita Sachdeva
Asst. Teacher

समाज की सहायता के बिना मानव जीवन का अस्तित्व असम्भव है। सामाजिक जीवन को सुख संपन्न बनाने के लिए कुछ नियमों का पालन करना पड़ता है। इन नियमों को हम सामाजिक जीवन के नियम कहते हैं। इनके अंतर्गत मनुष्य व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से नियमित रहता है तो उसके जीवन को अनुशासित जीवन कहते हैं।

अनुशासन मानव–जीवन का आवश्यक अंग है। मनुष्य को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में चाहे वह खेल का मैदन हो अथवा विद्यालय, घर हो अथवा घर से बाहर कोई सभा–सोसायटी सभी जगह अनुशासन के नियमों का पालन करना पड़ता है। विद्यार्थी समाज की एक नव–मुखरित कारणवश कभी आ जाती है तो यह समाज किसी न किसी दिन आभाहीन हो जाता है।

परिवार अनुशासन की आंरभिक पाठशाला है। एक शिक्षित और शुद्ध आचरण वाले परिवार का बालक स्वयं ही नेक चाल–चलन और अच्छे आचरण वाला हो जाता है। माता–पिता की आज्ञा का पालन उसे अनुशासन का प्रथम पाठ पढ़ाता है। परिवार के उपरांत अनुशासित जीवन की शिक्षा देने वाला दूसरा सीन विद्यालय है। शुद्ध आचरण वाले सुयोग्य गुरूओं के शिष्य अनुशासित आचरण वाले होते हैं। ऐसे विद्यालय में बालक के शरीर आत्मा और मस्तिष्क का संतुलित रूप से विकास होता है।

विद्यालय का जीवन व्यतीत करने के उपरांत जब छात्र सामाजिक जीवन में प्रवेश करता है तो उसे कदम–कदम पर अनुशासित व्यवहार की आवश्यकता होती है। अनुशासनहीन व्यक्ति केवल अपने लिए ही नही समस्त देश व समाज के लिए घातक सिद्ध होता है।

अनुशासन का वास्तविक अर्थ अपनी दूषित और दूसरों को हानि पहुँचाने वाली प्रवृतियों पर नियंत्रण करना है। अनुशासन के लिए बाहरी नियंत्रण की अपेक्षा आत्मनियंत्रण करना अधिक आवश्यक है। वास्तविक अनुशासन वही है जो कि मानव की आत्मा से सम्बन्ध हो क्योंकि शुद्ध आत्मा कभी भी मानव को अनुचितकार्य करने को प्रोत्साहित नहीं करती।

क्या आप जानते हैं ?

Archana Kuril
Asst. Teacher

1. भारत का सर्वाधिक महंगा नगर – बैंगलोर
2. भारत का प्रथम शतरंज ग्रैण्ड मास्टर – विश्वनाथन आनन्द
3. अलीगढ़ प्रसिद्ध है – तालो के लिए
4. सबसे बड़ा महाद्वीप – एशिया महाद्वीप
5. विश्व का सबसे गरीब देश – मोजाम्बिक
6. विश्व का सबसे अमीर देश – स्विटजरलैण्ड
7. एक मच्छर के मुँह में कितने दांत होते हैं – 22
8. सहारनपुर प्रसिद्ध है – लकड़ी उद्योग के लिए
9. पिंक सिटी कहते हैं – जयपुर को
10. भारत की प्रथम महिला मुख्यमंत्री – श्रीमती सुचेता कृपलानी
11. भारत की प्रथम महिला राष्ट्रपति – श्रीमती प्रतिभा पाटिल
12. भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री – श्रीमती इन्दिरा गांधी
13. भारत की प्रथम दलित महिला मुख्यमंत्री – सुश्री मायावती
14. भारत का सबसे बड़ा पुरस्कार – भारत रत्न
15. भारत का प्रथम महाविद्यालय – फोर्ट विलियम महाविद्यालय (कोलकाता)
16. कागज का आविष्कार हुआ – चीन में
17. श्रीमती सोनिया गांधी का वास्तविक नाम – सिन्योरा मायनो
18. महाभारत का पुराना नाम – जयसंहिता
19. प्रथम राष्ट्रीय ध्वज भारत का किसने सिया – भीखाजी कामा
20. नौ रंग के पंखो वाली चिड़िया – पिट्टा चिड़िया (आस्ट्रेलिया)
21. वर्ष का सबसे बड़ा दिन – 21 जून
22. सूर्य के सबसे करीब का ग्रह – बुध ग्रह
23. सबसे बड़ा ग्रह – जूपिटर
24. भारत का वह प्रधानमंत्री जिसका जन्म दिन (29 फरवरी) 4 वर्ष में एक बार आता है – स्व0 श्री मोरारजी देसाई – स्व0 श्री मोरारजी देसाई
25. भारत का संविधान बनाने में कितना समय लगा – 2 वर्ष 11 माह 18 दिन
26. विश्व में कुल देश हैं – 353 देश
27. भारत में टेलीफोन लगा – सन् 1888 में
28. भारत में हीरे किस नदी में मिलते हैं – कृष्णा नदी में
29. सफेद हाथी पाए जाते हैं – थाईलैण्ड में

GOLDEN WORD FOR MY SCHOOL'S STUDENTS

As an ex-student of this school I would like to share few suggestions which can be helpful to ***students to achieve goal in their life.***

- ✓ *A student life is all about focusing on goal and achieving them with determination, discipline and hard work. Exams and tests are the challenges that need to be overcome.*
- ✓ *Being a student throughout school is like preparing yourself for a marathon which will* ***begin after your school life.***
- ✓ *Focus on your goal and study hard because the last thing you want to tire yourself out* ***before the finish line.***
- ✓ *If you don't study you will probably never get* ***and experience in the first place.***
- ✓ *There is a champion in each and every one of us. All you have to do is find him.*
- ✓ *Listen to your teachers when they tell you some activities to do and they guide not to do* ***wrong things.***
- ✓ *Time can be your best friend and your worst enemy depending on whether you use it or* ***waste it.***
- ✓ *Winners from all walks of life have their own strategies and plans but they all have one thing in common-they try, so keep trying.*
- ✓ *Failure is only temporary in life. The only thing that is permanent is your will to win* ***over obstacles.***
- ✓ *Last but not the least Don't study to earn, study to learn. What you learn today is what* ***you will bevome tomorrow.***

Principal
Dr. Meenakchi Tiwari
NET, Phd.

"BEHIND EVERY SUCCESSFUL MAN, STANDS A WOMAN".

Jitendra Kaur
Asst. Teacher

Different roles of a woman, the most respectable entity in our society. She enjoys in different roles that she plays in her life as a Mother, a Sister, a Life partner, a Daughter and of coures a source of inspiration. Our life are so influenced by women that we can't deny them and their importance in our life.

"A WOMAN IS MEANING OF LIFE ! SOMEONE WHO LOVES, WHO CARES !"

AS A MOTHER

"A MOTHER IS TREATED AS GOD" Who bears all the pain and gives birth to a child, who grow up under of he care, her love & her sacrifice & her dedication. The love of a mother for her child can't be compared to anything in this world.

AS A SISTER

"HAVING A SISTER IN ONE'S FAMILY IS A REALLLY BOON". A sister plays a important role in life & that's why we have festivals like Rakshabandhan & Bhaiya Dooz which highlight the special bond of relation between a brother and sister. Whoever has a sister will understand the role of sister plays in life. A sister is the best emotional support in one's life.

AS A LIFE PARTNER

She wants her. man to be someone, she can be proud of. Woman idolizes her man & wants to be her "SOULMATE". The woman symbolizes her inner strength which overrides her beauty & her passion. She is always there for her man when he needs her and has the immense obility to switch on and off into different roles.

AS A DAUGHTER

The daughter is the greatest support for her parents. She is always ready to sacrifice for her family. She is an asset to the family. As very often we see her, sharing the responsibilities equally with the mother and father. "NO WONDER WHY DAUGHTERS ARE FAVORITE OF THEIR FATHERS".

CONCLUSION

The role of woman as a Mother, a Sister, a Life partner, a daughter.... all into one. That's why we can say

"BEHIND EVERY SUCCESSFUL MAN, STANDS A WOMAN".

The basic unit of society is a woman. A woman makes a family. Family makes a home and homes make a society. Women are the important part of our society and can't be neglected due to their less power and authority. They are creaated as a companion for men and men have to make her walk with them in the course of life.

it is the role of a woman which is played properly and delicately can build and flourish the family but if not, can ruin the family.

सड़क सुरक्षा एवं यातायात

Shiv Shankar Awasthi
Physics Lect.

सड़क सुरक्षा :–

भारत में प्रत्येक वर्ष 1,40,000 से अधिक व्यक्ति सड़क दुर्घटनाओं में मारे जाते हैं। पिछले दशक में ही देश में सड़को पर होने वाली मौतों में लगभग 50% की वृद्धि हुई है। स्थिति की गम्भीरता का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि विश्व के कुल सड़क वाहनों में केवल एक प्रतिशत ही वाहन भारत में हैं, जबकि विश्व में होने वाली कुछ सड़क दुर्घटनाओं में 10 प्रतिशत हादसे भारत में होते हैं। यह चिन्ता का विषय है।

यातायात के नियम :–

सड़क परिवहन ही हमारा सबसे अधिक साथ देता है। इसलिए सड़क पर यातायात की उचित व्यवस्था तथा सड़क पर चलने वालों की सुरक्षा के लिए अनेक कानून बनाए गए हैं। जिनका पालन करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य हो जाता है, क्योंकि अपनी सुरक्षा तथा नैतिकता की दृष्टि से ये कानून हमें सुरक्षित घर पहुँचाते है। वस्तुतः सड़क यातायात के नियमों का पालन हमारी यात्रा को सुरक्षित तथा सुखकारी बनाते हैं, परन्तु यदि हम इन नियमों का उल्लंघन करते हैं तो अपने आपको ही हानि पहुँचाते हैं। वाहन तथा यातायात के प्रमुख नियमों को दो भागों में विभक्त किया जा सकता है।

1– सुरक्षा सम्बन्धी यातायात के नियम एवं सावधानी।
2– वाहन चलाने के नियम तथा सावधानी।

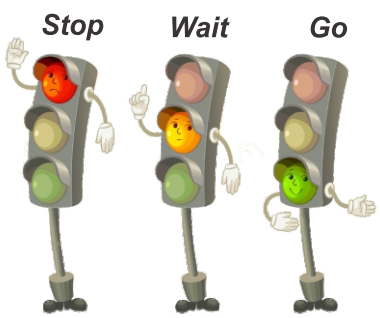

भारत में सुरक्षा सम्बन्धी यातायात के नियम तथा सावधानी निम्नलिखित रूप में है।

1– वाहन चलाते समय गति सीमा का ध्यान अवश्य रखें।
2– वाहन सदैव अपनी लेन में चलाएं। अपनी लेन से निकलकर दूसरी लेन में न जाएँ
3– जो वाहन आगे चल रहा हो, उसे आवश्यक दूरी बनाएं रखें।
4– यदि सड़क पर वाहन अधिक हैं तो अपना वाहन चलाने में स्पर्श न करें।
5– आगे चलने वाले वाहन के बाद ही अपने वाहन को चलाएँ।
6– अपने वाहन को बाई तरफ ही चलाएँ।
7– यदि सड़क के किनारे यातायात संकेत बने हुए हों तो उनका पालन अवश्य करें।
8– शरीर के किसी भी अंग को वाहन से बाहर न निकालें।
9– वाहन को मोड़ते समय हार्न बजाएँ तथा उपयुक्त संकेत दें।
10– यदि मोटरसाइकिल या स्कूटर चला रहे हो तो हेलमेट का प्रयोग अवश्य करें।

11– कार चलाते समय बेल्ट अवश्य लगा लें।
12– थकान होने पर वाहन न चलाएँ।
13– शराब पीकर वाहन न चलाएँ।
14– घने कोहरे के दौरान ड्राइविंग न करें क्योंकि सर्दियों के मौसम में कोहरे के कारण दृश्यता काफी कम हो जाती है।
15– वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग करें।
16– वाहन चलाते समय धूम्रपान करना केन्द्रीय मोटर वाहन नियम 21 (14) का उल्लंघन है।

आन्तरिक सुन्दरता

महान दार्शनिक सुकरात देखने में सुन्दर न थे। एक दिन जब वह दर्पण में अपना चेहरा देख रहे थे तभी उनका एक शिष्य उनसे वहाँ मिलने आ गया। उसने सुकरात को दर्पण में चेहरा देखते पाया तो मुस्करा पड़ा। यह देखकर सुकरात ने कहा ''तुम सोंच रहे होगे कि मुझसा कुरूप व्यक्ति दर्पण क्यों देख रहा था।'' यह सुनकर शिष्य लज्जित हुआ उसके गुरू उसकी मुस्कुराहट का कारण समझ गये। सुकरात ने पूछा ''क्या तुम जानना चाहोगे कि में शीशा इस लिए देखता हूँ कि मुझे सदैव यह ध्यान रहे कि मै कुरूप हूँ और अपनी इस कुरूपता को कम करने के लिए मै अच्छे काम करूँ जिससे कोई मेरी कुरूपता पर ध्यान न दे''। सुकरात का उत्तर सुनकर शिष्य ने उत्सुकता से पूछा ''तो गुरूदेव जो सुन्दर है, क्या उन्हें दर्पण नहीं देखना चाहिए''?

सुकरात हँसकर उत्तर दिया ''जो सुन्दर है उन्हें भी दर्पण देखना चाहिए जिससे उन्हें सदैव यह ध्यान रहे कि वह सुन्दर हैं और अपनी इस सुन्दरता को बनाये रखने के लिए वह काम भी सुन्दर करें। अगर बुरे काम करेंगे तो सुन्दर होते हुए भी कुरूप दिखाई देंगे।''

Vima Kashyap
Asst. Teacher

सफलता के सोलह सूत्र

गुण	न हो तो रूप व्यर्थ है।
विनम्रता	न हो तो विद्या व्यर्थ है।
उपयोग	न हो तो धन व्यर्थ है।
साहस	न हो तो हथियार व्यर्थ है।
भूख	न हो तो भोजन व्यर्थ है।
होश	न हो तो जोश व्यर्थ है।
गुस्सा	अक्ल को खा जाता है।
अहंकार	मन को खा जाता है।
चिन्ता	आयु को खा जाता है।
रिश्वत	इन्सान को खा जाता है।
लालच	ईमान को खा जाता है।
दान	करने से निर्धनता दूर हो जाती है।
सुन्दरता	के लिए लज्जा आवश्यक है।
परोपकार	न करने वालों का तो जीवन ही व्यर्थ है।
दोस्त	चिढ़ता हुआ दोस्त मुस्कुराते हुए दुश्मन से अच्छा है।
सूरत	हमें इन्सान की अक्ल देखनी चाहिए, शक्ल नहीं।

Priyanka Verma
Class-12 Sci.

Trying is better than Crying

Sonampreet
Class-11 (Art)

As children, we have to always understand that life is always full of ups and downs. Throughout our life, we will face many disappointments. Success and disappointment. are just two sides of the same coin. Most of the times. thinking and crying over failure will not offer any solutions but sometimes elevates the original issues making it more difficult to resolve. For example an unexpected low score in an examination is just a reminder that we should work harder next time. Its just an opportunity given by god to show the world that you are up for it. Dr. APJ Abdul kalam, president of India said-"Man needs difficulties because they are necessary to enjoy success, that through difficulties and problems God gives us the opportunity to grow." So when your hopes and dreams are dashed, search among the wreakage and try harder, you may fond a golden opportunity hidden in the ruins. Trying is always better than crying.

सुविचार

शिक्षक और सड़क दोनों एक जैसे होते हैं,
खुद जहाँ है वहीं पर रहते हैं,
मगर दूसरों को उनकी मंजिल तक पहुंचा ही देते हैं।

TOPIC : SWACHH BHARAT ABHIYAN

"Swachh Bharat Abhiyan" is a movement which focused on need for a clear country. The Prime Minister 'Mr. Narendra Modi' has opted for a pollution free country which he considers to be the best gift a leader could give to his people.

This expedition is the most essential one which every citizen of India needs to know about. Holding the hand of this expedition India which every citizen dreams of.

The official launch of the expedition was on 2nd October 2014. The expedition was initiated keeping in mind the great Indian leader Mahatma Gandhi. Thus the day of the launch had been selected on 2nd October, the 145th birthday of Mahatma Gandhi. For the very first time India saw the inception of the mission had been to inspire people of India to join hands in the welfare of the country.

The program me does only involve sweeping the street or cleaning of the loitered paper and cans.

This involve a bigger picture which in the long Run. would lead the people construct bathroom everywhere. Using public area is one of the biggest problem which India Focus. This does not only scatter dirt all over. The country, this is in hygienic as well.

The completion of the program me has another vision. The successful execution of the expedition would create a ripple in the world. This turn the eyes of the foreign investors towards India.

Swachha Bharat Abhiyan

Insha Siddiqui
Class-12 Sci.

Say No To

POLYTHENE

Vipsha Verma
Class-12 Sci.

If you are a kind hearted boy
and love animals,
Say No to polythene
If you love Mother Earth,
and want to do something for he
Say No to Polythene
If you're a good citizen
and want to keep your city clean,
Say No to Polythene
Shelter like the earth
cannot be found anywhere,
Give your contribution to save it,
Say No to Polythene.

LOCKDOWN 2020

"Books are our best friend"

Dipali Kashyap
Class-12 Sci.

It is true that books are our best friends because they give us true knowledge with the help of books we increase our knowledge whenever we feel lonely only the books are with us to share our loneliness. Now-a-days many students are wasting their time in watching T.V. playing in mobile so I want do advise them to read more and more and gather knowledge from the different books.

What - Syaapa
Whatsapp Message
बच्चों से करो प्यार
Whatsapp से करो इन्कार
Hello everyone
My name is Parth Singh,
Class K.G.,
O My god, Whatsapp, Whatsapp, Whatsapp
O Mummy, Papa
पय गया सयापा
Whatsapp जब से आया,
हमसे ध्यान हटाया,
हमारा क्या कुसूर,
क्यों किया है, खुद से दूर
दिन भर **Whatsapp** करते हो,
हमें नही पढ़ाते हो,
सेल्फी के दिवाने हो,
हम बच्चों से अनजाने हो,
बन्द करो ये अत्याचार,
हमको दे दो अपना प्यार,
Thank You .....

Radhna Devi
Class-12 (Art)

लड़का-लड़की एक समान

Saumya Shrma
Class-10

हमारे भारत वर्ष में सदैव ही देवियों की पूजा की जाती है। इसलिए स्वतंत्रता आंदोलन के समय भारत को भारत माता की उपाधि दी गई। परन्तु एक बात का बहुत दु:ख है कि जितनी पूजा हम देवियों की करते हैं, उतनी ही उपेक्षा लड़कियों की करते हैं। परिवार में यदि लड़के का जन्म हो जाए तो खुशी का वातावरण होता है। चारों तरफ बैंड बाजे आदि बजाये जाते हैं, परंतु लड़की के जन्म दिन पर उदासी सी छा जाती है। कई स्थानों पर तो लड़कियों को जन्म से पहले ही मार दिया जाता है।

आखिर ये भेदभाव क्यों? इस सवाल का उत्तर हमारे समाज में लोगों की सोच से जुड़ा हुआ है। सदियों से हमारा समाज एक पुरूष प्रधान समाज रहा है । यहाँ लड़कियों को सदैव निर्बल समझा जाता है। लोगों की सोच यह है कि लड़की पराया धन है, वह विवाह के बाद चली जायेगी। इसलिए उस पर पैसा खर्च करना व्यर्थ है और लड़का तो माँ–बाप के बुढ़ापे का सहारा होता है। अत: उसे पढ़ाना–लिखाना चाहिए परंतु यह सोच गलत है। लड़कियों को भी लड़कों की तरह समान अधिकार मिलना चाहिए और आजकल शिक्षित माँ–बाप इस बात को समझते भी है। यही कारण है कि आज माँ–बाप अपनी बेटियों को जन्म से पहले मार देने के बजाय उसे पाल–पोस कर स्कूल भेज रहे हैं। किसी ने सत्य ही कहा है–

'' यदि आप एक लड़के को शिक्षित करते है, तो आप एक व्यक्ति को शिक्षित करते हैं परंतु यदि आप एक लड़की को शिक्षित करते हैं तो आप पूरे परिवार को शिक्षित करते हैं। ''

आज चाहे जो क्षेत्र हो खेल–कूद का मैदान, सरकारी दफ्तरों की कुर्सियाँ आदि सभी जगहों नारी का बोल बाला है। इंदिरा गाँधी, किरन बेदी, रानी लक्ष्मीबाई, आदि नारियों ने ये साबित किया है कि लड़कियाँ लड़कों से कम नहीं।

अत: यह कह सकते हैं कि–

''आज की नारी सब पर भारी''।

अंत में यह कह सकते है कि नारी पुरूष से कम नहीं है। हर क्षेत्र में उसने अपनी कला को प्रदर्शित किया है। अत: हमें उसे रोकना नहीं चाहिए बल्कि उसे उम्मीदों से भरे खुले आसमाँ में पंख फैलाकर उड़ने देना चाहिए।

मेरा बगीचा

Rupali Verma
Class-10

देखो ये मेरा सुन्दर और सुगन्धित बगीचा।
इसके पौधों को हम सबने मिलकर सींचा।
पौधों पर आकर पक्षी जब चहके।
मेरा चेहरा खुशी से दमके।।
बगीचे के सुन्दर फूलों को तुम कभी न तोड़ो।
घोसले में रखे चिड़िया के अण्डों को भी मत फोड़ो
घर के बगीचे में तुलसी, नीम अशोक, लगाओगे।
जीवन रक्षक शुद्ध वायु पाओगे।
छोटा ही पर बगीचाा अवश्य लगायें।

''विज्ञान मानवता के लिए खूबसूरत
तोहफा है, इसका हमें सदुपयोग करना चाहिए।''

धर्म और विज्ञान:- (जीने की कला सिखाती कविता)

धर्म का विज्ञान से, भक्त का भगवान से,
क्या रिश्ता, हम जान लें, गीता का कुरान से।
धर्म जीने की कला, मजहबों का सार है,
जीवित कैसे हम रहें, विज्ञान पर ये भार है।
धर्म से ही मान है, विज्ञान से अभिमान है,
कुदरत से मिली ये दो आँखे, मानवता की शान हैं।
धर्म दु:ख की है दवा, विज्ञान मरहम दर्द का,
जिसने भी समझी ये हकीकत, समझो गुणों की खान है।
धर्म सुख का जन्मदाता, विज्ञान माँ आनंद की,
जिसने भी जानी ये पहेली, वही सुखी इंसान है।
धर्म मन का है नियंता, विज्ञान तन का दास है,
धर्म निर्मल हास्य तो, पूजा निरा परिहास है।
धर्म से जीवन खिला, विज्ञान से संसार ये,
धर्म से पावन धरा, विज्ञान से आकाश ये।
धर्म मन की भूख तो, विज्ञान तन की प्यास है,
धर्म में आशा जगत की, विज्ञान तन की आस है।
धर्म पढ़ाता, पाठ मर्म का, कर्म धुरी विज्ञान की,
धर्म भरता प्रेम जगत में, रक्षा करता ज्ञान की।

Radha Shukla
Class-10

Biology Poem

Blooming
Sprouting
Living off of air
Beautiful roses
And Dandelions
In my hair

Carbon dioxide, Water and sun
with there things, Plants make a ton
Sugar (Preferably qlucose) and oxygen too,
When i need this to breath, do not be and
so do you see a tree, Do not be smug walk
right up, And give it a hug

Priyanshi
Class-10

"Biology is the study of the complex
things in the Universe. Physics is
the study of the simple ones."

समाज का भविष्य बेटियाँ

Akshara Gupta
Class-9th

मैं कुछ कहना चाहती हूँ,
अपने हिस्से का जीवन जीना चाहती हूँ।
इस रंग बिरंगी दुनिया में, मैं भी सुख भोगना चाहती हूँ।
जन्म लेने दो बेटी को भी,
वह बेटे से बढ़कर दिखलाएगी।
धरा का सुख क्या चीज है,
आसमान के तारे तोड़ लाएगी।
भाई के हाथों में राखी बाँधने,
बहन भला कहाँ से आएगी।
ओस की बूँद सी होती हैं बेटियाँ,
स्पर्श खुरदरा हो तो रोती हैं बेटियाँ।

रोशन करेगा बेटा एक कुल को,
दो–दो कुलों की लाज रखती हैं बेटियाँ।।
कोई नहीं दोस्तों एक–दूसरे से कम,
हीरा अगर है बेटा, तो मोती है बेटियाँ।।
काँटों की राह पर खुद चलती रहेंगी,
औरों के लिए फूल ही होती है बेटियाँ।।
कैसा ये विधान है दुनिया की रस्म है।
मुट्ठी में नीर मन का पीर होती हैं बेटियाँ।।
हर बाप चाहते हैं बेटी सुखी रहे,
ससुराल में भी न उसे कोई कमी रहें।
अखबार में आती मगर ये सुर्खियाँ,
जिन्दा जलाई जाती हैं हर रोज लड़कियाँ।।

एक व्यक्ति की आदत थी कि वह रास्तें में मिलने वाले हर व्यक्ति को नमस्कार करता था। पर एक आदमी उसके नमस्कार का जवाब गाली से देता था। एक दिन उस व्यक्ति से किसी ने पूछा, वो आदमी हर रोज तुम्हें बुरा भला कहता है। तुम फिर भी उसे नमस्कार करते हो। उस नेक आदमी ने बहुत अच्छा जवाब दिया कि जबवह मेरे लिए अपनी बुरी आदत नहीं छोड़ता तो मैं उसके लिए अपनी अच्छी आदत क्यों छोड़ दूँ।

अध्ययन के समय ध्यान रखने के योग्य कुछ बातें :-

Dalveer Kaur
Asst. Teacher

★ अध्ययन करते समय मुँह उत्तर अथवा पूर्व दिशा में रहे। यह निश्चित मान लें कि जो आप पढ़ रहे हैं , वह परीक्षा में पूछा जायेगा।

★ सुविधाजनक मेज – कुर्सी पर कमर सीधे करके बैठकर अध्ययन करें। लेटकर अथवा टहलकर पढ़ाई न करें।

★ जब थके हों या किसी कारण परेशान हों तो न पढ़ें। एक बार में एक ही काम करने की आदत डालें। जो भी करे उसमें पूरी तरह डूबकर करें। अंग्रेजी में भी कहावत है – Work **while you work, Play while you play. That is the way, to be happy and gay"**

★ जो गलतियाँ नही करता, वह कुछ भी प्राप्त नही करता है। असफलताएँ व गलतियाँ सफलता की पहली शर्त है।

★ पढ़ा हुआ 25 प्रतिशत, सुना हुआ 35 प्रतिशत, देखा हुआ 50 प्रतिशत, कहा हुआ 60 प्रतिशत, किया हुआ 75 प्रतिशत, और पढ़ा–सुना–देखा और किया हुआ 90 प्रतिशत याद रहता है।

★ सफलता एक रहस्य है कि आप कितना दर्द , कितनी खुशी से सहन कर सकते हैं।
लोगों के सामने बोलने तथा सवाल पूछने की आदत डालें।

★ निरंतर कार्य में व्यस्त रहेंगे तो प्रकृति आपको उतनी ऊर्जा देती रहेगी।

★ सफलता में सहायक शक्तिशाली विचार होते हैं। भगवान बुद्ध ने कहा है– '' हम सब उसका परिणाम हैं, जो हमने सोचा'' ।

कुछ अच्छी बातें-

Shashi Bala Gupta
Clark

★ माता– पिता की सेवा से बढ़कर कोई पुण्य का कार्य नही है।
★ भिन्न से निकटस्थ, कोई सम्बन्ध नही है।
★ झूठ से बड़ा कोई पाप नही है।
★ सच से बड़ी कोई तपस्या नही है।
★ मधुर वाणी से बड़ी (अच्छी) कोई औषधि नही है।
★ दुवा से बड़ा कोई धर्म नही है।
★ हाथ से बड़ा कोई साथी नहीं है।
★ विद्या से बड़ा कोई धन नही है।
★ गुरू से बड़ा कोई महान व्यक्ति नही है।
★ आदमी जिन चीजों को खर्च करता है, उनमें से समय सबसे कीमती है।

मेरा प्यारा गु0 विद्यक सभा कन्या इण्टर कॉजेज

मेरा प्यारा गु0 विद्यक सभा कन्या इण्टर कॉलेज
पढ़ने वालो पढ़ो कहीं भी इस पर कोई जोर नहीं।
पर गु0 विद्यक सभा कन्या इण्टर कॉलेज, जैसा कॉलेज कोई और नहीं।
नील गगन सा भवन है, इसमें सर्वत्र हरियाली छायी है।
पूरे लखीमपुर शहर में इसने अपनी जगह बनायी है।
जैसी यहाँ रहे सफाई, ऐसी तो कहीं और नहीं।
पढ़ने वालो पढ़ो कहीं भी इस पर कोई जोर नहीं।
पर गु0 विद्यक सभा कन्या इण्टर कॉलेज जैसा कहीं और नहीं।
सबका मत एक जैसा है और सबमें भाईचारा है,
एक–एक कण इस कॉलेज में लगता सबको प्यारा है।
कक्षाओं के चलते रहते, करता कोई शोर नहीं,
सब तरह की शिक्षा मिलती सभी तरह का ज्ञान है।
गुरूजनों की पूजा होती, अनुशासन बहुत महान है।
प्रधानाचार्या जी को देखो अद्भूत योग्य महान हैं।
पढ़ने वालो पढ़ो कहीं भी इस पर कोई जोर नहीं।
पर गु0 विद्यक सभा कन्या इण्टर कॉलेज जैसा कोई और नहीं।
खेलकूद का हो आयोजन सबको रहता ध्यान है।
सहगामी क्रियाओं का भी मिलता यहाँ सम्मान है।
ऐसी शिक्षा मिले यहाँ पर जैसी कहीं और नहीं।
पढ़ने वालो पढ़ो कहीं भी इस पर कोई जोर नहीं।
पर गु0 विद्यक सभा कन्या इण्टर कॉलेज जैसा कोई और नहीं।

" बिटिया "

" नये दौर को अपनाओ,
अपनी सोंच पर पंख लगाओं।
बेटी है खुशियों की चाभी,
नही है जीवन की बर्बादी।
बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ,
उच्च विचार में कदम बढ़ाओ।
हर युग का कल है बेटी,
हर मुश्किल का हल है बेटी।
आप हमें 'बिटिया' दो
हम सुसंस्कृत युग का कल देगें।

कोरोना वायरस के संक्रमण से बचने और इसे फेलने से रोकने के लिए आप क्या कर सकते हैं?

बार–बार अपने हाथ साबुन और पानी से धोते रहें या सैनिटाइजर का इस्तेमान करें

खांसते और छींकते वक्त टीशू का इस्तेमाल करें

इस्तेमाल किए टीशू फेंक दें और अपने हांथ धोएं

अगर आपके पास टीशू नहीं है तो अपने बाजू का इस्तेमान करें

हाथ बिना धोए अपनी आँख, नाक या मुँह को न छुएं

बीमार व्यक्ति के नजदीक जाने से बचें

अनुशासन

Sudheer Kumar Shrivastava
Asst. Teacher

उन्नति के लिए व्यक्ति के
जीवन में अनुशासन जरूरी

सदा समय से सूरज उगता, है सदा समय से ढलता।
अनुशासन के द्वारा ही सारा काम प्रकृति का चलता।
देखो ऋितुयें सभी समय पर, हैं क्रम से आती जाती।
वर्षा, गर्मी, सर्दी सब अपना प्रभाव दिखलाती।

नियत समय पर सो कर उठते, नियत समय पर पीते खाते।
नियत समय पर पढ़ते हैं जो, नियत समय पर पीते खाते।

जो नियमित हैं रोज खेलते, योग क्रिया करते हैं।
उनके समीप तो राग व्याधि भी आने से डरते हैं।
अनुशासन का पालन कर हम आगे बढ़ सकते हैं।
जीवन मे उन्नती की सभी सीढ़ियाँ चढ़ सकते हैं।

हम किसी के दबाव से अनुशासन नहीं सीख सकते!
महात्मा गाँधी

GUIDE UNIFORM

CANCER - CONTROL - MISSION

Regd. Act. 1860/21
MH-REGD NO. 2872/09/GBBSD

REGD UNDER BOMBAY PUBLIC TRUST ACT, 1950. REGD NO. F-40856

RECOGNIZED BY GOVT. OF MAHARASHTRA

OFFICE: B-63, Shanti Shopping Centre, Mira Road (E),
Thane, Mumbai. Contact No.: 022 -31901100 / 022-65123309

CERTIFICATE OF APPRECIATION

CANCER CONTROL MISSION wishes to receive gratitude and sincere appreciation from the staff and students of your prestigious institution ofr their affable social concern and participation in the Nationwide CANCER CONTROL PROGRAMME.

School Name: GURU NANAK VIDYAK SABHA GIRLS INTER COLLEGE LAKHIM PUR - KHERI (U.P)

The laudable and noble efforts mode collectively by your Institution in the Cancer Awareness Campaign for a period of fifteen Days from 10.11.2014 is commendable, during which a sum of Rs. 5081.00 was also raised as a donation besides generating awareness against the dreaded disease of Cancer amongst thousands of people.

RKMISHRA
(C.E.O.)

NATIONWIDE CANCER CONTROL PROGRAMME

जनपदीय क्रीड़ा प्रतियोगिता

कबड्डी प्रतियोगिता की विजेता छात्राएं पुरस्कृत

लखीमपुर-खीरी | हिन्दुस्तान संवाद

जिला स्तरीय 71वीं एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं जिले में गुरुवार को सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ शुरू हो गई। यहां पहले दिन जिले के विभिन्न अंचलों से आए प्रतिभागियों से सांस्कृतिक कार्यक्रमों से माहौल को खूबसूरत बनाया। यहां डीएम शैलेंद्र सिंह ने शांति के प्रतीक कबूतर उड़ाकर तथा तिरंगे गुब्बारे उड़ाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। डीएम ने बच्चों को खेलों के बारे में बताया उन्होंने कहा स्वस्थ्य शरीर में ही स्वस्थ मन बसता है। इसलिए जीवन में खेलों का बड़ा महत्व है।

यहां कार्यक्रम की शुरुआत डीएम ने दीप प्रज्जवलन करके की। इसके बाद उन्होंने शांति के प्रतीक कबूतर उड़ाए। इसके बाद विछले वर्ष के विजेता

गुरुनानक विद्यक सभा इंटर कालेज में कबड्डी प्रतियोगिता के विजेता पुरस्कृत।

लखीमपुर-खीरी। जनपदीय बालिका सीनियर व जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन गुरु नानक विद्यक सभा इंटर कॉलेज में किया गया। प्रधानाचार्य डॉ. मीनाक्षी तिवारी ने बताया कि सात सीनियर व छह जूनियर कबड्डी की टीमों ने भाग लिया। इसमें सीनियर वर्ग में सनातन धर्म बालिका इंटर कॉलेज विजेता रही। सब जूनियर वर्ग में शोभारानी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जनता इंटर कॉलेज लगुचा की टीम विजेता रही। गुरुनानक विद्यक सभा इंटर कॉलेज की टीम पुरस्कृत की गई। निर्णायक मण्डल में सरदार भगत सिंह, रामकिशोर सैनी, सविता तिवारी, दिनेश मिश्रा आदि मौजूद रहे।

जिला स्तरीय 71वीं एथलेटिक्स प्रतियोगिता में पंद्रह सौ मीटर दौड़ में छात्राओं ने दिखाय

खिलाड़ियों ने मशाल दौड़ की। रैली की शुरुआत में सभी स्कूलों के विद्यार्थियों ने अपने ध्वज लेकर मार्च निकाला और डीएम को सलामी दी। इसके बाद बच्चों ने नृत्य और गायन के मनमोहक कार्यक्रम करके अपनी सांस्कृतिक प्रतिभा दिखाई। यहां संगीत शिक्षक माधव प्रसाद चतुर्वेदी ने संगीत पर बच्चों का साथ दिया। इसके बाद शुरू हुआ प्रतियोगिताओं का सिलसिला इसमें 1500 मीटर सीनियर बालकों की प्रतियोगिता में उमेश कुमार प्रथम, रामकिशोर द्वितीय और श्रीराम को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

बेटी और बेटे में भेदभाव करना गलतः आर्यमित्रा

अमर उजाला ब्यूरो

बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ थीम पर कराई प्रतियोगिता

लखीमपुर खीरी। महिला कल्याण विभाग की महत्वाकांक्षी योजना बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ की थीम पर पोस्टर, स्लोगन, कविता लेखन एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता कराई गई। प्रतियोगिता में कक्षा छह से 12 तक की छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

गुरुनानक विद्यक सभा कन्या इंटर कॉलेज में पोस्टर, स्लोगन, कविता, निबंध के माध्यम से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ विषय पर छात्राओं ने अपनी भावनाएं व्यक्त की। महिला कल्याण अधिकारी आर्यमित्रा श्रिष्ट ने कहा कि बेटा और बेटी में भेदभाव करना बेहद गलत है। उन्होंने इसे रोकने के सुझाव भी लोगों को बताए। उन्होंने सामाजिक जीवन में बेटियों के महत्व पर प्रकाश डाला और बच्चों को इस मुहिम से जुड़ने का आह्वान किया। महिला शक्ति केन्द्र की जिला समन्वयक निक्की गुप्ता ने कहा कि बेटियां हर क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर अपने देश का नाम रोशन कर रही हैं। जिला समन्वयक सरोजनी ने भी विचार व्यक्त किए। प्रधानाचार्या मीनाक्षी तिवारी ने कहा कि विद्यालयों में ऐसे आयोजन से बच्चों में शिक्षा एवं समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारियों का एहसास होता है।

जनपदीय क्रीड़ा प्रतियोगिता

कबड्डी प्रतियोगिता की विजेता छात्राएं पुरस्कृत

लखीमपुर-खीरी | हिन्दुस्तान संवाद

जिला स्तरीय 71वीं एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं जिले में गुरुवार को सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ शुरू हो गई। यहां पहले दिन जिले के विभिन्न अंचलों से आए प्रतिभागियों से सांस्कृतिक कार्यक्रमों से माहौल को खूबसूरत बनाया। यहां डीएम शैलेंद्र सिंह ने शांति के प्रतीक कबूतर उड़ाकर तथा तिरंगे गुब्बारे उड़ाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। डीएम ने बच्चों को खेलों के बारे में बताया उन्होंने कहा स्वस्थ्य शरीर में ही स्वस्थ मन बसता है। इसलिए जीवन में खेलों का बड़ा महत्व है।

यहां कार्यक्रम की शुरुआत डीएम ने दीप प्रज्जवलन करके की। इसके बाद उन्होंने शांति के प्रतीक कबूतर उड़ाए। इसके बाद विछले वर्ष के विजेता

गुरुनानक विद्यक सभा इंटर कालेज में कबड्डी प्रतियोगिता के विजेता पुरस्कृत।

लखीमपुर-खीरी। जनपदीय बालिका सीनियर व जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन गुरु नानक विद्यक सभा इंटर कॉलेज में किया गया। प्रधानाचार्य डॉ. मीनाक्षी तिवारी ने बताया कि सात सीनियर व छह जूनियर कबड्डी की टीमों ने भाग लिया। इसमें सीनियर वर्ग में सनातन धर्म बालिका इंटर कॉलेज विजेता रही। सब जूनियर वर्ग में शोभारानी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जनता इंटर कॉलेज लगुचा की टीम विजेता रही। गुरुनानक विद्यक सभा इंटर कॉलेज की टीम पुरस्कृत की गई। निर्णायक मण्डल में सरदार भगत सिंह, रामकिशोर सैनी, सविता तिवारी, दिनेश मिश्रा आदि मौजूद रहे।

जिला स्तरीय 71वीं एथलेटिक्स प्रतियोगिता में पंद्रह सौ मीटर दौड़ में छात्राओं ने दिखाय

खिलाड़ियों ने मशाल दौड़ की। रैली की शुरुआत में सभी स्कूलों के विद्यार्थियों ने अपने ध्वज लेकर मार्च निकाला और डीएम को सलामी दी। इसके बाद बच्चों ने नृत्य और गायन के मनमोहक कार्यक्रम करके अपनी सांस्कृतिक प्रतिभा दिखाई। यहां संगीत शिक्षक माधव प्रसाद चतुर्वेदी ने संगीत पर बच्चों का साथ दिया। इसके बाद शुरू हुआ प्रतियोगिताओं का सिलसिला इसमें 1500 मीटर सीनियर बालकों की प्रतियोगिता में उमेश कुमार प्रथम, रामकिशोर द्वितीय और श्रीराम को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

गुरुद्वारा पहुंचे डीएम शैलेन्द्र सिंह को सिख समाज के लोगों ने सरोपा भेंट किया

गुरुद्वारा पहुंचे डीएम ने टेका मत्था

लखीमपुर-खीरी। गुरु नानक देव के 550 वें प्रकाश पर्व पर डीएम शैलेन्द्र कुमार सिंह हाथीपुर स्थिति गुरुद्वारा श्रीगुरू सिंह सभा पहुंचे। डीएम ने यहां मत्था टेका। सिख समाज के लोगों ने डीएम का सरोपा भेंट किया। डीएम शैलेन्द्र कुमार सिंह ने गुरु नानक देव के व्यक्तित्व व कृतित्व पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होनें कहा कि गुरुनानक देव के त्याग बलिदान और देश के लिए समर्पण से प्रेरणा लें और उनके बताए रास्ते पर चले। उन्होनें कहा कि सिख समाज वीरता और मेहनत का पर्याय है। देश को समृद्ध बनाने में बड़ा योगदान दिया है। इस मौके पर सरदार कुलवंत सिंह खैरा, इन्द्रपाल सिंह राना, [illegible] सिंह अजमानी, डा. अमरजीत सिंह सलूजा, गुरुमीत सिंह जुनेजा, [illegible] सिंह अजमानी समेत गणमान्य लोग मौजूद रहे।

वित्तविहीन शिक्षकों की बैठक में मानदेय पर चर्चा

लखीमपुर-खीरी | हिसं.

वित्तविहीन शिक्षक महासभा की बैठक सोमवार को गुरुनानक विद्यक सभा इंटर कालेज में हुई। बैठक में शिक्षकों के खाते में जल्द मानदेय भेजने सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई।

जिलाध्यक्ष कुलवंत सिंह चीमा ने बताया कि शिक्षकों के खाते में जल्द मानदेय भेजा जा सके इस पर चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि 13 विद्यालयों को मानदेय की पहली सूची में शामिल कर लिया गया है। इसकी धनराशि दो दिन में ही उनके खातों में पहुंचा दी जाएगी और जल्द ही मानदेय की दूसरी सूची भी जारी होने वाली है। जिला महामंत्री रविन्द्र श्रीवास्तव ने बताया कि जिन स्कूलों में शिक्षकों के खाते एक ही बैंक में हैं उन्हीं विद्यालयों को सूची में शामिल किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि जिन स्कूलों में शिक्षकों के खाते यदि कई बैंकों में है वो जल्द ही अपने फाइल में खाते जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय आकर सही करवा दें जिससे जल्द ही उन्हें मानदेय की सूची में शामिल किया जा सके। बैठक में हौसला प्रसाद, अनुपम मिश्र, श्रवण कुमार बाजपेई, रामकृष्ण मिश्र, संजय गुप्ता, घनश्याम वर्मा, रमेश चन्द वर्मा आदि मौजूद रहे।

सोमवार को गुरुनानक विद्यक सभा में हुई वित्तविहीन शिक्षक संघ की बैठक को जिलाध्यक्ष ने संबोधित किया • हिन्दुस्तान

सिटी लाइव | आज का दिन 1776 में न्यू हैम्पशायर अमेरिकी संविधान को अंगीकार करने वाला पहला देश बना था।

व्याख्या और व्याकरण में सबसे अधिक स्कोर

मिशन बोर्ड एग्जाम

इलाहाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

यूपी बोर्ड इंटरमीडिएट सामान्य हिन्दी के प्रथम व द्वितीय प्रश्नपत्र की परीक्षा क्रमशः 6 और 8 फरवरी को होगी। बोर्ड के विशेषज्ञों ने सामान्य हिन्दी का जो पेपर तैयार किया है उसमें प्रथम प्रश्नपत्र में 14 अंक के अति लघुउत्तरीय प्रश्न होंगे। 16 नंबर के लघु उत्तरीय और 20 नंबर के विस्तृत उत्तरीय प्रश्न रहेंगे। द्वितीय प्रश्नपत्र में 13 नंबर के प्रश्न अति लघु उत्तरीय और 28 नंबर के लघु उत्तरीय सवाल पूछे जाएंगे। नौ नंबर का विस्तृत उत्तरीय प्रश्न होगा। खास बात यह कि दोनों पेपर में 15-15 नंबर के प्रश्न सरल प्रकृति के रहेंगे। 25-25 नंबर के प्रश्न सामान्य स्तर के होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र में 10-10 नंबर के कठिन प्रश्न होंगे, जिसे वही छात्र हल कर सकेगा जिसने मेहनत से पढ़ाई की है।

बहुविकल्पीय, लघु उत्तरीय और व्याकरण से संबंधित प्रश्नों को पहले हल करें। जिन प्रश्नों का उत्तर सही ढंग से आ रहा है उसे पहले हल करें। परीक्षा समाप्त होने से 15 मिनट पहले सभी प्रश्नों का उत्तर लिखकर एक बार अपनी उत्तरपुस्तिका की पूरी तरह से जांच कर लें। इससे प्रश्न के छूटने की आशंका नहीं रहेगी और उत्तर की जांच भी हो जाएगी।

संजू वर्मा, हिन्दी टीचर गुरुनानक विद्यक सभा इंटर कालेज

यूपी बोर्ड इंटर सामान्य हिन्दी

प्रथम प्रश्नपत्र

- गद्य एवं पद्य साहित्य के इतिहास के लेखकों, कवियों की रचनाओं को याद रखें। गणित जैसे नंबर मिलेंगे।
- गद्य एवं पद्य की सूक्तियों को संदर्भ सहित लिखें।
- लेखकों एवं कवियों के जीवन परिचय के साथ रचनाओं एवं साहित्यिक योगदान का उल्लेख अवश्य करें।
- कहानियों, नाटक, खंडकाव्य के प्रश्नों का उत्तर देते समय पात्रों के संवादों का पुष्टि के लिए उल्लेख अवश्य करें।

द्वितीय प्रश्नपत्र

- व्याकरण भाग को अच्छी तरह से तैयार करें। इसमें गणित की तरह नंबर मिलते हैं।
- पत्रों एवं निबंधों का परीक्षा से पहले लिखकर अभ्यास अवश्य करें।
- सुलेख और वर्तनी व्याकरण की शुद्धता पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।
- संधि-विच्छेद करते समय सूत्र को ध्यान में रखें। निबंध लेखन में प्रस्तावना और उपसंहार पर विशेष ध्यान दें।

एसडीएम ने सीएच[illegible] का मुआयना किया

जंगबहादुरगंज-खीरी। सामुदा[illegible] स्वास्थ्य केंद्र पसगवां का मोहम्[illegible] एसडीएम स्वाति शुक्ल ने औच[illegible] निरीक्षण किया। उनको अस्पताल[illegible] गंदगी का आलम मिला। इस पर एसडी[illegible] ने फटकार लगाते हुए साफ-सफाई[illegible] आदेश दिए।

सीएचसी पसगवां पर एसडी[illegible] स्वाति शुक्ला ने छापा मारा। एसडीएम[illegible] देखकर प्राइवेट लगे कर्मचारी मौका दे[illegible] रफूचक्कर हो गये। उन्होंने सबसे प[illegible] अस्पताल में उपस्थित पंजिका [illegible] अवलोकन किया तथा जानकारी हासि[illegible] की। उसके बाद एसडीएम ने लेबर [illegible] में जाकर निरीक्षण किया।

जरूरतमंदों के लिए मिलकर शुरू किया रोटी बैंक

इनसे सीखें

लखीमपुर-खीरी | हिन्दुस्तान संवाद

गायत्री परिवार द्वारा पिछले पांच महीने से लगातार चलाई जा रही माता भगवती देवी भोजन प्रसाद सेवा में सोमवार को एक और नया अध्याय जुड़ गया। युवा प्रकोष्ठ के संयोजन में शहर के गुरु नानक विद्यक सभा कन्या इंटर कॉलेज में रोटी बैंक की शुरुआत की गई। स्कूल की छात्राओं, शिक्षिकाओं को बताया गया कि रोटी बैंक की शुरुआत जरूरतमंदों के लिए की गई है।

सोमवार को स्कूल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान छात्राएं व शिक्षिकाएं अपने साथ लंच में एक रोटी अतिरिक्त लेकर आई और रोटी बैंक में जरूरतमंदों के लिए जमा किया। गायत्री परिवार युवा प्रकोष्ठ के माता भगवती देवी भोजन प्रसाद सेवा के कार्यकर्ता स्कूल से इकट्ठा की गई रोटियों को जरूरतमंदों के बीच ले जाकर वितिरत किया। गायत्री परिवार युवा प्रकोष्ठ के अनुराग मौर्य ने बताया कि विश्व महिला दिवस 8 मार्च 2019 से माता भगवती देवी भोजन प्रसाद सेवा शुरू की गई थी। जिला अस्पताल में एक टिफिन के साथ शुरू की गई भोजन प्रसाद सेवा में अब अस्पताल के अलावा कुष्ठ आश्रम और फुटपाथ पर जीवन यापन कर रहे हैं। लोगों के बीच भोजन प्रसाद उपलब्ध कराया जा रहा है।

अनुराग मौर्य ने बताया कि रोटी बैंक के शुरुआत पर पहले दिन ही लगभग सभी छात्राएं अपने साथ अतिरिक्त रोटी लेकर विद्यालय पहुंची। इस दौरान गायत्री परिजन उदय सिंह, रोहित बरनवाल, अनुराग मौर्य विद्यालय परिवार के जीतेंद्र कौर, बबिता सचदेवा, हर्षिता शुक्ला, शुभ्रा मिश्रा, गुरमीत कौर, श्याम बाबू, वीरेंद्र कुमार आदि उपस्थित रहे।

गुरुनानक विद्यक सभाग में सोमवार को रोटी बैंक की शुरुआत की गई, छात्राओं व शिक्षिकाओं ने रोटी जमा की। • हिन्दुस्तान

जनपदीय क्रीड़ा प्रतियोगिता

कबड्डी प्रतियोगिता की विजेता छात्राएं पुरस्कृत

लखीमपुर-खीरी | हिन्दुस्तान संवाद

जिला स्तरीय 71वीं एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं जिले में गुरुवार को सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ शुरू हो गई। यहां पहले दिन जिले के विभिन्न अंचलों से आए प्रतिभागियों से सांस्कृतिक कार्यक्रमों से माहौल को खूबसूरत बनाया। यहां डीएम शैलेंद्र सिंह ने शांति के प्रतीक कबूतर उड़ाकर तथा तिरंगे गुब्बारे उड़ाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। डीएम ने बच्चों को खेलों के बारे में बताया उन्होंने कहा स्वस्थ्य शरीर में ही स्वस्थ मन बसता है। इसलिए जीवन में खेलों का बड़ा महत्व है।

यहां कार्यक्रम की शुरुआत डीएम ने दीप प्रज्जवलन करके की। इसके बाद उन्होंने शांति के प्रतीक कबूतर उड़ाए। इसके बाद विछले वर्ष के विजेता

गुरुनानक विद्यक सभा इंटर कालेज में कबड्डी प्रतियोगिता के विजेता पुरस्कृत।

लखीमपुर-खीरी। जनपदीय बालिका सीनियर व जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन गुरु नानक विद्यक सभा इंटर कॉलेज में किया गया। प्रधानाचार्य डॉ. मीनाक्षी तिवारी ने बताया कि सात सीनियर व छह जूनियर कबड्डी की टीमों ने भाग लिया। इसमें सीनियर वर्ग में सनातन धर्म बालिका इंटर कॉलेज विजेता रही। सब जूनियर वर्ग में शोभारानी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जनता इंटर कॉलेज लगुचा की टीम विजेता रही। गुरुनानक विद्यक सभा इंटर कॉलेज की टीम पुरस्कृत की गई। निर्णायक मण्डल में सरदार भगत सिंह, रामकिशोर सैनी, सविता तिवारी, दिनेश मिश्रा आदि मौजूद रहे।

जिला स्तरीय 71वीं एथलेटिक्स प्रतियोगिता में पंद्रह सौ मीटर दौड़ में छात्राओं ने दिखाय

खिलाड़ियों ने मशाल दौड़ की। रैली की शुरुआत में सभी स्कूलों के विद्यार्थियों ने अपने ध्वज लेकर मार्च निकाला और डीएम को सलामी दी। इसके बाद बच्चों ने नृत्य और गायन के मनमोहक कार्यक्रम करके अपनी सांस्कृतिक प्रतिभा दिखाई। यहां संगीत शिक्षक माधव प्रसाद चतुर्वेदी ने संगीत पर बच्चों का साथ दिया। इसके बाद शुरू हुआ प्रतियोगिताओं का सिलसिला इसमें 1500 मीटर सीनियर बालकों की प्रतियोगिता में उमेश कुमार प्रथम, रामकिशोर द्वितीय और श्रीराम को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

जयंती पर याद किए गए शहीद-ए-आजम

अपराजिता हैं बेटियां, जिन्हें कोई हरा नहीं सकता

अपराजिता-100 मिलियन स्माइल्स के तहत हुआ कार्यक्रम, बच्चों ने नाटक प्रस्तुत कर किया अवेयर

महिला सशक्तीकरण संगोष्ठी में बोलते एसडीएम सदर डॉ. अरुण कुमार सिंह और आत्मरक्षा के गुर बताते कराटे प्रशिक्षक जितेंद्र बरनवाल। अमर उजाला

अमर उजाला ब्यूरो

हेयर पिन भी बन सकता है आपका हथियार

अमर उजाला की मुहिम से बढ़ेगा बेटियों का मनोबल

प्रयास सराहनीय बेटियों में आएगी जागरूकता

दहेज प्रथा पर नाट्य प्रस्तुति की हुई सराहना

कोरे वादे नहीं, अब अमल पर होनी चाहिए बात

गुरुवंदन छात्र सम्मान कार्यक्रम में पुरस्कृत प्रतिभागी।

जब नोबेल पाकर खुद की खींची थी सेल्फी

लखीमपुर-खीरी। पवन तिवारी

नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी ने शनिवार को खीरी जिले के गुरुनानक इंटर कालेज मैदान से बच्चों को लेकर अपने संकल्प का ऐलान किया। सत्यार्थी ने जहां अपने अनुभवों को साझा किया वहीं बच्चों को संदेश भी दिए। बच्चों से कहा कि वह संकल्प लेकर आगे बढ़ें, सफलता निश्चित मिलेगी। बच्चों के सवालों का जवाब दिया और अपने अनुभवों को साझा किया।

जीवन जीवन संघर्ष को बताते हुए सत्यार्थी ने कहा कि जब वह पांच-छह के साथे तब नोबेल का नाम सुना था। पूछने पर बताया कि बहुत मेहनत से मिलता है। बड़े हुए तो और इसके बारे में जानकारी ली। मैने संकल्प लिया कि नोबल विजेता के साथ एक फोटो खिंचवाएंगे। जब जर्मनी में एक कार्यक्रम में गए। वहां दलाईलामा के साथ बैठे। दलाई लामा ने उनका हाथ पकड़ा। वहां कोई फोटोग्राफर नहीं था जो फोटो खिंचवा सकें। यह कसक रह गई। तीन साल पहले जब उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार मिला तो उन्होंने बाथरूम में जाकर अपनी ही सेल्फी खींची और बोले अब नोबल पुरस्कार विजेता के साथ फोटो हो गई।

उन्होंने बताया कि नोबेल पुरस्कार की दौड़ में तमाम बड़े-बड़े नाम थे। मेरा भी नाम था पर जब मुझे चुना गया तो

खीरी जिले में आए नोबेल विजेता कैलाश सत्यार्थी को बच्चों ने अपने सवाल लिखकर दिए।

समारोह

- सत्यार्थी ने दिया बच्चों के सवालों का जवाब
- कहा-नोबेल की दौड़ में तमाम लोगों का नाम था आगे

दोस्त ने फोन किया लेकिन खुशी में पूरी बात नहीं बता पाए। बाद में मैने गूगल पर सर्च किया। तब तक भीड़ लग चुकी थी।

स्कूल के बाहर काम करते बच्चे को देखकर शुरू किया आन्दोलन : कैलाश सत्यार्थी ने कहा कि वह जब साढ़े पांच साल के थे। स्कूल गए। यूनिफार्म जूता मोजा पहनकर स्कूल गेट पर एक बच्चा अपने पिता के साथ जूता पालिश करते

कि टीचर ने कहा आम बात है। घर जाकर कहा तो वहां भी यही जवाब मिला। तीन-चार दिन बाद उस बच्चे के पिता से कहा कि तो उसके पिता ने कहा कि स्कूल जाने के लिए आप लोग हैं। मेरे बच्चे काम करने के लिए हैं।

मैने कहा कि भगवान ने सभी को बराबर बनाया है। फिर ऐसा क्यों। तभी से बच्चों को उनका बचपन लौटाने के लिए काम शुरू किया। पिता की मौत के बाद मेरी इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए मां को गहने बेचने पड़े। डेढ़ साल नौकरी की और बाद में छोड़ दी। बच्चों को उनका हक दिलाने के लिए निकल पड़े। पूरा देश उनके साथ आ गया। उन्होंने सभी से संकल्प दिलाया कि बालश्रम, बाल यौन शोषण से देश को मुक्त करेंगे।

वृक्षगंगा अभियान के लिए विद्यालय का सामूहिक संकल्प

अभियान के दौरान संकल्प लेती छात्राएं। फोटो : एसएनबी

गरीब बच्चों को मिलेगी फ्री शिक्षा

बुधवार को काशीनगर के गोमती इंटरनेशनल स्कूल में स्ववित्तपोषित विद्यालय प्रबंधक संघ की बैठक हुई। • हिन्दुस्तान

लखीमपुर-खीरी | हिसं.

स्ववित्तपोषित विद्यालय प्रबंधक संघ की जिला इकाई की बैठक बुधवार को गोमती इंटरनेशनल स्कूल में हुई। बैठक में विद्यालय संचालन में आ रही दिक्कतों और इनके निराकरण सहित प्रत्येक प्रबंध समिति की ओर से एक गरीब बच्चे की पढ़ाई का खर्चा उठाने का भी निर्णय

लिए अनिवार्य शर्त के रूप में रखा गया।

संघ के जिलाध्यक्ष रघुबीर सिंह यादव ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि विद्यालय के संचालन में आने वाली दिक्कतों और उनके निराकरण को लेकर विचार विमर्श किया गया। उन्होंने संघ के सदस्य विद्यालयों के प्रबंधकों से अपने कालेजों में समय समय पर प्रतियोगिताएं कराके छात्रों को जीके

लिए भी कहा। इस मौके पर इलाहाबाद बोर्ड की ओर से बढ़ाए गए परीक्षा शुल्क को पर भी प्रबंधकों ने नाराजगी व्यक्त की। इसी के साथ प्रबंध समिति संघ के सभी पदाधिकारियों ने संघ की सदस्यता कीशर्तों में एक गरीब बच्चे का पूरा खर्च प्रबंधक की ओर से उठाए जाने का निर्णय लिया गया है। बैठक में ऋतुराज बाजपेई, कमलेश वर्मा, नीरज सिंह, राजेश मिश्रा आदि मौजूद रहे।

ताइक्वांडो चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

लखनऊ स्कूल में आयोजित ताइक्वांडो चैंपियनशिप में गुरु नानक विद्यक सभा कन्या इंटर कॉलेज की छात्राओं ने स्वर्ण पदक हासिल किए।

लखीमपुर-खीरी | हिन्दुस्तान संवाद

लखनऊ पब्लिक स्कूल में आयोजित 12 वीं जिला ताइक्वांडो चैंपियनशिप में गुरु नानक विद्यक सभा कन्या इंटर कॉलेज की छात्राओं ने स्वर्ण पदक हासिल किए। कालेज के प्रधानाचार्य व प्रबंधक ने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कोच की भी सराहना की।

प्रधानाचार्य डा. मीनाक्षी तिवारी ने बताया कि छात्रा खुशबू वर्मा व आंचल ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने किलोभार वर्ग में पहला स्थान हासिल कर स्वर्णपदक जीता। उन्होंने बताया कि इन दोनों छात्राओं ने बेहतरी प्रदर्शन किया है। अब यह दोनों खिलाड़ी स्टेट स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी। स्कूल प्रबंधक सेवक सिंह अजमानी ने शारीरिक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष वह कोच की सराहना की।

शिक्षिकाएं और छात्राएं सम्मानित

भारत विकास परिषद ने किया गुरु वंदन-छात्र अभिनंदन कार्यक्रम

अमर उजाला ब्यूरो

भारत विकास परिषद के गुरुवंदन छात्र अभिनंदन में सम्मानित करती अध्यक्ष सुनीता शुक्ला।

लखीमपुर खीरी। भारत विकास परिषद विवेकानंद शाखा ने गुरु वंदन छात्र अभिनंदन समारोह का आयोजन गुरुनानक विद्यक सभा कन्या इंटर कॉलेज में किया गया।

कार्यक्रम राज किशोर पांडेय प्रहरी के निर्देशन और पुनीत मेहरोत्रा के संयोजन में हुए इस कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. मीनाक्षी तिवारी, कृष्णा शर्मा, हरमिंदर कौर, करमजीत कौर, हरविंदर कौर, अमरजीत कौर, कमलेश भारद्वाज, गुरमीत कौर, बबिता सचदेवा, विमला कश्यप, रीना सहगल, जितेंद्र कौर, संजू वर्मा, दलवीर कौर, अपूर्वा अग्निहोत्री, मधु पांडेय, प्रियांशी श्रीवास्तव, अन्नू वर्मा, करनजीत कौर, दीप्ति तिवारी और प्रियंका पांडेय आदि शिक्षिकाओं और अपनी कक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं अक्षिता कैथवार, स्वप्निल गुप्ता, सविता रस्तोगी, रिया चक्रवर्ती और शाइस्ता परवीन को प्रतीक चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में कृष्ण मोहन मेहरोत्रा, सुनीता शुक्ला, प्रसन टंडन, नीलम गुप्ता, प्रतिभा रस्तोगी, आंचल रस्तोगी, दिलीप गुप्ता आदि मौजूद रहे।

ई-लर्निंग के जरिए शिक्षित होंगी इंटर की छात्राएं

- विज्ञान प्रदर्शनी में उत्कृष्ट मॉडल हुए पुरस्कृत

शहर के गुरुनानक कन्या विद्यालय में छात्राओं द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी में डीआइओएस ओपी गुप्ता को अपने द्वारा बनाए मॉडल की जानकारी देती छात्रा स्वप्निल गुप्ता

संवादसूत्र, लखीमपुर : श्रीगुरुनानक विद्यक सभा कन्या इंटर कॉलेज में यूपी बोर्ड की छात्राओं की ई-लर्निंग कक्षा तथा विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन बुधवार को किया गया। ई-लर्निंग कक्षा की शुरुआत दीप प्रज्जवलन एवं सरस्वती वंदन से हुआ। प्रोजेक्टर से डिजिटल स्वागत एवं विद्यालय की उपलब्धियों को आडिओ विजुअल 'डाक्युमेंट्री' द्वारा प्रस्तुत किया गया।

खीरी जिले में यह पहला इंटर कॉलेज है जिसमें ई-लर्निंग के जरिए शिक्षा दी जा रहा है। इस मौके पर डीआइओएस डॉ. ओपी गुप्ता मौजूद रहे। प्रबंधक सेवक सिंह अहमानी ने कहा कि खीरी जिले के छात्राओं के लिए डिजिटल शिक्षा एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे लाभांवित होकर छात्राएं विद्यालय में ऑन लाइन शिक्षा व प्रयोगात्मक कार्य सीखें। इस मौके पर विज्ञान विषय विशेषज्ञ डॉ. राधा मिश्रा, नमिता बरनवाल, मो. अलीम खान, विपिन बाजपेई, ईशविंदर सिंह, डॉ. मिनाक्षी तिवारी, रीना सहगल मौजूद थी। विज्ञान प्रदर्शनी में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय आए मॉडलों को पुरस्कृत किया गया।

गुरुनानक विद्यक सभा में चला नशामुक्त यूपी का अभियान

छात्र श्रृंखला बनाकर निकाली जागरूकता फेरी

प्रतिदिन संवाददाता

लखीमपुर-खीरी। गायत्री परिवार प्रान्तीय युवा प्रकोष्ठ-उ.प्र. के संयोजन में चल रहे नशा मुक्त उ.प्र. हस्ताक्षर अभियान को नगर से महिला वर्ग का व्यापक समर्थन लग रहा है। आज नगर के गुरु नानक विद्यक सभा कन्या इंटर कॉलेज में गायत्री परिवार, युवा प्रकोष्ठ द्वारा विद्यालय में नशाम. ुक्ति महिला जागरूकता कार्यक्रम किया गया । कार्यक्रम में युवा प्रकोष्ठ के अनुराग मौर्य ने छात्राओं को संबोधित कर नशा मुक्त समाज की स्थापना में नारी शक्ति का दायित्व बोध कराया। इसके बाद प्रधानाचार्या डॉ. मीनाक्षी तिवारी की अगुआई में छात्राओं द्वारा नशा मुक्त उत्तर प्रदेश जन जागरूकता फेरी निकाली गई जो विद्यालय से सीतापुर रोड होते हुए पंजाबी कॉलोनी पहुँची। यहाँ पर छात्राओं ने पंजाबी कालोनी प्रवेश द्वार से गुरुद्वारा सिंह सभा तक सड़क के दोनों ओर छात्र श्रृंखला बनाकर नशा मुक्त उत्तर प्रदेश की माँग को मुखर किया । छात्राओं ने बंद करो भाई बंद करो, नशा प्रदेश से बंद करो। आदि नारे लगाए। प्रधानाचार्या ने कहा अगर कोई संस्था पूरे प्रदेश को नशा मुक्त कराने की माँग उठा रही है तो विद्यालय परिवार की ओर से इस अभियान में पूरा समर्थन दिया जाएगा । गायत्री परिवार के इस हस्ताक्षर अभियान में विद्यालय परिवार की ओर से कम से कम 8000 हस्ताक्षर करवाए जाएँगे । इस लक्ष्य प्राप्ति हेतु प्रधानाचार्या ने परमजीत कौर को विद्यालय का हस्ताक्षर अभियान प्रभारी बनाया । छात्र श्रृंखला कार्यक्रम में गायत्री परिवार युवा प्रकोष्ठ के कुलदीप वर्मा, सुगंधा शुक्ला, प्रतिमा वर्मा, श्रीदेवी रस्तोगी, राजकुमारी, शिक्षिका हरमिंदर कौर, संजू वर्मा, प्रियांशु श्रीवास्तव, दीप्ति तिवारी, अनु वर्मा, राहुल मिश्रा ने सहयोग किया। मीडिया प्रभारी अनुराग मौर्य ने बताया गुरु नानक इंटर कॉलेज में भी छात्रों को हस्ताक्षर अभियान के लिए जागरुता कार्यक्रम किया गया विद्यालय प्रधानाचार्य यशविन्दर सिंह द्वारा शिक्षक निर्मल सिंह को हस्ताक्षर अभियान प्रभारी बनाया गया है विद्यालय की ओर से कम से कम तीन हजार हस्ताक्षर करवाने का लक्ष्य निर्धारित किया । कार्यक्रम में शिक्षक इंद्र पाल विश्वकर्मा, शैलेंद्र शुक्ला, प्रकट सिंह, सेवा सिंह, अजय शर्मा आदि मौजूद रहे।

अपने साथ हर घटना का विरोध करें बच्चे : सत्यार्थी

लखीमपुर-खीरी | हिन्दुस्तान संवाद

शनिवार को खीरी जिले के गुरुनानक इंटर कालेज मैदान पर नोबेल विजेता कैलाश सत्यार्थी ने संबोधित किया। • हिन्दुस्तान

कैलाश सत्यार्थी के विचारों को सुनने के लिए कई स्कूलों के तमाम बच्चे मौजूद रहे।

नोबेल शांति पुरस्कार कैलाश सत्यार्थी की कन्या कुमारी से 11 सितम्बर को शुरू हुई सुरक्षित बचपन सुरक्षित भारत यात्रा शनिवार को खीरी जिले में पहुंची। गुरुनानक इंटर कालेज मैदान में पूरा जिला, सभी राजनैतिक दलों के लोग एक मंच पर आए। कैलाश सत्यार्थी की यात्रा का स्वागत किया। यात्रा का समापन 16 अक्तूबर को दिल्ली में होगा।

खीरी जिले में दो दिवसीय यात्रा पर आए कैलाश सत्यार्थी का पूरा फोकस बच्चों के अधिकार और बाल अपराधों पर अंकुश पर रहा। उन्होंने नोबेल प्राप्त करने के संघर्ष को बताया साथ ही बच्चों को संकल्प के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कैलाश सत्यार्थी ने कहा कि नोबेल शांति पुरस्कार विजेता बनने के बाद भी उनके दिल में बच्चों के साथ हो रहे अपराधों की टीस कम नहीं हो रही है। बच्चों को जागरूक करेंगे कि उनके साथ अगर कोई घटना हो रही है तो उसका खुलकर विरोध करें।

सत्यार्थी ने बच्चों को यौन शोषण के प्रति जागरूक किया। कैलाश सत्यार्थी ने कहा कि बाल यौन शोषण देश में राष्ट्रीय महामारी बन चुका है। इसके खिलाफ हम सबको आगे आना होगा। इससे पहले यात्रा के संयोजक राज्य सभा सांसद रवि प्रकाश वर्मा ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कैलाश सत्यार्थी बच्चों के सुरक्षित बचपन के लिए समर्पित हैं।

उन्होंने कहा कि आज बचपन खतरे में है। कहीं बाहर से नहीं बल्कि परिवार, समाज से ही खतरा है। इसके लिए सभी को आगे आना होगा। बचपन सुरक्षित होगा तो राष्ट्र सुरक्षित होगा। इससे पहले नेशनल मूवमेंट फ्रंट के राष्ट्रीय संयोजक और गांधी वादी सौरभ बाजपेई ने कहा कि सवा सौ साल पहले देश में महात्मा गांधी ने भारत भ्रमण कर देश आजाद कराया था आज कैलाश सत्यार्थी बच्चों को खिलखिलाता बचपन देने के लिए यात्रा पर निकले हैं। कुपोषण के आंकड़े भयावह हैं। हमारी जिम्मेदारी बनती है कि ऐसा समाज बनाएं जो शोषण, कुपोषण से मुक्त हो। इससे पहले सांसद अजय मिश्र टेनी, सांसद रेखा वर्मा, अजमानी इंटरनेशनल की छात्रा विदुषी राव, डॉ. संजय कुमार, आर्वेन्द्र पाल सिंह, उमा कटियार, असद रशीद, सैफ अली नकवी, भाजपा जिलाध्यक्ष शरद बाजपेई, सपा जिलाध्यक्ष अनुराग पटेल, यशपाल चौधरी, नरेन्द्र सिंह, एमएलसी कांति सिंह, केजी पटेल, एमएलसी शशांक यादव आदि ने संबोधित किया। संचालन क्षमा टंडन ने किया। इस दौरान कैलाश सत्यार्थी की पत्नी सुमेधा सत्यार्थी, तृप्ति अवस्थी, क्रान्ति कुमार सिंह, उमा कटियार, प्रफुल त्रिवेदी, डीएम आकाशदीप, एसपी एस चन्नप्पा सहित तमाम स्कूलों के बच्चे मौजूद रहे।

एमपी और आन्ध्र प्रदेश में बनेगा कड़ा कानून

लखीमपुर-खीरी। कैलाश सत्यार्थी ने बताया कि बाल यौन शोषण के खिलाफ पूरा देश अब उठ खड़ा हुआ है। वह मध्य प्रदेश यात्रा लेकर पहुंचे। वहां के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह उनकी यात्रा में शामिल हुए। वार्ता के बाद उन्होंने ऐलान किया है कि अगले विधानसभा सत्र में वह विधेयक लाने जा रहे हैं। आन्ध्र प्रदेश में यात्रा पहुंचने पर वहां के मुख्यमंत्री ने बाल यौन शोषण करने वाले पर गैंगस्टर लगाने के साथ ही प्रदेश बदर कराने की बात कही। सत्यार्थी ने कहा कि शनिवार को ही यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात हुई है। जल्द ही मुख्यमंत्री यहां भी बच्चों के यौन शोषण के खिलाफ ...

जब नोबेल पाकर खुद की खींची थी सेल्फी

लखीमपुर-खीरी। पवन तिवारी

खीरी जिले में आए नोबेल विजेता कैलाश सत्यार्थी को बच्चों ने अपने सवाल लिखकर दिए।

नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी ने शनिवार को खीरी जिले के गुरुनानक इंटर कालेज मैदान से बच्चों को लेकर अपने संकल्प का ऐलान किया। सत्यार्थी ने जहां अपने अनुभवों को साझा किया वहीं बच्चों को संदेश भी दिए। बच्चों से कहा कि वह संकल्प लेकर आगे बढ़ें, सफलता निश्चित मिलेगी। बच्चों के सवालों का जवाब दिया और अपने अनुभवों को साझा किया।

जीवन जीवन संघर्ष को बताते हुए सत्यार्थी ने कहा कि जब वह पांच-छह के साथ तब नोबेल का नाम सुना था। पूछने पर बताया कि बहुत मेहनत से मिलता है। बड़े हुए तो और इसके बारे में जानकारी ली। मैंने संकल्प लिया कि नोबेल विजेता के साथ एक फोटो ...

समारोह

- सत्यार्थी ने दिया बच्चों के सवालों का जवाब

कि टीचर ने कहा आम बात है। घर जाकर कहा तो वहां भी यही जवाब मिला। तीन-चार दिन बाद उस बच्चे के ...

आर्य कन्या महाविद्यालय में छात्राओं के लिए कैरियर काउंसलिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया

प्रतियोगी परीक्षा में सफलता के दिए टिप्स

12/05/16

लखीमपुर-खीरी | हिन्दुस्तान संवाद

पहल

- सेवायोजन अधिकारी ने तैयारी के बारे में दिए गए टिप्स
- सेवायोजन कार्यालय में ऑनलाइन पंजीकरण के बारे में भी बताया

आर्यकन्या महाविद्यालय में आयोजित कार्यशाला के दौरान जल चेतना अभियान के पत्रक का लोकार्पण किया गया • हिन्दुस्तान

आर्यकन्या महाविद्यालय में बुधवार को छात्राओं के बीच कैरियर काउंसलिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के टिप्स दिए। वक्ताओं ने बताया कि किस तरह से वह प्रतियोगी परीक्षाओं को पास कर कैरियर बना सकत हैं। छात्राओं से स्वयं के मूल्यांकन पर भी जोर दिया गया।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कैसे करें विषय पर आयोजित कार्यशाला में जिला सेवायोजन अधिकारी रत्नेश चन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि जीवन में स्वयं के महत्व को समझते हुए अपने व्यक्तित्व का गुणात्मक मूल्यांकन करें। अपने ज्ञान को प्रतियोगिता परक बनाकर हम निर्णयात्मक भूमिका में पहुंच सकते हैं। ऐसा करने से हमें सफल होने से कोई रोक नहीं सकता। कार्यशाला की अध्यक्षता प्राचार्य डा. निरुपमा अशोक ने की जबकि आयोजन कैरियर सेल प्रभारी डॉ. सुरचना त्रिवेदी व रीता सिंह ने किया। इसके अन्तर्गत संस्कृत व हिन्दी में नेट यूजीसी परीक्षा की तैयारी से सम्बंधित जानकारियां दी गईं। डॉ. मीनाक्षी मिश्रा ने पावर प्वाइंट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से बताया। विशिष्ट अतिथि शिवचन्द सिंह ने भी संबोधित किया। डॉ. अन्नपूर्णा गुप्ता, डॉ. पुष्पा मलिक, डॉ. सुशीला सिंह व रीता सिंह ने विचार रखे। आशीष शुक्ल ने मल्टीमीडिया एजुकेशन के बारे में बताया। प्राचार्य डॉ. निरुपमा अशोक ने कैरियर काउंसलिंग की आवश्यकता को आज के युग में अनिवार्य बताते हुए कहा कि कैरियर काउंसलिंग के लिए सबसे बड़ा बल आत्मिक होता है। यही इस कार्यशाला का प्राण है। इस दौरान पुस्तक प्रदर्शनी भी लगाई गई। इस दौरान जल चेतना अभियान संबंधी पत्रक का लोकार्पण किया गया।

उप्र नशामुक्त जागरूकता रैली निकली

लखीमपर (एसएनबी)। गायत्री परिवार प्रान्तीय युवा प्रकोष्ठ.उ?प्र? के संयोजन में चल रहे नशा मुक्त उ.प्र. हस्ताक्षर अभियान को नगर से महिला वर्ग का व्यापक समर्थन लग-रहा है। आज नगर के गुरु नानक विद्या सभा कन्या इंटर कॉलेज में गायत्री परिवारए युवा प्रकोष्ठ द्वारा विद्यालय में श्नशामुक्ति महिला जागरूकता कार्यक्रम किया गया । कार्यक्रम में युवा प्रकोष्ठ के अनराग मौर्य ने छात्राओं को संबोधित कर नशा मुक्त समाज की स्थापना में नारी शक्ति का दायित्व बोध कराया।

इसके बाद प्रधानाचार्या डॉ? मीनाक्षी तिवारी की अगुआई में छात्राओं द्वारा नशा मुक्त उत्तर प्रदेश जन जागरूकता फेरी निकाली गई जो विद्यालय से सीतापर रोड होते हुए पंजाबी कॉलोनी पहुँची। यहाँ पर छात्राओं ने पंजाबी कालोनी प्रवेश द्वार से गुरुद्वारा सिंह सभा तक सड़क के दोनों ओर छात्र श्रृंखला बनाकर नशा मुक्त उत्तर प्रदेश की माँग को मुखर किया । छात्राओं ने ष्बंद करो भाई बंद करोए नशा प्रदेश से बंद करो आदि नारे लगाए। प्रधानाचार्या ने कहा अगर कोई संस्था पूरे प्रदेश को नशा मुक्त कराने की माँग उठा रही है तो विद्यालय परिवार की ओर से इस अभियान में पूरा समर्थन दिया जाएगा ।

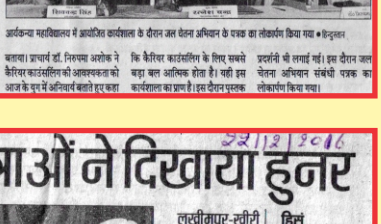

गायत्री परिवार के इस हस्ताक्षर अभियान में विद्यालय परिवार की ओर से कम से कम 8000 हस्ताक्षर करवाए जाएँगे । इस लक्ष्य प्राप्ति हेतु प्रधानाचार्या ने परमजीत कौर को विद्यालय का हस्ताक्षर अभियान प्रभारी बनाया । छात्र श्रृंखला कार्यक्रम में गायत्री परिवार युवा प्रकोष्ठ के कुलदीप वर्माए सगंधा शुक्लाए प्रतिमा वर्माए श्रीदेवी रस्तोगीए राजकुमारीए शिक्षिका हरमिंदर कौरए संजू वर्माए प्रियांशु श्रीवास्तवए दीप्ति तिवारीए अनु वर्माए राहुल मिश्रा ने सहयोग किया।

मीडिया प्रभारी अनुराग मौर्य ने बताया गुरु नानक इंटर कॉलेज में भी छात्रों को हस्ताक्षर अभियान के लिए जागरुता कार्यक्रम किया गया। विद्यालय प्रधानाचार्य यशविन्दर सिंह द्वारा शिक्षक निर्मल सिंह को हस्ताक्षर अभियान प्रभारी बनाया गया है। विद्यालय की ओर से कम से कम तीन हजार हस्ताक्षर करवाने का लक्ष्य निर्धारित किया । कार्यक्रम में शिक्षक इंद्र पाल विश्वकर्माए शैलेंद्र शुक्लाए प्रकट सिंहए सेवा सिंहए अजय शर्मा आदि मौजूद रहे।

कालेज की छात्राओं ने दिखाया हुनर

22/12/2016

गुरुनानक विद्यक सभा के वार्षिकोत्सव में सदर विधायक को दिया गया स्मृति चिह्न।

लखीमपुर-खीरी | हिसं.

गुरुनानक विद्यक सभा कन्या इंटर कालेज में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वार्षिकोत्सव में 'जीना इसी का नाम है' विषय पर केन्द्रित रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत सबद कीर्तन और मां सरस्वती की पूजा अर्चना व गणेश वंदना से हुई। रथ पर सवार अर्जुन ने अतिथियों का माल्यार्पण, आर्मी एक्ट, शिवतांडव, स्तोत्र, सेव द गर्ल, चाइल्ड, क्लासिकल, नृत्य व जीना इसी का नाम है आदि कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। प्रधानाचार्य डॉ. मीनाक्षी तिवारी ने बताया कि विद्यालय में शिक्षण प्रणाली के समस्त तकनीकी उपकरण उपलब्ध हैं। बतौर मुख्य अतिथि सदर विधायक उत्कर्ष वर्मा मौजूद रहे। अध्यक्षता सरवन सिंह ने की।

दीप जलाकर किया इंडियन आर्मी को सेल्यूट, मनाया शौर्य दिवस

21/07/2016

पलिया में स्टेशन तिराहे पर मोमबत्तियां जलाते लोग। सिटी मांटेसरी में हस्ताक्षर अभियान। हम सब सेना के साथ है संकल्प लेते लोग। • अमर उजाला

गुरुनानक विद्यक सभा

अमर उजाला ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। कश्मीर में आतंकी बुरहान वानी को मारे जाने पर पाकिस्तान के काला दिवस मनाने के विरोध में मंगलवार की रात लोगों ने चौराहों और घरों पर दीप जलाए।

वहीं बुधवार को स्कूली बच्चों ने हम सेना के साथ हैं, लिखकर हस्ताक्षर अभियान चलाया। लोगों ने एकजुट होकर शहर के चौराहों पर दीपमालाएं जलाईं और स्कूलों में बच्चों ने हम सेना के साथ हैं लिखकर हस्ताक्षर अभियान चलाया। भुईपुरवानाथ तिराहे पर यस फॉर सोशल चेंज और भारत विकास परिषद विवेकानन्द शाखा के संयुक्त तत्वावधान में तिराहे की सफाई की गई और स्मारक के चारों ओर दीप जलाए गए। सामाजिक, सांस्कृतिक संस्था प्रयास के तत्वावधान में गुरु गोविंद सिंह चौक को दीप मालाओं से सजाया गया। उधर इमली चौराहे पर इनरव्हील क्लब लखीमपुर की अध्यक्ष हरजीत अजमानी की अगुआई में सदस्यों ने 21-21 दीप जलाकर रोशनी की।

गोला गोकर्णनाथ। भारत विकास परिषद द्वारा नगर में कैंडिल मार्च निकालकर भारतीय सैनिकों के सम्मान में शौर्य दिवस मनाया गया

पलियाकलां। यहां मंगलवार शौर्य दिवस पर युवा व्यापारी ने और समाजसेवी रवि गुप्ता के नेतृत्व में युवाओं ने पुलिस चौकी के निकट रामचरन शाह की मूर्ति के पास कैंडिल जलाकर शहीद जवानों को याद कर भारतीय सेना की हौसला अफजाई की। रोटरी क्लब, कायस्थ महासभा समेत तमाम समाजिक संगठनों ने भाग लिया।

'खेल भावना से रैली में भाग लें'

राजकीय इंटर कॉलेज में हुई स्काउट-गाइड रैली में दिखाई प्रतिभा

अमर उजाला ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। भारत स्काउट और गाइड के तत्वावधान में नगर क्षेत्र और तहसील स्तर की स्काउट-गाइड रैली का आयोजन राजकीय इंटर कॉलेज में किया गया। रैली का उद्घाटन प्रधानाचार्य डॉ. आरके जायसवाल ने किया। उन्होंने कहा कि सभी स्काउट गाइड को खेल की भावना से स्वच्छ मन के साथ रैली में भाग लेना चाहिए। रैली का संचालन अनिल झा ने किया। बीडी भार्गव ने स्कार्फ पहनाया।

रैली में वर्दी निरीक्षण, मार्चपास्ट, कलर पार्टी, प्राथमिक चिकित्सा, मीनार बनाना, दल अभिलेख, सिगनलिंग, झांकी की प्रतियोगिताएं हुईं। स्काउट गाइड सीनियर में राजकीय इंटर कॉलेज प्रथम, स्वामी श्याम प्रकाश इंटर कॉलेज द्वितीय और इस्लामियां इंटर कॉलेज तृतीय स्थान पर रहा। गाइड में गुरुनानक विद्यक सभा कन्या इंटर कॉलेज प्रथम, जूनियर वर्ग में गांधी विद्यालय इंटर कॉलेज प्रथम, गाइड में सनातन धर्म सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज प्रथम, भगवानदीन आर्य कन्या इंटर कॉलेज द्वितीय स्थान पर रहा।

तहसील स्तर पर सीनियर वर्ग स्काउट में किसान इंटर कॉलेज फरधान प्रथम, युवराजदत्त इंटर कॉलेज ओयल द्वितीय, राजकीय इंटर कॉलेज शारदानगर तृतीय स्थान पर रहे। गाइड में जिला पंचायत इंटर कॉलेज प्रथम, किसान इंटर कॉलेज फरधान द्वितीय, जूनियर वर्ग में जनता इंटर कॉलेज लगुचा प्रथम रहा। यह सभी टीमें जनपदीय रैली में प्रतिभाग करेंगी।

जिला गाइड कमिश्नर मिथलेश गुप्ता ने स्काउट गाइड से कहा कि हमें सेवा भाव से काम करना चाहिए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. आरके जायसवाल ने कहा कि हमें सबके प्रति प्रेम भाव और अपनी आत्मा को शुद्ध रखना चाहिए।

इस मौके पर बीडी भार्गव, अंकित अग्रवाल, दिलीप पटवा, अनीश कुमार ने सहयोग किया। निर्णायक के रूप में शशि बाला, विमला कश्यप, शोभा रानी, विश्वनाथ, पारस नाथ, पंकज पांडेय, सोबरन लाल मिश्र, सुरेंद्र पाल, जगदीश सैनी, शिव शंकर दुबे आदि मौजूद रहे।

गाइड शिविर में फर्स्ट एड की जानकारी देते प्रशिक्षक। G.N.V.S.K.I.C.

राष्ट्र निर्माण में माताओं की भूमिका खास:डा. मीनाक्षी

पंडित दीनदयाल कॉलेज में मातृ भारती सम्मेलन संपन्न

अमर उजाला ब्यूरो

पंडित दीन दयाल उपाध्याय इंटर कॉलेज में मातृ भारती सम्मेलन हुआ।

लखीमपुर खीरी। पंडित दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में शनिवार को आयोजित मातृ भारती सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि गुरुनानक विद्या सभा इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य डॉ. मीनाक्षी तिवारी ने कहा कि समाज और राष्ट्र के निर्माण में माताओं की भूमिका काफी अहम है। माताओं को चाहिए कि वह अपने बच्चों को ऐसी शिक्षा दें जिससे बच्चे अपनी संस्कृति को आत्मसात कर देश और समाज के नव निर्माण में जुट जाएं।

प्रधानाचार्य शेषधर द्विवेदी ने मातृभारती का उद्देश्य बताने के साथ ही कॉलेज की वर्षभर की कार्य योजना बताई। आर्यकन्या इंटर कॉलेज की प्रवक्ता क्षमा टंडन मां की ममता और उनकी शक्तियों के विषय पर जानकारी दी। पूर्व में डॉ. मीनाक्षी तिवारी ने विशिष्ट अतिथि अंजू गुप्ता, कार्यक्रम अध्यक्ष क्षमा टंडन, कॉलेज के सह प्रबंधक रविभूषण साहनी एवं प्रधानाचार्य शेषधर द्विवेदी के साथ मां सरस्वती का पूजन और दीप जलाकर सम्मेलन का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका रंजीता अवस्थी एवं मंदाकिनी ने किया। इस मौके पर छात्राओं की माताएं मौजूद रहीं।

'शिक्षक की महानता पर झुक जाता है सिर'

कार्यक्रम में सम्मानित शिक्षक और अतिथिगण। अमर उजाला 28 May 18

अमर उजाला गुरु प्रणाम

डीएम -एसपी ने किया शिक्षकों का गुणगान

अमर उजाला ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। बच्चों की संस्कार और ज्ञान देने की महती भूमिका के बारे सोचो तो शिक्षक की महानता पर सिर झुक जाता है। यह कहना है जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार का। अमर उजाला और लखनऊ पब्लिक स्कूल के संयुक्त प्रयास से गुरु प्रणाम कार्यक्रम में उन्होंने शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

लखनऊ पब्लिक स्कूल के सभागार में दस स्कूलों के फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ, हिन्दी और इंग्लिश विषय के सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एसपी रामलाल वर्मा ने कहा कि गुरू की महिमा का बखान नहीं किया जा सकता। एलपीएस स्कूल की प्रबंध निदेशिका एवं शिक्षक विधायक कांती सिंह ने कहा कि घर वाले अबोध बालक स्कूल को सौंपते है। शिक्षक उसे प्रतिभावान नागरिक बनाते हैं। इस मौके पर उप प्रधानाचार्य विजय सचदेवा, खेल शिक्षक विवेक पुरी, जिला पंचायत सदस्य संदीप वर्मा आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रदीप रस्तोगी ने किया।

कैबिनेट मंत्री अहलूवालिया का स्वागत

लखीमपुर खीरी। अभी हाल में प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री बनाए गए बलवंत सिंह अहलूवालिया का लखीमपुर में जोरदार स्वागत किया गया। जिला सिख सभा और इंटर कॉलेजों की प्रबंध कमेटी की ओर से गुरुनानक इंटर कॉलेज में आयोजित समारोह के दौरान अहलूवालिया ने कहा कि वे हर चुनौती पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। सपा जिलाध्यक्ष अनुराग पटेल और सदर विधायक उत्कर्ष वर्मा की मौजूदगी में गुरुनानक डिग्री कॉलेज की प्रधानाचार्य राधा मिश्रा, गुरुनानक कन्या विद्यालय की प्रधानाचार्य मीनाक्षी तिवारी ने बुके भेंट किए। वहीं जिला सिख सभा के अध्यक्ष सेवक सिंह अजमानी, इंटर कॉलेज प्रबंध कमेटी के अध्यक्ष सरवन सिंह, गुरुनानक महाविद्यालय के प्रबंधक अमरजीत सिंह अजमानी, इंटर कॉलेज के इसविंदर सिंह, इंद्रपाल सिंह राना आदि रहे। ब्यूरो

श्री गुरुनानक विधक सभा इंटर कॉलेज के वार्षिकोत्सव पर सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करतीं छात्राएं।

GURU NANAK VIDDYAK SABHA
GIRLS INTER COLLEGE
Barkherwa, Sitapur Road, Lakhimpur-Kheri

Happy Farewell

कोरोना से डरो ना

कोरोना से डरो ना
JANTA
Police
Banker
Sweeper
doctor
STAY HOME STAY SAFE
नाम- अनन्या गौतम / कक्षा - 12(कला) / फोन नं० - 9839758105
कालेज नाम - गुरू नानक विद्यक सभा कन्या इन्टर कॉलेज 1072

गुरु नानक विद्यक सभा कन्या इण्टर कालेज, लखीमपुर
वार्षिक उत्सव में आपका हार्दिक स्वागत है

LIBRARY RULES

गुरु नानक इण्टर कालेज, लखीमपुर
गुरु नानक विद्यक सभा कन्या इण्टर कालेज, लखीमपुर

गुरु नानक विद्यक सभा कन्या इण्टर कालेज, लखीमपुर

चलो करें मतदान

उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस
आयोजित कार्यक्रम

गुरु नानक इंटर कालेज
लखीमपुर-खीरी

VOTE
FOR
NATION

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

गुरुनानक विधिक सभा कन्या इण्टर कॉलेज

GURU NA
GIRLS

प्रयास हमारा
सफलता आपकी